# ब्रिक्स का नई दिल्ली घोषणा पत्र

ब्रिक्स के 'नई दिल्ली घोषणा-पत्र' से यह पता चलता है कि स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में प्रगति धीमे-धीमे हुई है। स्थानीय मुद्रा में व्यापार से संबंधित पैराग्राफ में विभिन्न कार्यदलों (टास्क फोर्स) और कमेटियों के प्रयासों को तो माना गया है, लेकिन इसमें किसी ठोस प्रस्ताव की तजवीज नहीं की गई है। हाल ही में, वाणिज्य मंत्रालय ने संकेत दिया कि ब्रिक्स के साझेदार देशों के साथ भारत का रुपया-आधारित व्यापार सीमित रहा है और इस किस्म के व्यापार में सिर्फ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तथा रूस ही शामिल हैं। यहां तक कि वैसे व्यापार की मात्राएं भी अपेक्षाकृत कम हैं। हाल तक, रूस को भारत को किए गए निर्यात से जमा हो रहे रुपयों को खपाने में मुश्किल हो रही थी। कुछ रास्ते अब खुल गए हैं, क्योंकि यूक्रेन के हमलों की वजह से रूस को भारत से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। लेकिन इस आयात की मात्रा बहुत कम है। एक और विकल्प यह है कि ब्रिक्स के किसी भी सदस्य देश की मुद्रा को 'स्थानीय' माना जाए। भारत पहले से ही रूस के तेल का भुगतान करने के लिए यूएई के दिरहम का इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि, हालिया घोषणापत्र में ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने की बात का जिक्र अहम है। इसमें 卐राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान करने और यह स्वीकार करने पर जोर दिया गया है कि हर स्थिति के लिए एक ही तरीका सही नहीं हो सकता卐। साफ है कि ब्रिक्स के भीतर कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। ये मंत्रणाएं सार्वजनिक नहीं हैं। लेकिन अगर भारत ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर जोर दिया हो और 卐एक ही तरीका सबके लिए卐 वाले नजरिए से जुड़ी समस्याओं को उठाया हो, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। स्थानीय मुद्रा में व्यापार से भारत के कई रणनीतिक पहलू जुड़े हैं।

एक तरफ, भारत अपने निर्यात के लिए डॉलर में भुगतान लेना जारी रखना पसंद करेगा। रुपये की गिरती कीमत यह पक्का करती है कि भारत को चुकाए जाने वाले हर डॉलर के बदले ज्यादा रुपये मिलें। निर्यात बढ़ाने की कोशिश में जुटे एक मुल्क के तौर पर, भारत इस फायदे को बनाए रखना चाहेगा। दूसरी तरफ, भारत एक बड़ा आयातक भी है और अपेक्षाकृत सस्ती स्थानीय मुद्राओं में भुगतान करना चाहेगा। आखिररकार उसे चुनना ही होगा। फिर, एक तथ्य यह भी है कि ब्रिक्स देशों के कुल निर्यात में चीन की हिस्सेदारी तकरीबन दो-तिहाई है। ऐसे में, ब्रिक्स देशों के बीच स्थानीय मुद्रा में होने वाला व्यापार मुख्य रूप से युआन में होगा। भले ही अब चीन के साथ रिश्तों में जमी बर्फ पिघल रही हो, लेकिन भारत अभी भी युआन में कारोबार करने से हिचकिचाएगा। स्थानीय मुद्रा में व्यापार और ब्रिक्स की मुद्रा के बीच फर्क करना भी महत्वपूर्ण है। यूं तो भारत ने अब तक स्थानीय मुद्रा में व्यापार वाले मामले में सावधानी के साथ समर्थन किया है, लेकिन उसने ब्रिक्स की मुद्रा का खुलकर विरोध किया है। इसकी मुख्य वजह यह है कि ऐसी मुद्रा पर चीन का दबदबा होने की संभावना है। इसके अलावा, ब्रिक्स की मुद्रा अपनाने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी भी है। भारत ने ट्रम्प से निपटने में व्यावहारिक रवैया अपनाया है और वह टैरिफ से जुड़ी ऐसी धमकियों को हल्के में नहीं लेगा। ईरान और रूस जैसे मुल्कों के पास डॉलर से दूर हटने की ठोस वजहें हैं। अब तक भारत के पास ऐसा कोई ठोस विकल्प नहीं है और 'नई दिल्ली घोषणापत्र' में यह बात झलकती है।

# सीमापार से संचालित आतंकी नेटवर्क पर सख्ती का संकेत

सीमा पार से संचालित आतंकवाद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसका सीधा तात्पर्य उस आतंकवादी गतिविधि से है जिसकी योजना, वित्तपोषण और प्रशिक्षण किसी बाहरी देश की धरती पर होता है, लेकिन उसका उद्देश्य भारत में हिंसा और अस्थिरता फैलाना होता है।भारत विशेष रूप से अपनी पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्कों से लंबे समय से प्रभावित रहा है।

चुनोती यह है कि सीमा पार से संचालित आतंकवाद केवल बंदूक और बम तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि अब इसका स्वरूप कहीं अधिक जटिल हो चुका है। संगठित अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, सोशल मीडिया के जरिए युवाओं की भर्ती, हथियारों की सप्लाई, रेकी और स्थानीय अपराधियों के इस्तेमाल का मिश्रण राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने नई चुनौती बनकर उभरा है।

सीमा पार से प्रमुख चुनौतियाँ नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की कठिन भौगोलिक संरचना पहाड़, नदियां और घने जंगल का फायदा उठाकर आतंकी भारत में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। सीमा के ठीक उस पार आतंकी संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठन जैसे टीआरएफ के ट्रेनिंग कैंप और लॉन्च पैड्स संचालित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में सीमा पार से हथियारों, ड्रग्स और जाली नोटों की तस्करी के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल एक नई चुनौती बनकर उभरा है।इस के अलावा भारत में अशांति फैलाने के लिए हवाला नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी फंडिंग के जरिए स्थानीय मॉड्यूल को वित्तीय मदद पहुंचाई जाती है

आपको बता दें इसी सिलसिले में भारत सरकार द्वारा गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 35 के तहत शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) को देश की पहली अनुसूची में 46वें आतंकी संगठन के रूप में शामिल करना भारत की आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद के प्रति उसकी जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) नीति का एक मील का पत्थर है। यह निर्णय केवल एक कानूनी कागजी कार्रवाई नहीं है, बल्कि सीमा पार से संचालित होने वाले उस हाइब्रिड वॉरफेयर और नारको-टेररिज्म के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान है, जो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर भारतीय युवाओं को ढाल बनाकर देश को भीतर से खोखला करने की साजिश रच रहा था। गृह मंत्रालय का यह कदम यह साफ संदेश देता है कि भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त किसी भी नेटवर्क को अब ध्वस्त किए बिना राहत नहीं ली जाएगी। सरकार का कहना है कि यह नेटवर्क युवाओं और स्थानीय अपराधियों को अपने साथ जोड़कर सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थ भारत लाने तथा आतंकवादी गतिविधियों के लिए उनका इस्तेमाल करने में शामिल रहा है। अधिसूचना में डिजिटल माध्यमों से भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने और प्रतिबंधित संगठनों के साथ मिलकर संसाधन जुटाने जैसे आरोपों का भी उलेख है। यह फैसला अचानक सामने नहीं आया है। 12 अगस्त को सुरक्षा एजेंसियों और विभिन्न राज्यों की पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया था। गृह मंत्रालय के अनुसार 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया और शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े मामलों में 80 से अधिक प्राथमिकी तथा 200 से अधिक गिरफ्तारियां दर्ज की गई। कार्रवाई के दौरान आईईडी, ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और निगरानी उपकरण बरामद किए जाने की जानकारी भी सरकार ने दी थी। इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू अपराध और आतंकवाद के बीच बनता गठजोड़ है। किसी विदेशी संचालक के लिए हर व्यक्ति को वैचारिक रूप से प्रशिक्षित आतंकवादी बनाना जरूरी नहीं है। स्थानीय अपराधी को पैसा, नशा, हथियार या किसी अन्य लालच के जरिए छोटे-छोटे काम सौंपना कहीं आसान है। कोई हथियार पहुंचाता है, कोई किसी स्थान की रेकी करता है, कोई डिजिटल संपर्क उपलब्ध कराता है और कोई हमला करता है। अलग-अलग दिखने वाले ऐसे अपराध यदि एक केंद्रीय नेटवर्क से संचालित हों तो सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि आतंकवाद से लड़ाई केवल हमले के बाद अपराधी को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं रह सकती। नेटवर्क के वित्तीय स्रोत, हथियारों की आपूर्ति,

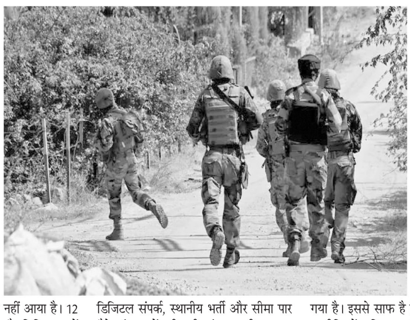

डिजिटल संपर्क, स्थानीय भर्ती और सीमा पार बैठे संचालकों की पूरी श्रृंखला की पहचान करना आवश्यक है। किसी नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित करने से जांच एजेंसियों को उसके सदस्यों, सहयोगियों, वित्तीय लेन-देन और गतिविधियों की जांच के लिए व्यापक कानूनी आधार मिलता है। लेकिन किसी संगठन को सूची में डालना अपने आप में अंतिम समाधान नहीं है। वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उसके स्थानीय मॉड्यूल, धन के स्रोत और हथियार पहुंचाने वाली कड़ियां कितनी प्रभावी ढंग से समाप्त की जाती हैं। सरकार ने शहजाद भट्टी नेटवर्क को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित नेटवर्क बताया है। पाकिस्तान के लिए भी यह विषय केवल भारत के साथ उसके द्विपक्षीय संबंधों का मुद्दा नहीं होना चाहिए। किसी देश की जमीन पर आतंकवादी और आपराधिक नेटवर्क सक्रिय रहते हैं तो अंतत: वे उसी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। आतंकवाद को कथित रणनीतिक हितों के आधार पर अच्छे और बुरे आतंकवाद में चयन की नीति लंबे समय में किसी भी समाज को सुरक्षित नहीं रख सकती। पाकिस्तान को अपने यहां सक्रिय उन तत्वों के खिलाफ पारदर्शी और प्रमाणित कार्रवाई करनी चाहिए, जिन पर दूसरे देशों में आतंकवादी या आपराधिक गतिविधियों को संचालित करने के आरोप हैं। भारत के लिए एक और बड़ी चुनौती युवाओं को ऐसे नेटवर्क से बचाना है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना में लालच देकर युवाओं और स्थानीय अपराधियों को जोड़ने तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल का विशेष उल्लेख किया गया है। इससे साफ है कि आतंकवाद विरोधी रणनीति में पुलिस कार्रवाई के साथ साइबर निगरानी, ड्रग्स के खिलाफ अभियान, वित्तीय खुफिया तंत्र और युवाओं के बीच जागरूकता को भी बराबर महत्व देना होगा। विशेष रूप से ड्रग्स और आतंकवाद का गठजोड़ चिंताजनक है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय भी उतना ही जरूरी है। अगस्त में 14 राज्यों में एक साथ हुई कार्रवाई यह दिखाती है कि आतंकवादी नेटवर्क किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहते। आतंकवाद से लड़ते हुए सुरक्षा और कानून के शासन-दोनों की रक्षा करनी होगी। शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई को इसी व्यापक संदर्भमें देखा जाना चाहिए। किसी एक संगठन पर प्रतिबंध आतंकवाद का अंत नहीं कर सकता, पर उसके नेटवर्क, धन, हथियार और भर्ती व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से तोड़ना आतंकवाद विरोधी रणनीति का आवश्यक हिस्सा है। सीमा पार से संचालित आतंकवाद पर प्रभावी लगाम तभी लगेगी जब हमले करने वालों के साथ उन्हें धन, हथियार, निर्देश और सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराने वाली पूरी व्यवस्था पर कार्रवाई हो। आतंकवाद से लड़ाई अंतत: किसी एक व्यक्ति या संगठन के खिलाफ नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र के खिलाफ है जो हिंसा को पैदा करता, पोषित करता और सीमाओं के पार पहुंचाता है।

भारत सरकार ने इस खतरे से निपटने के लिए जीरो टॉलरेंस (शून्य सहिष्णुता) की नीति अपनाई है। भारतीय सुरक्षा बल सीमा पर घुसपैठ-रोधी को मजबूत कर रहे हैं। सेना और स्थानीय पुलिस के समन्वित अभियानों के जरिए हाल ही में कई बड़े सीमा पार आतंकी मॉड्यूल को ध्वस्त किया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और इंटेलिजेंस ब्यूरो जैसी संस्थाओं को आधुनिक तकनीक और व्यापक अधिकार दिए गए हैं ताकि आतंकी नेटवर्क और टेरर फंडिंग की रीढ़ तोड़ी जा सके। भारत ने संयुक्त राष्ट्र और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब किया है। हालिया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में चीन जैसे देशों ने भी सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों की कड़ी निंदा की है, जिससे ऐसे तत्वों को शह देने वाले देश वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ रहे हैं।

इसी क्रम में भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पड़ोसी देशों के साथ समझौतों और द्विपक्षीय संधियों जैसे सिंधु जल संधि की समीक्षा पर सख्त रुख अपना रहा है ताकि आतंकवाद को राज्य की नीति बनाने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

**मनोज कुमार अग्रवाल**

# हूती हमलों व अमेरिका-ईरान युद्ध का तेल पर महाविस्फोट!

क्या वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ऑयल शॉक का सबसे बड़ा वार? क्या दुनियाँ फिर ऑयल क्राइसिस की आग में झुलसने वाली है?- अमेरिका-ईरान जंग से होर्मुज संकट, हूती हमलों से लाल सागर अशांत, सऊदी पाइपलाइन बंद

क्या पेट्रोल-डीजल की कीमतों का अगला तूफान पूरी दुनियाँ को हिला देगा? - सऊदी अरब में तेल उत्पादन 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर! क्या क्रूड ऑइल पर 120 डॉलर का खतरा मंडरा रहा है?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का ऊर्जा बाजार सितंबर 2026 में एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जिसमें तेल की आपूर्ति के कई महत्वपूर्ण रास्तों पर एक साथ दबाव बन गया है।अमेरिका- ईरान संघर्ष के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बेहद कम हो गई है,लाल सागर और बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हूती हमलों ने समुद्री परिवहन को जोखिम में डाल दिया है और अब सऊदी अरब की लगभग 1,200 किलोमीटर लंबी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन भी ड्रोन हमलों के बाद अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। यह पाइपलाइन सऊदी अरब के पूर्वी तेल क्षेत्रों को लाल सागर के यानबू बंदरगाह से जोड़ती है और प्रतिदिन लगभग 40-50 लाख बैरल तेल ले जाने की क्षमता रखती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि इस घटनाक्रम की गंभीरता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि होर्मुज स्वयं दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा समुद्री मार्गों में से एक है। सामान्य परिस्थितियों में इसके जरिए विश्व के लगभग पांचवें हिस्से के तेल और एलएनजी का परिवहन होता है,लेकिन 17 सितंबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को होर्मुज से केवल तीन कमोडिटी वैसेल्स गुजरे, जबकि 10-दिन का औसत करीब 17 था इसका अर्थ यह नहीं है कि वैश्विक तेल आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है,परंतु सामान्य रूप से खुला तेल मार्ग कहना मुश्किल हैलेकिन यह अवश्य बताता है कि युद्ध ने ऊर्जा परिवहन की सामान्य व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।इसी के समानांतर बाब अल-मंदेब भी महत्वपूर्ण हो गया है।लाल सागर से होकर यूरोप और एशिया के बीच जाने वाले जहाजों के लिए यहरणनीतिक समुद्री मार्ग है।आज 17 सितंबर 2026 को उपलब्ध ताजा बाजार आंकड़ों में ब्रेंट क्रूड लगभग 104 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई लगभग 101 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था; यानी कीमतें 100 डॉलर से ऊपर बनी हुई हैं।हूती हमलों और क्षेत्रीय सैन्य तनाव के कारण जहाजरानी कंपनियों को जोखिम, बीमा लागत और वैकल्पिक मार्गों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।ऐसे वातावरण में सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का बंद होना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाइपलाइन होर्मुज से बचकर सऊदी तेल को लाल सागर तक पहुंचाने वाला प्रमुख वैकल्पिक मार्ग रही है।वैश्विक तेल संकट के बीच भारत सरकार ने 16 सितंबर से पेट्रोल,डीजल और एटीएफ़ के निर्यात पर लेवी घटाई है; हालांकि इसका घरेलू पेट्रोल- डीजल की खुदरा कीमतों पर सीधा असर नहीं है।

साथियों सऊदी अरब से सामने आए तेल उत्पादन के आंकड़े भी चिंता बढ़ाते हैं। ओपेक को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अगस्त में सऊदी अरब का कच्चे तेल का उत्पादन लगभग 62.4 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो जुलाई के लगभग 81 लाख बैरल प्रतिदिन से करीब 19 लाख बैरल प्रतिदिन कम था।यह 1990 के बाद का सबसे निचला मासिक उत्पादन स्तर बताया गया है।हालांकि उत्पादन और बाजार में वास्तविक आपूर्ति अलग- अलग अवधारणाएं हैं;इसलिए इन आंकड़ों को सीधे वैश्विक उपलब्ध तेल में उतनी ही मात्रा की कमी के रूप में नहीं पढ़ना चाहिए।सबसे बड़ा सवाल अब सऊदी अरब के निर्यात भंडार और पाइपलाइन की बहाली को लेकर है। रॉयटर्स के अनुसार, यदि ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन शीघ्र चालू नहीं होती तो सऊदी अरब के पास यानबू क्षेत्र में उपलब्ध निर्यात योग्य तेल का स्टॉक केवल लगभग पांच से सात दिनों के लिए पर्याप्त रह सकता है और लंबे व्यवधान की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति का लगभग 4 प्रतिशत तक हिस्सा प्रभावित होने का जोखिम है।यह एक संभावित जोखिम का आकलन है, तत्काल 4 प्रतिशत की वास्तविक कमी नही।

साथियों तेल बाजार ने इस जोखिम पर तत्काल प्रतिक्रिया भी दिखाई।15 सितंबर को यानबू से तेल लदान रुकने और यूरोप के लिए कुछ शिपमेंट रद्द होने की खबरों के बीच ब्रेंट लगभग 108.75 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई करीब 105.83 डॉलर पर बंद हुआ। हालांकि अगले दिन सऊदी अरब द्वारा ओमान के सोहार बंदरगाह के जरिए वैकल्पिक शिपमेंट बढ़ाने की खबर आने पर कीमतों में कुछ नरमी आई और 16 सितंबर को ब्रेंट करीब 105.83 डॉलर तथा डब्ल्यूटीआई करीब 102.43 डॉलर पर बंद हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि बाजार केवल युद्ध की खबर पर नहीं, बल्कि वैकल्पिक आपूर्ति उपलब्ध होने की संभावना पर भी तेजी से प्रतिक्रिया कर रहा है। यही कारण है कि 120 डॉलर प्रति बैरल का स्तर अभी एक संभावित जोखिम या बाजार-चर्चा का विषय है,निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि होर्मुज में व्यवधान लंबा चलता है, बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हमले बढ़ते हैं और सऊदी पाइपलाइन की मरम्मत में लंबा समय लगता है, तो उपलब्ध वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, यदि वैकल्पिक समुद्री मार्ग सक्रिय रहते हैं, सऊदी पाइपलाइन जल्दी बहाल होती है या अतिरिक्त उत्पादन बाजार में आता है, तो दबाव सीमित भी रह सकता है।

साथियों,इस संकट का असर केवल कच्चे तेल की कीमत तक सीमित नहीं है।महंगा क्रूड परिवहन,पेट्रोल-डीजल, विमानन ईंधन, पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक,उर्वरक और बिजली उत्पादन जैसी अनेक गतिविधियों की लागत बढ़ा सकता है।तेल आयात पर अत्यधिक निर्भर देशों में इसका असर चालू खाते,मुद्रा विनिमय दर, सरकारी सब्सिडी और महंगाई पर पड़ सकता है। पहले से ऊंची ऊर्जा लागत के बीच यदि डीजल और जेट फ्यूल की उपलब्धता भी प्रभावित होती है, तो वैश्विक सप्लाई चेन पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।विभिन्न देशों में इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव भी अलग-अलग दिखाई दे सकते हैं। जहां सरकारें ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने या सब्सिडी देने की स्थिति में हैं, वहां तत्काल उपभोक्ता प्रभाव कुछ समय के लिए सीमित किया जा सकता है, लेकिन राजकोषीय बोझ बढ़ेगा। जिन देशों के पास सीमित विदेशी मुद्रा भंडार और कम रणनीतिक तेल भंडार हैं, उनके लिए महंगा तेल आयात अधिक कठिन हो सकता है। इसलिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए वैश्विक तेल कीमतों का लंबा उछाल विशेष चुनौती बन सकता है। अलग-अलग देशों में विरोध-प्रदर्शन की खबरें भी सामने आई हैं, लेकिन उनके कारण और स्थानीय परिस्थितियां सटिका से अलग-अलग हैं।

साथियों भारत के लिए तस्वीर अपेक्षाकृत अलग है, लेकिन जोखिम समाप्त नहीं हुआ है।भारत दुनियाँ के बड़े तेल आयातकों में है,इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रूड कीमतों और समुद्री मालभाड़े में लंबे समय तक वृद्धि का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।दूसरी ओर भारत के पास विविध आयात स्रोत रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, घरेलू रिफाइनिंग क्षमता और बड़ी सरकारी तेल कंपनियों का नेटवर्क है, जो अचानक आए बाहरी झटके को कुछ हद तक एबसोर्ब करने में मदद कर सकते हैं।फिर भी यदि 100-120 डॉलर के आसपास तेल लंबे समय तक बना रहता है तो महंगाई, व्यापार घाटे और रुपये पर दबाव जैसे प्रभावों की निगरानी सटीकता से महत्वपूर्ण होगी।

साथियों, दिलचस्प बात यह है कि संकट के बीच सऊदी अरब वैकल्पिक रास्ते तलाश रहा है। 16 सितंबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब ने ओमान के सोहार बंदरगाह के पास शिप-टू-शिप ट्रांसफर्स के जरिए एशियाई खरीदारों को कच्चा तेल उपलब्ध कराने की कोशिश बढ़ाई है।साथ ही खाड़ी के भीतर स्थित रासतनुरा और जुयैमाह बंदरगाहों से लदान भी बढ़ा है। इससे संकेत मिलता है कि सऊदी अरब और बाजार के अन्य खिलाड़ी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हैं, बल्कि आपूर्ति को वैकल्पिक मार्गों से बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा वैश्विक सबक ऊर्जा सुरक्षा है। जिस समय दुनिया तेल की स्थिर और सस्ती आपूर्ति पर निर्भर है, उसी समय एक युद्ध कई समुद्री चौकेपॉइंट्स और बुनियादी ऊर्जा ढांचे को एक साथ प्रभावित कर रहा है। होर्मुज, बाब अल-मंदेब और सऊदी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन अलग-अलग रास्ते हैं, लेकिन वर्तमान संकट में इनके जोखिम आपस में जुड़ गए हैं। यही इंटरकनेक्टेड रिस्क ऊर्जा बाजार के लिए सबसे गंभीर चुनौती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि़ वर्तमान स्थिति को तत्काल वैश्विक तेल आपूर्ति पूरी तरह ठप कहना सही नहीं होगा,लेकिन ऊर्जा बाजार में असाधारण अनिश्चितता जरूर बढ़ी है।सऊदी उत्पादन में भारी गिरावट,होर्मुज में बेहद कम जहाज आवाजाही,बाब अल -मंदेब में सुरक्षा संकट और ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की क्षति,ये सभी संकेत बताते हैं कि आने वाले दिनों में बाजार की दिशा मुख्यत: तीन बातों पर निर्भर करेगी- युद्ध और समुद्री मार्गों की स्थिति, सऊदी पाइपलाइन की बहाली और वैकल्पिक तेल आपूर्ति की वास्तविक क्षमता। यदि इन तीनों मोर्चों पर सुधार नहीं हुआ तो महंगे तेल का असर ऊर्जा से निकलकर महंगाई, परिवहन, उद्योग और वैश्विक आर्थिक वृद्धि तक पहुंच सकता है; लेकिन वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग सक्रिय रहे तो बाजार इस झटके को धीरे-धीरे एबसोरब भी कर सकता है।

**एडवोकेट किशन सनमुखदास**

# सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।

सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक 'लाइक', एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है।

समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है। असहमति होते ही बहस व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाती है। विचारों का आदान प्रदान धीरे-धीरे विचारों की टकराहट में बदलने लगता है। इससे सामाजिक विश्वास कमजोर होता है।

यहां यह समझना आवश्यक है कि समस्या सोशल मीडिया स्वयं नहीं है। तकनीक एक साधन है, उसका उपयोग उसे उपयोगी या नुकसानदेह बनाता है। सोशल मीडिया ने आपदा के समय सहायता पहुंचाने, ज्ञान साझा करने, रोजगार और व्यवसाय के अवसर पैदा करने तथा दूर रह रहे परिवारों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब पैदा होती है जब साधन जीवन का विकल्प बनने लगे। इसलिए समाधान तकनीक से पलायन नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में है। परिवारों को प्रतिदिन कुछ समय ऐसा निर्धारित करना होगा, जब मोबाइल और अन्य स्क्रीन किनारे रखकर केवल एक-दूसरे से बात की जाए। बच्चों के साथ संवाद को केवल उनकी पढ़ाई और अनुशासन तक सीमित न रखकर उनके विचारों, मित्रताओं, भय और सपनों तक ले जाना होगा। बुजुर्गों को डिजिटल दुनिया में शामिल करने के साथ-साथ उनके अनुभवों को सुनने के लिए भी समय देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें 'कनेक्टेड' होने और 'जुड़े' होने के अंतर को समझना होगा। कनेक्शन तकनीक बनाती है, संबंध मनुष्य बनाता है। हजारों संपर्कों की सूची किसी एक सच्चे मित्र का स्थान नहीं ले सकती। सैकड़ों प्रतिक्रियाएं उस एक आत्मीय बातचीत का विकल्प नहीं बन सकतीं, जिसमें सामने वाला हमारी बात केवल सुनता ही नहीं, समझता भी है।

आज आवश्यकता सोशल मीडिया छोड़ने की नहीं, बल्कि उसके बीच अपनी सामाजिक संवेदनशीलता बचाए रखने की है। हमें फिर से पड़ोसी से परिचय, मित्र से मुलाकात, परिवार के साथ भोजन और बिना किसी स्क्रीन के बातचीत जैसी छोटी-छोटी मानवीय परंपराओं को जीवन में स्थान देना होगा। क्योंकि मनुष्य को केवल सूचना नहीं, उसे आत्मीयता भी चाहिए। उसे केवल दर्शक नहीं, श्रोता चाहिए, केवल फॉलोअर नहीं, साथी चाहिए। यदि तकनीक हमें हजारों लोगों तक पहुंचा सकती है, तो हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन हजारों संपर्कों के बीच अपने लोगों से हमारा वास्तविक संबंध कमजोर न हो।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता समाज हमारी नियति नहीं है। यह एक चेतावनी है। तकनीक हमारे हाथ में रहे, जीवन पर उसका नियंत्रण न हो, यही संतुलन आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

**- सुरेश हिंदुस्तानी**

# १६९वां महाराजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह बलिदान दिवस संपन्न

## शहीदों का स्मरण कर विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा स्थित आदिवासी भवन में १८ सितंबर को आदिवासी संयुक्त समाज संगठन के तत्वावधान में अमर शहीद महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का १६९वां बलिदान दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल के मुख्य आतिथ्य ,आदिवासी संयुक्त समाज संगठन के अध्यक्ष अनुरसिंह उइके की अध्यक्षता, शंकर इनवाती, मानसिंह परते, गणेश कुमरे, देमाबाई पन्द्रे, राजेश मड़ावी, झाड़ूलाल वरकड़े, तारसिंह मर्सकोले, कवनलाल वरकड़े, अरविंद उइके एवं शिवपाल मेरावी की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। जिसमें समाज के उत्थान, शिक्षाए सामाजिक जागरूकता तथा समाज पर हो रहे अत्याचारों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

### सप्तरंगी ध्वज पूजन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

बलिदान दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह करीब ८ बजे विधि.विधान से सप्तरंगी ध्वज पूजन के साथ किया गया। इस दौरान भूमका मदनलाल इनवाती नारवांजपार, गेंदा बाई पन्द्रे जड़खरी कटंगी एवं देवेंद्र अडमे वाराटोला के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर भगवान बड़ा देव की विधि विधान से पूजा अर्चना संपन्न कराई गई। इसके पश्चात बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली आदिवासी भवन से प्रारंभ होकर रामपायली रोड होते हुए दीनदयाल चौक पहुंची, जहां से वापस कार्यक्रम स्थल आदिवासी भवन पहुंचकर रैली का समापन किया गया। रैली के दौरान महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के जयघोष लगाए गए। रैली के माध्यम से समाज के युवाओं में शहीदों के त्याग, बलिदान और संघर्ष की स्मृति को जीवंत रखने का संदेश दिया गया।

### महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया नमन

रैली के उपरांत आदिवासी भवन में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भगवान बड़ा देव, बिरसा मुंडा, महाराजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं डॉ.बी आर आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर की गई। उपस्थित अतिथियों एवं समाजजनों ने महापुरुषों के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन कर समाज की वर्तमान दशा एवं दिशा पर प्रकाश डाल समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, जागरूकता और एकजुटता पर बात रखी। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाकर उन्हें उच्च शिक्षा तक पहुंचाने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया गया। साथ ही युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। कक्षा १०वीं में ७ एवं १२ वीं में ४ विद्यार्थी को ८० प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए निरंतर मेहनत और उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

### लोकगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम के अंतिम चरण में लोक संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। करियादंड से पहुंचे गायक गायत्री मड़ावी एवं अशोक मड़ावी ने लोकगीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। वहीं समाज के बालक.बालिकाओं के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालक.बालिकाओं ने नृत्य,गीत, भाषण सहित विभिन्न प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को समाज की ओर से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में सामाजिक एकजुटता एवं सांस्कृतिक उत्साह का वातावरण बना रहा।

### सामाजिक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये- बी एल सैयाम

बी एल सैयाम ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बलिदान दिवस आयोजित किया गया है। जिसमें सामाजिक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। सुबह बड़ा देव पूजा करने के बाद बाइक रैली निकालकर मंच से समाज को जागरूक करने का कार्य किया गया। वहीं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद रात्रि में लोक संगीत का आयोजन हुआ। जब भारत में १८५७ की क्रांति सैलाब देश से ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ने भीषण संघर्ष चल रहा था तब गोंडवानागढ़ मंडल के अंतिम शासक महाराजा शंकर शाह रघुनाथ शाह ने अपने राज्य और देश की एकता अखंडता के लिए अपना बलिदान दे दिया जिन्हें आज पूरा समाज याद कर रहा है।

### राजा शंकरशाह जमीदारों तथा आम जनता में थे लोकप्रिय-विवेक पटेल

विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि १८५७ के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के दौरान गोंडवाना क्षेत्र के राजा शंकरशाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों के खिलाफ़ अलख जगाई। दोनों पिता.पुत्र को तोप के मुंह में बांधकर शहीद कर दिया गया था। दोनों पिता पुत्र ने स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिदिश शासन के अत्याचारों के खिलाफ कविताओं और गीतों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। जन्म को सार्थक करने वाली शहादत मौत नहीं होती अमर कर देती है। लोग उस समय भी फूट डालते थे जिसके कारण हमें अंग्रेजों का गुलाम बनना पड़ा था। राजा शंकरशाह जमीदारों तथा आम जनता के बीच काफी लोकप्रिय थे।

# कटंगी के अर्जुननाला और भजियादण्ड में श्रद्धा के साथ मनाई भगवान विश्वकर्मा जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर कटंगी के अर्जुननाला वार्ड क्रमांक २ स्थित सामुदायिक भवन एवं ग्राम भजियादण्ड में भगवान श्री विश्वकर्मा पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों कार्यक्रमों में विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए और भगवान श्री विश्वकर्मा का विधिवत पूजन अर्चन किया। श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार

विकास मंच समिति के द्वारा अर्जुननाला वार्ड क्रमांक २ स्थित सामुदायिक भवन में ब्लॉक स्तरीय भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान विश्वकर्मा का पूजन अर्चन किया। तथा उपस्थित समाजबंधुओं को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला संयोजक बालाघाट एवं कटंगी श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार मंच के अध्यक्ष कोमल प्रसाद विश्वकर्मा, ब्लॉक सलाहकार मनोहर विश्वकर्मा, ब्लॉक कोषाध्यक्ष भाऊलाल मेश्राम, बलिराम कोसरै, पवन सोनवाने सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। वहीं ग्राम पंचायत भजियादण्ड में विश्वकर्मा कामगार समिति के द्वारा भगवान श्री विश्वकर्मा पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक गौरव सिंह पारधी कार्यक्रम में शामिल हुए और भगवान विश्वकर्मा का पूजन कर उपस्थित समाजबंधुओं को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सरपंच मुलेन्द उके, उपसरपंच पुनित तुरकर, पंच देवा मोरकूरे, लखनलाल रहांगडाले, योगराज परिहार, आलोक लांजेवार, मोहनलाल मेश्राम, कृष्णा बावने, रविन्द्र बागड़े, धनराज चावलकर,शैलेश सोनवाने, सालिकराम सोनवाने सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा को सृष्टि के शिल्पकार और निर्माण एवं कौशल के प्रतीक के रूप में पूजनीय माना जाता है। उनकी प्रेरणा से श्रम, हुनर और सृजन को सम्मान मिलता है। हमारे समाज में लोहार एवं अन्य शिल्पकार वर्ग का योगदान सदियों से महत्वपूर्ण रहा है। भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर सभी समाजबंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्री विश्वकर्मा सभी के जीवन में सुख समृद्धि और उन्नति प्रदान करें।

# नगर में रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश की आराधना जारी

## पंडालों में भगवान के दर्शन के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व अब मध्य चरण की ओर अग्रसर है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान गणेश की आराधना को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नगर के विभिन्न वार्डों में सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों के द्वारा आकर्षक पंडालों में भगवान गणेश की विशाल एवं मनमोहक प्रतिमाएं विधि विधान से विराजित की गई हैं। सुबह.शाम पूजा.अर्चना और आरती के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। गणेशोत्सव के दौरान रात्रि में आरती के पश्चात विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बच्चों और युवाओं के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कई पंडालों में भजन कीर्तन सहित अन्य कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। गणेशोत्सव के समापन अवसर पर समितियों के द्वारा हवन.पूजन, महाप्रसादी एवं भंडारे के आयोजन के बाद निर्धारित तिथियों पर भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा।

### वारा में वृक्षों की छाल और खाद्य सामग्री से बने गणेश आकर्षण का केंद्र

नगर से सटी ग्राम पंचायत वारा के वार्ड क्रमांक ८,१० में नवयुवक बाल गणेशोत्सव समिति सनातनी मित्र मंडली द्वारा ३८वां गणेशोत्सव पर्व उत्साह पूर्वक मनाया जा रहा है। समिति के द्वारा प्रतिवर्ष कुछ नया और आकर्षक करने की परंपरा को इस वर्ष भी कायम रखा गया है। इस बार वृक्षों की छाल, लौंग, इलायची एवं फल्लीदाने से भगवान गणेश की अनूठी प्रतिमा तैयार कर स्थापित की गई है। गणेशोत्सव पंडाल को कुटिया की थीम पर आकर्षक ढंग से सजाया गया है जो रात के समय रोशनी से जगमगा उठता है। पंडाल में भगवान शिव की गोद में भगवान गणेश की प्रतिमा विराजित की गई है। भगवान शिव की प्रतिमा जामुन, आंजन, बरगद, पीपल सहित अन्य वृक्षों की छाल से तैयार की गई है जबकि भगवान गणेश की प्रतिमा लौंग, फल्लीदाना और इलायची जैसी खाद्य सामग्री से बनाई गई है। अनूठी कलाकारी के कारण यह प्रतिमा नगर सहित पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समिति के द्वारा पिछले वर्ष नारियल से भगवान गणेश की प्रतिमा तैयार कर स्थापित की गई थी जिसे देखने दूर दराज से श्रद्धालु पहुंचे थे। इस वर्ष भी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। आयोजन का समापन २५ सितंबर को हवन पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ होगा जबकि २८ सितंबर को प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा।

### सिविल लाइन में रिद्धि.सिद्धि के साथ विराजे गणपति

नगर के वार्ड क्रमांक १५ स्थित सिविल लाइन में सिविल लाइन गणेशोत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। समिति के द्वारा इस वर्ष पंडाल को भव्य महल की थीम पर सजाया गया है। पंडाल में भगवान गणेश की विशाल बैठी हुई प्रतिमा माता रिद्धि सिद्धि के साथ विराजित की गई है। भव्य प्रतिमा एवं आकर्षक साज.सज्जा श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। नगर के साथ ही ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में भक्त भगवान गणेश के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। पंडाल के प्रवेश द्वार पर भगवान शिव पार्वती की आकर्षक झांकी भी बनाई गई है। आयोजन के समापन अवसर पर हवन.पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

### सिद्ध जागृत हनुमान मंदिर परिसर में सजा गणेश दरबार

वहीं नगर के वार्ड क्रमांक १४ स्थित श्री सिद्ध जागृत हनुमान मंदिर परिसर में श्री गणेश उत्सव समिति द्वारा भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा विराजित की गई है। मंदिर परिसर में भव्य गणेश दरबार सजाया गया है जिसमें आकर्षक आसन पर भगवान गणेश की प्रतिमा विराजमान है। सुबह और शाम दर्शन एवं पूजा.अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। समिति द्वारा धार्मिक आयोजनों के साथ बच्चों एवं युवाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें मटकी फोड़, कुर्सी दौड़, रिकॉर्डिंग डांस सहित अन्य प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इन आयोजनों में क्षेत्र के बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। समिति के अनुसार २३ सितंबर को हवन पूजन २४ सितंबर को महाप्रसादी वितरण तथा २७ सितंबर को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

# आंजनबिहरी में गणेश उत्सव कार्यक्रमों में शामिल हुए विधायक गौरव सिंह पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । इन दिनों क्षेत्र में गणेश उत्सव की धूम है गांव गांव में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। इसी क्रम में गत रात्रि ग्राम आंजनबिहरी के बाजार चौक एवं चांदनी चौक में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रमों में विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान बाजार चौक में गणेश उत्सव समिति के द्वारा आयोजित लावणी कार्यक्रम में भी विधायक गौरव सिंह पारधी ने सहभागिता की। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात कर गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं।

### गणेश उत्सव हमारी आस्था और परंपरा का पर्व-विधायक पारधी

विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि गणेश उत्सव हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक साथ जोड़ने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किए जा रहे गणेश उत्सव कार्यक्रमों में सभी वर्गों की सहभागिता सराहनीय है। विधायक ने गणेश उत्सव के सफल आयोजन के लिए बाजार चौक एवं चांदनी चौक की आयोजन समितियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संजय गोपाले, वरुण देशमुख, राहुल लसुन्ते, विक्की लसुन्ते, समीर गोपाले, मुलचंद राऊत, ज्ञानीराम ईनवाते, ईश्वरदयाल खण्डाते, अंकीत मालाधारे एवं अभिषेक राउत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणेश उत्सव समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

# आदिवासी मेला सामाजिक एकता एवं महापुरुषों के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का माध्यम-दीपक मेश्राम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में अमर शहीद राजाशंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह जी के १९६ वें बलिदान दिवस के अवसर पर एक विशाल आदिवासी मेले का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व जिला प्रभारी बसपा दीपक मेश्राम ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यह विशाल जिला स्तरीय कार्यक्रम १९ सितंबर की सुबह ११ बजे से कमला नेहरू प्रांगण बालाघाट में आयोजित होगा। यह कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद केंद्रीय कोऑर्डिनेटर एवं मुख्य प्रभारी बसपा रामजी गौतम के मुख्य आतिथ्य ,जिला अध्यक्ष महेन्द्र की अध्यक्षता एवं प्रदेश अध्यक्ष जियालाल अहिरवार, मुख्य जोन प्रभारी भोपाल, कमलेश कुमार व पूर्णेंद्र अहिरवार, जोन प्रभारी उमाकांत बंदेवार व सचिन बौद्ध तथा लोकसभा प्रभारी अजाब शास्त्री व तामसिंह परते के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। जिसमें मुख्य वक्ताओं में दीपक मेश्राम, इंदरसिंह उईके, लालसिंह नंदोरे, उदयसिंह पंचेश्वर, रंजीत जुगनाके, दुर्गेश बिसेन, सुल्तान अहमद सिद्दीकी और धनिराम धुर्वे द्वारा संबोधित किया जाएगा। इस विशाल आदिवासी मेले का आयोजन बसपा जिला कमेटी बालाघाट सिवनी लोकसभा क्षेत्र के द्वारा किया जा रहा है। श्री मेश्राम ने बताया की कार्यक्रम में सामाजिक, राजनीतिक एवं आदिवासी समाज से जुड़े विषयों पर वक्ताओं द्वारा विचार रखे जाएंगे। विशाल आदिवासी मेले की तैयारियां पूरी की जा रही हैं तथा जिले एवं लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। पूर्व जिला प्रभारी दीपक मेश्राम तथा पार्टी पदाधिकारियों ने समस्त कार्यकर्ताओं एवं आम जनता से आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम महापुरुषों के इतिहास और उनके संघर्ष को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं।

# आज 'छात्रों की गूंज', इंदौर में राहुल छात्रों से करेंगे संवाद

## रीजनल पार्क के पास कार्यक्रम स्थल तैयार; शिक्षा, रोजगार और भर्ती के सवालों पर होगी चर्चा, 1500 से ज्यादा संभालेंगे व्यवस्थाएं

इंदौर । शिक्षा, रोजगार, भर्ती और छात्रों के भविष्य से जुड़े सवालों को लेकर राहुल गांधी आज इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में युवाओं से संवाद करेंगे। रीजनल पार्क के पास कार्यक्रम स्थल पूरी तरह तैयार है। मंच और डोम तैयार हो चुके हैं तथा छात्रों-छात्राओं के लिए अलग प्रवेश और बैठक व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

मुख्य डोम में लगाए गए पोस्टरों में 'घोटालों का घेरा है, तभी भविष्य अंधेरा है', 'फीस बढ़ी, मुश्किल हुई पढ़ाई, छात्र पूछें कब होगी सुनवाई?' और 'स्कूल है पर पढ़ाई नहीं, डिग्री है पर कमाई नहीं' जैसे नारे शामिल हैं। पोस्टरों के जरिए फीस, शिक्षा, रोजगार और छात्रों के भविष्य से जुड़े सवालों को प्रमुखता दी गई है।

### 1500 से ज्यादा संभालेंगे व्यवस्थाएं

कार्यक्रम स्थल पर 6 प्रवेश और 8 निकास द्वार बनाए गए हैं। सभी गेट की चौड़ाई कम से कम छह मीटर रखी गई है। सुरक्षा जांच के लिए 20 डीएफएमडी और

30 से 40 एचएचएमडी लगाए जाएंगे। परिसर की निगरानी के लिए 40 नाइट-विजन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और उनकी रिकॉर्डिंग 30 दिनों तक सुरक्षित रखी जाएगी।

वीआईपी और वीवीआईपी के लिए अलग प्रवेश व्यवस्था है। छात्रों और छात्राओं के लिए भी पृथक प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। मुख्य डोम के अलावा जेन-जी और अन्य प्रतिभागियों के लिए ओपन ग्राउंड तैयार किया गया है। यहां 30 अस्थायी शौचालय भी बनाए गए हैं।

### तैयारियों के बीच मैदान में निकला सांप

कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान शुक्रवार को मंच और डोम तैयार कर रहे कर्मचारियों को मैदान में सांप दिखाई दिया। इसके बाद काम रोककर कर्मचारियों को सुरक्षित दूरी पर किया गया। स्नेक कैचर को बुलाकर सांप को सुरक्षित पकड़ा गया और प्राकृतिक आवास में छोड़ने के लिए ले जाया गया।

सांप पकड़े जाने के बाद डोम, साउंड सिस्टम और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं का काम फिर शुरू कर दिया गया।

### जेन-जी को जोड़ने के लिए निकाला मार्च

कार्यक्रम को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने 300 फीट का पोस्टर लेकर भंवरकुआं क्षेत्र में मार्च निकाला। कांग्रेस नेताओं और छात्र संगठनों ने विभिन्न शिक्षण संस्थानों में युवाओं से संवाद कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया।

कांग्रेस के अनुसार इंदौर के अलावा भोपाल, शिवपुरी और सीधी समेत अन्य स्थानों पर भी युवाओं से संपर्क किया गया है।

### इन सामानों के साथ प्रवेश पर रोक

सुरक्षा के मद्देनजर पानी की बोतल, कोल्ड ड्रिंक, बैग, लैपटॉप, हेलमेट, ड्रोन, इंजेक्शन, सिगरेट, लाइटर और चाकू समेत कई वस्तुओं को आयोजन स्थल पर ले जाने पर रोक रहेगी। प्रवेश से पहले सुरक्षा जांच की जाएगी।

### राहुल ने इंदौर से पूछा- क्या खिला रहे हो?

कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर इंदौरवासियों से पूछा, क्या खिला रहे हो, इंदौर? पोहा, जलेबी या कुछ और! इसके जवाब में लोगों ने पोहा-जलेबी के साथ दाल-बाटी, इंदौरी सेव और सेव-मिक्सचर के नाम सुझाए। कार्यक्रम के अनुसार राहुल गांधी दोपहर करीब दो बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद होटल रेडिसन जाने और शाम को रीजनल पार्क स्थित आयोजन स्थल पहुंचने का कार्यक्रम है। कार्यक्रम में राहुल गांधी के संवाद के साथ गायक राघव चैतन्य की प्रस्तुति भी प्रस्तावित है। आज होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी छात्रों और युवाओं से शिक्षा, रोजगार, भर्ती और उनके भविष्य से जुड़े सवालों पर संवाद करेंगे।

# पूर्व केंद्रीय मंत्री बिट्टू के काफिले पर हमला, आप से जुड़े तीन हमलावारों को पकड़ा

बटाला । पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमला हुआ है। बटाला के घासीतपुर गांव के पास अज्ञात लोगों ने उनके काफिले पर अंडे और टमाटर फेंके, इससे उनकी गाड़ी के शीशे टूटने का दावा हुआ है। यह घटना तब हुई जब बिट्टू ड्रग्स के खिलाफ भाजपा की एक यात्रा में शामिल होने जा रहे थे। उन्होंने हमले के लिए आम आदमी पार्टी (आप) को जिम्मेदार ठहराया और तीन हमलावरों को पकड़ने का दावा भी किया है।

घटनास्थल पर बीजेपी नेता बिट्टू ने कहा कि करीब 500 लोग वहां मौजूद थे और उनके काफिले पर अचानक हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि हमलावरों के पास कुछ हथियार भी थे और उनकी गाड़ियों को निशाना बनाया गया। बिट्टू, जिनके पास जेड-प्लस सुरक्षा है और उनके साथ करीब 100 सुरक्षाकर्मी मौजूद थे, ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार और ड्रग एडिक्ट्स मिलकर काम कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने दावा किया कि उनके सुरक्षाकर्मियों ने तीन हमलावरों को मौके से पकड़ा है और उनके फोन जब्त किए हैं। उनके अनुसार, इन फोनों में लगातार घेरो, मारो, जान ले लो जैसे निर्देश आ रहे थे, जो सुनियोजित हमले का संकेत देता हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई में देरी करने का आरोप लगाया, यह कहकर की कि सुबह से इंतजार के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बिटटू ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सीधा हमला कर कहा कि वे अपनी पत्नी को कथित 5 करोड़ की डील से बचा सकते हैं, लेकिन इन हमलावरों को कौन बचाएगा। बिट्टू ने आप नेताओं को नशे का सौदागर बताकर कहा कि उन्हें ड्रग्स के खिलाफ उनकी यात्रा की सराहना करनी चाहिए थी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वे बम-गोलियों से नहीं डरे हैं, तब अंडे, टमाटर और पत्थरों से भी नहीं डरने वाले हैं, और उनकी यह यात्रा जारी रहेगी। इस घटना के बाद पंजाब में राजनीति में सियासी पारा चढ़ गया है। पंजाब बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष जय इंदर कौर ने हमले को नशा-मुक्ति अभियान से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि मान सरकार पंजाब में नशीली दवाओं की समस्या से निपटने में अपनी विफलता से वाकिफ है और मान सरकार को नशखोरी की समस्या को पूरी तरह खत्म करने का वादा किया था। बीजेपी महिला नेता कौर के अनुसार, आज भी राज्य के हर गांव में नशीली दवाएं आसानी से मिल रही हैं, जो सरकार की नाकामी को दिखाती है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह चरमरा जाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता विजय सांपला ने भी हमले की कड़ी निंदा कर कहा कि पंजाब में हर जगह ड्रग्स की समस्या व्याप्त है, जिसने पूरे पंजाब को अपनी चपेट में ले लिया है। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताकर अराजकता का माहौल बताया। सांपला ने अपनी ही घटना का जिक्र किया कि दो दिन पहले उन पर भी हमला हुआ था। उन्होंने बताया कि दिवंगत गुलजार सिंह के परिवार से मिलने गए अन्य भाजपा नेताओं, जैसे केवल सिंह ढिल्लों, मनप्रीत बादल, अश्वनी शर्मा और सुनील जाखड़ के काफिले को भी घेरा गया था, और केंद्रीय सुरक्षा के बिना उनका बच पाना मुश्किल होता।

सांपला ने मौजूदा स्थिति को गुंडा राज करार दिया। उन्होंने कहा कि बिट्टू पर हुए हमले के अलावा अमृतसर में एक एएसआई की हत्या जैसी रोजमर्रा की घटनाएं दिखाती हैं कि पंजाब में कोई प्रभावी सरकार काम नहीं कर रही है।

# पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशी को पुलिस ने पकड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चार संदिग्ध बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि ये चारों पिछले तीन महीनों से एक होटल में रह रहे थे। वे पहचान छिपाने के लिए साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट पहनकर होटल से बाहर निकलते थे। मामला 13 सितंबर को सामने आया। जब रघुनाथपुर में पुलिस ने साड़ी पहने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। उसने अपना नाम तौहीद मंडल बताया।

पुलिस ने बताया कि तौहीद बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ अन्य लोगों के साथ भारत आया था। वे 1 सितंबर को नदिया जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र से कथित तौर पर भारत में दाखिल हुए थे। मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने पुरुलिया टाउन थाना क्षेत्र के एक होटल पर छापा मारा। यहां से तीन अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान जाहिद इमन, सुमन शेख और शांत हुसैन के रूप में हुई है। इनके पते बांग्लादेश के राजबाड़ी और कुश्टिया जिलों के बताए गए हैं।

जांच में सामने आया कि चारों जिस होटल में रह रहे थे, वहां कमरा मनी सरकार नाम की महिला के आधार कार्ड से बुक किया गया था। मनी सरकार उत्तर 24 परगना की रहने वाली बताई गई हैं। होटल मालिक ने बताया कि कमरे के लिए सिर्फ एक व्यक्ति का आधार कार्ड लिया गया था। इसके बावजूद कमरे में चार लोग रह रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक होटल मालिक ने पुलिस को बताया कि उन्हें इन लोगों के बांग्लादेशी होने की जानकारी नहीं थी। वे कभी दो दिन होटल में रुकते थे और फिर चले जाते थे। होटल के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उन्हें कभी शक नहीं हुआ। ये लोग साड़ी, नाइटी और सलवार-सूट जैसे कपड़े पहनते थे। वे टोटो से बाहर जाते थे और फिर होटल लौट आते थे। होटल कर्मचारी ने बताया कि वह उन्हें अक्सर सीढ़ियों से ऊपर जाते देखती थीं। उनके कपड़े और हावभाव महिलाओं जैसे लगते थे। इसलिए कभी शक नहीं हुआ।

चारों संदिग्धों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वे सीमा पार करके पुरुलिया तक कैसे पहुंचे। पुलिस जांच कर रही है कि वे इतने लंबे समय तक होटल में कैसे रहे। इसके अलावा पुलिस उनके पुरुलिया आने की वजह और स्थानीय संपर्कों का पता लगा रही है। फिलहाल सभी संदिग्ध पुलिस की हिरासत में हैं। उन्हें बांग्लादेश भेजने से पहले जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

# पाण्डेवाड़ा में श्रध्दा और आस्था के साथ मनाया जा रहा गणेशोत्सव

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा में सम्पूर्ण वर्ष हमारे कार्यों को निर्विहन संपन्न कराने वाले प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश गजानन का १४ सितम्बर को प्रतिमा स्थापना के साथ आगमन हुआ। इस १० दिवसीय गणेशोत्सव का पर्व श्रध्दा, आस्था के साथ मनाया जा रहा है। वहीं इस दौरान रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है जिससे पुरे ग्राम में भक्तिमय माहौल निर्मित हो गया है। इस तरह खमरिया क्षेत्र के अन्य ग्रामों में भी इस वर्ष

सार्वजनिक स्थलों और घरों में गणेश

स्थापना को लेकर खासी रौनक देखी जा रही है एवं क्षेत्र में गणेशोत्सव पर्व की धूम है। १० दिनों तक चलने वाले गणेश पर्व को लेकर सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र में प्रमुख चौक चौराहों में गणेश प्रतिमा, घरों में विराजमान की गई और भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर आराधना की जा रही है। वहीं क्षेत्रीयजन प्रतिमा स्थापना स्थल पहुंचकर पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है।

# निठारी कांड- कोली की मौत पर नया मोड़, परिजनों का आरोप.....पंधेर ने मरवाया

नई दिल्ली। बहुचर्चित निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर नए सवाल खड़े हुए हैं। निठारी कांड की पीड़ित बच्ची ज्योति के माता-पिता, झब्बू लाल और सुनीता ने आत्महत्या मानने से इंकार कर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं।

झब्बू लाल का कहना है कि कोली निठारी कांड के कई गहरे राज उजागर कर सकता था। यह आशंका मोनिंदर पंधेर को थी, और इसीकारण पंघेर ने कोली की हत्या करवा दी है। उन्होंने घरेलू कलह के कारण आत्महत्या की बात को सिरे से खारिज कर कहा कि ऐसा संभव नहीं है। कोली ने शुरुआत में बच्चों को मारने की बात कबूली थी।

सुनीता ने संदेह जाहिर किया कि हो सकता है कोली को पहले अपना जुर्म कबूलने के लिए पैसे का लालच दिया गया हो। अब जब वह जेल से बाहर आया था और उन वादों को पूरा न करने पर सभी सच उजागर करने की धमकी दे रहा हो, तब कोली को शांत करने के लिए मार दिया गया हो। झब्बू लाल ने तर्क दिया कि अगर कोली को खुदकुशी करनी होती, तब वह जेल में भी यह कदम उठा सकता था, जबकि बाहर आकर वह चाय की दुकान चला रहा था।

# अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की हत्या, आतंकी संगठन ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में बीती रात ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) हरजीत सिंह की गोली मारकर हत्या की गई। हरजीत बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। गंभीर रूप से घायल हरजीत को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे की मंशा का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

यह वारदात रात करीब 2:30 बजे हुई, जब एएसआई सिंह दाना मंडी के पास बाइक पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी बाइक पर आए दो अज्ञात हमलावरों ने दाना मंडी के गेट नंबर दो के बाहर उनकी गर्दन में गोली मार दी। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल हरजीत को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से हमलावरों का पता लगाने में जुटी है।

हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) नाम के आतंकी संगठन ने लेने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि अमृतसर में पहले भी पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया जा चुका है। कुछ महीने पहले मजीठा क्षेत्र में एएसआई जोग सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और 11 सितंबर को अजनाला इलाके में एएसआई जसवंत सिंह पर हमला हुआ था, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे।

# क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज का दावा : दबाव के बीच भी नहीं रुकेगी भारत की रफ्तार

## 7 प्रतिशत के रफ्तार से बढ़ेगी भारत की जीडीपी

नई दिल्ली। जब सरकार ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के जीडीपी आंकड़े शेयर किया था और यह बताया था कि इस तिमाही के दौरान भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी है, तो उसे कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। केंद्र सरकार के ऊपर जीडीपी को लेकर छेड़छाड़ करने का आरोप भी लगा था। वहीं अब क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की जीडीपी को लेकर बड़ा अनुमान लगा दिया है। मूडीज का कहना है कि मिडिल ईस्ट दबाव के बावजूद भारत के ग्रोथ की रफ्तार कम नहीं होने वाली है। भारत तेजी से उछाल दर्ज करेगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया। एजेंसी ने मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के बीच भारत की मजबूती का हवाला देते हुए यह फैसला लिया है।

हालांकि, एजेंसी ने यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि भारत की विकास दर सभी जी-20 अर्थव्यवस्थाओं और समान रेटिंग वाली उभरती बाजारों वाली अर्थव्यवस्थाओं से ज्यादा रहेगी, फिर भी कुछ जोखिम बने हुए हैं। मूडीज ने जिस रिस्क की बात की, वह मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को लेकर है। होर्मुज पर तनाव के कारण ऊर्जा आयात में दिक्कतें आ रही हैं और महंगाई बढ़ रही है। ऐसे में भारत के लिए आयात बिल बढ़ा है, जो भारत की जीडीपी ग्रोथ को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, मूडीज का ये मानना है कि भारत की विकास रफ्तार 7 फीसदी तक रह सकती है, जो लगातार एक समान तेजी का संकेत देता है।

### जीडीपी को लेकर क्या थे आरोप?

सरकार ने 31 अगस्त को जीडीपी के आंकड़ें पेश किए थे, जिसमें दावा किया था कि भारत की जीडीपी 7.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी है। जबकि पूर्व वित्त सचिव का कहना था कि पिछले साल के आंकड़ों में बदलाव और बेस ईयर के संशोधन के कारण वर्तमान वृद्धि दर ज्यादा (7.8 प्रतिशत) दिखाई दे रही है, लेकिन नॉमिनल जीडपी ग्रोथ सिर्फ 2.6 प्रतिशत थी और इसमें से महंगाई हटा दें तो रियल डीडीपी ग्रोथ शून्य के करीब हो जाती है।

# बीजेपी ने घोषित की यूपी की सोशल मीडिया टीम, यदुवंश को बनाया मीडिया प्रभारी

## 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में संगठन को मजबूत करने में जुटी पार्टी

लखनऊ। बीजेपी ने उत्तर प्रदेश के लिए अपनी सोशल मीडिया टीम का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने पूर्व प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश को प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही छह सह संयोजक और तीन सदस्यों के नाम भी घोषित किए हैं। बीजेपी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी में संगठन को मजबूत करने में जुटी है। ऐसे में नई सोशल मीडिया टीम की जिम्मेदारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पार्टी की गतिविधियों और अभियानों को आगे बढ़ाने की होगी। सुभाष यदुवंश फिलहाल बीजेपी के विधान परिषद सदस्य हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी की नई टीम के जरिए सोशल मीडिया पर पार्टी की पहुंच बढ़ाने की कोशिश होगी। पार्टी के कार्यक्रमों और अभियानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोगों तक पहुंचाया जाएगा। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी पहले से ही संगठन स्तर पर तैयारियां कर रही है। हाल के दिनों में पार्टी ने क्षेत्रीय टीमों और दूसरे संगठनात्मक पदों पर भी नियुक्तियां की हैं। सुभाष यदुवंश बीजेपी के पुराने संगठनात्मक नेताओं में शामिल हैं। वह 2022 में विधान परिषद सदस्य चुने गए थे। इसके बाद 2023 में उन्हें बीजेपी उत्तर प्रदेश में प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिली थी। इससे पहले वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। नई सोशल मीडिया टीम के गठन के साथ बीजेपी ने डिजिटल मोर्चे पर संगठन को और सक्रिय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। अब नई टीम पार्टी के सोशल मीडिया अभियानों को संभालेगी और प्रदेश स्तर पर डिजिटल गतिविधियों को आगे बढ़ाएगी।

# तमिलनाडु के सीएम विजय बनेंगे लाखों बच्चों के 'मामा', हर नवजात को देंगे एक ग्राम सोने की अंगूठी

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू करने जा रहे हैं। 'थाइमामन थांगा मोतीराम' यानी 'मामा की ओर से सोने की अंगूठी' नाम की इस योजना की औपचारिक शुरुआत 28 सितंबर को होगी। योजना के तहत 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को अंगूठी दी जाएगी।

इस योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि बच्चे का जन्म तमिलनाडु के सरकारी अस्पताल में हुआ हो और लाभार्थी परिवार राज्य का स्थायी निवासी हो। सरकार के मुताबिक, योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना और लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ाना है।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार राज्य में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें लगभग 4.2 लाख यानी करीब 53 प्रतिशत बच्चों का जन्म सरकारी अस्पतालों में होता है। पहले चरण के लिए करीब 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं। प्रत्येक अंगूठी पर एक विशिष्ट क्रमांक दर्ज होगा।

यह योजना तमिल संस्कृति में प्रचलित उस परंपरा से प्रेरित है, जिसमें बच्चे के जन्म पर मामा या ननिहाल की ओर से उपहार दिया जाता है। मुख्यमंत्री विजय ने चुनाव के दौरान भी इस योजना का वादा किया था। योजना की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब राज्य में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि, इन उपचुनाव क्षेत्रों में योजना लागू करने के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति से जुड़े प्रावधान भी सामने आए हैं।

सुबोध/18 -09-2026(चेन्नई) तमिलनाडु के सीएम विजय बनेंगे लाखों बच्चों के 'मामा', हर नवजात को देंगे एक ग्राम सोने की अंगूठी

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू करने जा रहे हैं। 'थाइमामन थांगा मोतीराम' यानी 'मामा की ओर से सोने की अंगूठी' नाम की इस योजना की औपचारिक शुरुआत 28 सितंबर को होगी। योजना के तहत 22 जून 2026 के बाद सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को अंगूठी दी जाएगी।

इस योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि बच्चे का जन्म तमिलनाडु के सरकारी अस्पताल में हुआ हो और लाभार्थी परिवार राज्य का स्थायी निवासी हो। सरकार के मुताबिक, योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना और लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा बढ़ाना है। तमिलनाडु सरकार के अनुसार राज्य में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें लगभग 4.2 लाख यानी करीब 53 प्रतिशत बच्चों का जन्म सरकारी अस्पतालों में होता है। पहले चरण के लिए करीब 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी जा चुकी हैं।

# कमला नेहरू स्कुल में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के पारितोषण का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । कमला नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागृह में गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के पारितोषण का वितरण किया गया। छात्र छात्राओं ने जिले एवं तहसील स्तर पर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में जिला स्तर पर वारासिवनी तहसील के ४ छात्रों ने प्रथम स्थान ,६ छात्रों ने द्वितीय एवं ६ छात्रों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वारासिवनी तहसील स्तर पर प्रथम ९ छात्र छात्राओं ने एवं द्वितीय ९ छात्र छात्राओं ने एवं तृतीय ९ छात्र छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य के एल चौहान,श्रीमती गीता टेंभरे ,श्रीमती अंकिता भगत ,श्रीमती ममता बिसेन एवं गायत्री परिवार के वारासिवनी तहसील समन्वयक जी एस बिसेन, पितमलाल बोपचे,धनराज सिंहा एवं पालक गण उपस्थित रहे । विगत वर्ष में वारासिवनी तहसील के ७९ स्कूल के ४००० छात्र छात्राओं ने भाग

लेकर जिले में वारासिवनी तहसील का गौरव बढ़ाया। आगामी परीक्षा ३१ अक्टुबर दिन शनिवार को होगी। अत: सभी शिक्षक एवं पालक गणों से अनुरोध हैं कि अधिक से अधिक छात्रों को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शामिल करें जिससे बच्चों में बौद्धिक ज्ञान का विकास हो सके ।

# टीएमसी विवाद में चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, ममता और बागी गुट को मिले नए नाम व चुनाव चिन्ह

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर चल रहे विवाद में चुनाव आयोग का फैसला आ गया है। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों के लिए अलग-अलग पहचान तय कर दी है। आयोग के फैसले के मुताबिक अब अरूप रॉय के नेतृत्व वाले ऋतब्रत बनर्जी गुट डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस के नाम से जाना जाएगा। वहीं ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस नाम दिया गया है। ऋतब्रत बनर्जी गुट को लिफाफा चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। वहीं ममता बनर्जी के गुट के लिए फुटबॉल खिलाड़ी चुनाव चिन्ह तय किया गया है। दोनों गुटों को पश्चिम बंगाल, मेघालय और त्रिपुरा में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के तौर पर माना जाएगा।

चुनाव आयोग ने अपने आदेश में कहा कि अगर अंतरिम व्यवस्था तुरंत लागू नहीं की जाती तो एक ही पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ रहे दोनों गुटों के उम्मीदवारों के नामांकन रद्द होने की स्थिति बन सकती थी। ऐसे में उम्मीदवारों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए।

# एकदिवसीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले पांच शीर्ष कप्तानों में भारत के धोनी और रोहित भी शामिल

मुम्बई। एकदिवसीय क्रिकेट में तेजी से रन बनाने और छक्के लगाने वाले शीर्ष पांच कप्तानों में भारतीय टीम के रोहित शर्मा और महेन्द्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल हैं। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयान मोर्गन शीर्ष पर हैं। ये ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख बदला है।

मॉर्गन ने बतौर कप्तान सबसे अधिक छक्के लगाये हैं। उनके रिकॉर्ड की खासियत यह भी है कि वे दो देशों (आयरलैंड और इंग्लैंड) की ओर से एकदिवसीय खेल चुके हैं, जिसने उनके कीर्तिमान को और विशिष्ट बना दिया है।इंग्लैंड के इस आक्रामक बल्लेबाज ने 2011 से 2022 के बीच 126 वनडे मैचों में कप्तानी करते हुए 115 पारियों में कुल 147 छक्के लगाए। मॉर्गन के इसी आक्रामक रुख से इंग्लैंड के सफेद गेंद क्रिकेट में क्रांति आई। उन्होंने 44.03 की बेहतरीन औसत और 96.00 की स्ट्राइक रेट से 4,403 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। उनका 148 रनों का सर्वोच्च स्कोर आक्रामक बल्लेबाजी को दिखाता है। विध्वंसक क्षमता का प्रमाण है। वहीं भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व कप्तानों धोनी और रोहित इस सूची में संयुक्त रूप से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। धोनी ने 2007 से 2018 के बीच 200 एकदिवीसय मैचों में भारत की कप्तानी की और 172 पारियों में 126 छक्के जड़े। कैप्टन कूल धोनी सिर्फ छक्के ही नहीं मारते थे, बल्कि वे मैच को फिनिश करने में भी माहिर थे। 48 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 53.55 की बेमिसाल औसत से 6,641 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उनके हेलीकॉप्टर शॉट्स आज भी क्रिकेट प्रेमियों के दिमाग में ताजा हैं।दूसरी ओर हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने धोनी के बराबर 126 छक्के लगाये, लेकिन यह कारनामा उन्होंने कहीं कम मैचों में किया। 2017 से अब तक मात्र 56 मैचों की 55 पारियों में कप्तानी करते हुए रोहित ने यह उपलब्धि हासिल की। रोहित का विस्फोटक अंदाज उनकी पहचान है, जिन्होंने 111.97 की स्ट्राइक रेट और 52.20 की औसत से 2,506 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक (208 रन) और 5 शतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में चौकों (251) से ज्यादा छक्कों पर भरोसा दिखाया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को अपनी कप्तानी में दो विश्व कप जिताने वाले रिकी पोंटिंग इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। 2002 से 2012 तक 230 मैचों में नेतृत्व करते हुए पोंटिंग ने 220 पारियों में 123 छक्के लगाए। बतौर कप्तान सर्वाधिक 8,497 रन (42.91 की औसत से) बनाने वाले पोंटिंग ने 22 शतक और 794 चौके भी जमाए। उनका 164 रनों का सर्वोच्च स्कोर उनकी दबंग बल्लेबाजी का गवाह है। दक्षिण अफ्रीका के मिस्टर 360 एबी डिविलियर्स इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं। 2012 से 2017 के बीच 103 मैचों में कप्तानी करते हुए डिविलियर्स ने 98 पारियों में 118 छक्के जड़े। मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की अपनी अनूठी क्षमता के साथ, उन्होंने 63.94 की अविश्वसनीय औसत और 110.48 की स्ट्राइक रेट से 4,796 रन बनाए। कप्तान के रूप में उनके नाम 13 शतक और 27 अर्धशतक दर्ज हैं, जिसमें उनका 162 रनों का नाबाद स्कोर वनडे की सबसे आक्रामक पारियों में से एक है।

# आईसीसी के पोस्टर बॉय रहे मोहंती दो टेस्ट ही खेल पाये

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज देबाशीष मोहंती एक ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्हें आईसीसी ने अपना पोस्टर बॉय तक बनाया था पर उनका अंतरराष्ट्रीय करियर बेहद छोटा रहा। साल 1999 के इंग्लैंड विश्व कप के लिए आईसीसी ने मोहंती की प्रतिभा देख हुए अपना पोस्टर बॉय चुना था। उसकी अनोखी एक्शन और गेंद को इशारों पर नचाने की कला ने उसे एक समय का स्विंग किंग बना दिया था। स्वयं सचिन तेंदुलकर भी उसकी गेंदबाजी के कायल थे पर ये प्रतिभाशाली क्रिकेटर केवल दो टेस्ट मैच ही खेल पाया। मोहंती चार साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल पाये।

साल 1997 में मोहंती ने अपनी गेंदबाजी से सबको हैरान कर दिया। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में उन्होंने पहली पारी में ही चार विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी गेंद हवा में बातें करती थी और बल्लेबाजों को चकमा देती थी। लेकिन हैरानी की बात यह थी कि इस शानदार शुरुआत के बावजूद, उन्हें अगले टेस्ट में मौका नहीं मिला और टेस्ट क्रिकेट में उनका सफर बस दो मैचों का ही रहा, जिसमें उन्होंने कुल 4 विकेट हासिल किए।

देबाशीष के लिए टीम इंडिया में जगह बनाना किसी सपने से कम नहीं था, जो 1997 में पूरा हुआ। हालांकि, उनका टेस्ट करियर श्रीलंका के खिलाफ शुरू होकर श्रीलंका के खिलाफ ही खत्म हो गया। लेकिन उनके करियर का सबसे यादगार पल 1999 के विश्व कप से जुड़ा है, जब इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए आईसीसी ने जो लोगो जारी किया, उस पर देबाशीष के विशिष्ट बोलिंग एक्शन को जगह दी गई थी। यह उनके अनोखे स्टाइल और प्रभाव का प्रमाण था, जिसने उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई।

टेस्ट में भले ही उन्हें पर्याप्त मौके न मिले, लेकिन देबाशीष ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने 45 एकदिवसीय मैचों में 57 विकेट हासिल किए, उनका औसत और स्ट्राइक रेट उस दौर के कई दिग्गज गेंदबाजों के बराबर था। उनकी स्विंग गेंदबाजी का लोहा सचिन तेंदुलकर भी मानते थे। कनाडा में सहारा कप के दौरान पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सईद अनवर, मोहंती की इनस्विंग से इतने परेशान थे कि उन्होंने सचिन तेंदुलकर तक से पूछा था, विकेट के इतना करीब से कोई गेंदबाज इनस्विंग कैसे कर सकता है? यह उनकी गेंदबाजी की धार का एक बेहतरीन प्रमाण था।

साल 2001 के बाद जहीर खान, आशीष नेहरा और अजीत अगरकर जैसे युवा तेज गेंदबाजों के उभार ने देबाशीष के अंतरराष्ट्रीय करियर पर विराम लगा दिया। महज चार साल में उनका चमकदार सफर थम गया। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी। अंतरराष्ट्रीय मंच से दूर होने के बाद, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखा।

## श्रेयस अय्यर की नजरें अब एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने पर लगीं

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद कहा है कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में टीम को स्वर्ण पदक दिलाना है। श्रेयस पिछले कुछ समय में एक बेहतर कप्तान के तौर पर उभरे हैं। अय्यर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने लगातार छह मैचों में जीत दर्ज करके विरोधी टीमों के सामने एक बड़ी चुनौती पेश की है। इस शानदार सफर की शुरुआत जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई सीरीज से हुई। जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम ने घरेलू टीम को किसी भी मुकाबले में अवसर नहीं दिया। अय्यर की समझदारी भरी रणनीति और गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने की कला के दम पर भारत ने वह सीरीज 3-0 से अपने नाम की। इस क्लीन स्वीप ने न केवल टीम के हौसले बुलंद किए, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन को कैसे जीत में तब्दील किया जाता है। जिम्बाब्वे के बाद भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को आसानी से हरा दिया। श्रेयस की कप्तानी के आगे अफगान टीम की हर रणनीति असफल रही। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई इस सीरीज में भी भारतीय टीम ने अपना दबदबा पूरी तरह कायम रखा और एक बार फिर 3-0 से सीरीज जीती। लगातार दो सीरीज में लगातार 3-3 मैच जीतकर अय्यर ने अपनी कप्तानी में लगातार 6 जीत का एक ऐसा मजबूत रिकॉर्ड खड़ा कर दिया, जो उनके नेतृत्व क्षमता पर मुहर लगाता है.यह 6 मैच की अजेय बढ़त केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह श्रेयस के मैदान पर रहने वाले रवैये को दिखात है। एक कप्तान के तौर पर अय्यर स्थिति को बहुत जल्दी भांप लेते हैं। मैदान के भीतर और बाहर खिलाड़ियों से बातचीत करने का उनका तरीका बेहद सरल और प्रभावी है. वे अपने युवा गेंदबाजों को खुलकर गेंदबाजी करने की आजादी देते हैं और बल्लेबाजों को मैच की स्थिति के हिसाब से अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रेरित करते हैं।

# आईपीएल 2027- नीलामी से पहले ट्रेड डील में कई खिलाड़ी हो सकते हैं इधर से उधर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2027 नीलामी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन कहा है कि इस बार मिनी ऑक्शन का आयोजन भारत में ही हो होगा। वहीं नीलामी से एक सप्ताह पहले तक ट्रेड विंडो खुली रहेगी, जिससे टीमों के लिए खिलाड़ियों को ट्रेड करना आसान रहेगा। ऐमें में कई खिलाड़ी इधर से उधर हो सकते है। अब तक, आईपीएल 2027 के लिए केवल एक बड़ी ट्रेड डील सामने आई है। ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौट गए हैं, जहाँ उन्हें 15 करोड़ रुपये मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि लखनऊ में उन्हें 27 करोड़ रुपये मिल रहे थे। इस बीच, कुलदीप यादव भी दिल्ली छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए हैं। यह सिर्फ शुरुआत है, और आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले कई और हैरान वाली ट्रेड डील्स देखने को मिल सकती हैं, जो टीमों की रणनीतियों को पूरी तरह बदल सकती हैं।

संभावित ट्रेड डील्स की सूची में सबसे ऊपर हार्दिक पांड्या का नाम है। मुंबई इंडियंस के इस धाकड़ ऑलराउंडर के टीम छोड़ने की खबरें लगातार आती रही हैं। उनका नाम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स जैसी कई बड़ी टीमों से जोड़ा गया है। वर्तमान हालातों को देखें तो कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक की सबसे ज्यादा जरूरत प्रतीत होती है। हार्दिक के आने से केकेआर की कप्तानी की चिंता दूर हो जाएगी और एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम को मजबूती मिलेगी। इसके बदले में कोलकाता, मुंबई इंडियंस को कैमरून ग्रीन भेज सकती है, जो एक तरह से लाइक-टू-लाइक ट्रेड होगा और दोनों टीमों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

इसी सूची में एक और संभावित मुंबई-कोलकाता डील शामिल है, जिसमें सूर्यकुमार यादव का नाम भी सामने आया है। केकेआर को एक कप्तान की सख्त जरूरत है, और ऐसे में सूर्यकुमार एक मजबूत विकल्प हो सकते हैं। इन अटकलों को पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने हवा दी थी, जिन्होंने सूर्या के मुंबई से कोलकाता जाने की संभावना पर चर्चा की थी। यह भी उल्लेखनीय है कि सूर्यकुमार यादव 2014 से 2017 तक चार सीजन के लिए पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं। हालाँकि, इस संभावित ट्रेड डील को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एक और दिलचस्प ट्रेड की चर्चा सैम कर्रन को लेकर है। सैम करेन आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन ट्रेड डील का हिस्सा रहे थे, जहाँ चेन्नई सुपर किंग्स ने कर्रन और रवींद्र जडेजा को राजस्थान रॉयल्स में भेजा था। अब एक बार फिर, करेन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ ट्रेड की खबरों के कारण सुर्खियों में हैं। दावे किए जा रहे हैं कि उन्हें रोमारियो शेफर्ड के साथ ट्रेड किया जा सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले और कितने खिलाड़ी अपनी टीमों का साथ बदलते हैं और कौन सी टीमें इन बड़े ट्रेड से अपनी किस्मत बदल पाती हैं। आने वाले दिन क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक होने वाले हैं।

## वीरेंद्र सहवाग रियलिटी शो राइज एंड फॉल में होस्ट की भूमिका में नजर आयेंगे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। दो- दो तिहरे शतक लगाने वाले वह एकमात्र भारतीय क्रिकेटर हैं। खेल से संन्यास के बाद वह अपने अलग अंदाज के कारण सोशल मीडिया में छाये रहते हैं। सहवाग अब अमेजन एमएक्स प्लेयर के लोकप्रिय रियलिटी शो राइज एंड फॉल के दूसरे सत्र की मेजबानी करने जा रहे हैं। इसी कड़ी में वह आजकल एक बिल्कुल नए अवतार में धूम मचा रहे हैं। हाल ही में उनकी कई तस्वीरें वायरल हुई हैं जिनमें वह यमराज से लेकर न्यूटन और डॉक्टर तक के लुक में नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों में सहवाग का मजाकिया और बहुमुखी स्वभाव साफ झलक रहा है। एक तस्वीर में वह काले लिबास और मुकुट के साथ यमराज के गंभीर गेटअप में दिख रहे हैं, तो दूसरे में वह एक पेड़ के नीचे किताब पढ़ते हुए न्यूटन की मुद्रा में सेब गिरने का इंतजार कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्हें आईसीयू में मरीज से बात करते हुए एक डॉक्टर के रूप में भी देखा गया, और एक मजेदार तस्वीर में वह स्कूल टीचर बनकर बच्चों से उठक-बैठक करवा रहे हैं। इन अनोखे किरदारों में सहवाग को देखना उनके प्रशंसकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है, और यह उनके मजाकिया व्यक्तित्व का ही एक और प्रमाण है, जिसे वह अपने क्रिकेट करियर के दौरान भी बनाए रखते थे।

यह सभी गेटअप राइज एंड फॉल सीजन 2 के प्रमोशन का हिस्सा हैं। पहले सत्र में इस शो की मेजबानी उद्योगपति अश्नीर ग्रोवर ने की थी पर अब ये सहवाग संभालेंगे। यह शो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होगा, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना होगा और उन्हें अपने उत्थान और पतन की कहानी खुद गढ़नी होगी।

# वैभव अभी अपने अवसरों का इंतजार करें - गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भी शानदर जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में भी अवसर नहीं मिला और संजू सैमसन ही अभिषेक के साथ पारी शुरु करने उतरे। इसी को लेकर टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि सैमसन जैसे खिलाड़ी को बाहर रखना संभव नहीं था। इसलिए वैभव को अभी इंतजार करना होगा। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे में वहीं अनुभवी सैमसन को टीम से बाहर रखने के फैसले को अपने कोचिंग करियर का सबसे कठिन निर्णय बताया।

गंभीर ने सैमसन की प्रतिभा की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसकी प्रतिभा ही उसे प्रभावित करने के लिए पर्याप्त है। उसने अपनी क्षमता सिद्ध की है। कोई भी खिलाड़ी विश्व कप में बिना विलक्षण प्रतिभा के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट नहीं बनता। गंभीर ने साथ ही कहा कि सैमसन को इंग्लैंड सीरीज से बाहर रखने का फैसला उनके कोचिंग करियर का सबसे कठिन निर्णय था।

वैभव ने हाल ही में जिम्बाब्वे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और वहां प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे थे। ऐसे में कई लोगों को उम्मीद थी कि अफगानिस्तान सीरीज में वह अभिषेक के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन ने सैमसन और अभिषेक की स्थापित शुरुआती जोड़ी पर अपना भरोसा कायम रखा। कोच गंभीर ने इस निर्णय को समझाते हुए कहा, मैं हमेशा से अपने नजरिए से बहुत साफ था कि हम विश्व कप के दौरान हमारे पास जो संयोजन था, उसी के साथ वापस जाना चाहते हैं क्योंकि वे खिलाड़ी, तीन या चार बार असफल होने के बाद बुरे खिलाड़ी नहीं बन जाते।

अभिषेक और सैमसन दोनों बल्लेबाजों ने भारत को सीरीज जिताने में अहम योगदान दिया। दोनों ने मिलकर कुल 346 रन जोड़े। अभिषेक ने तीन पारियों में एक शतक और एक अर्धशतक लगाया, जबकि सैमसन ने दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

गंभीर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, हम जिस तरह का क्रिकेट खेलते हैं, अगर कोई टीम एक विश्व कप से दूसरे विश्व कप तक बिना हारे रही है और विश्व कप जीती है, तो मेरा मनाना है कि वह एक बेहतरीन टीम है। एक या दो सीरीज के बाद यह खराब टीम नहीं बन जाती और ये खिलाड़ी दो या तीन असफलता के बाद खराब खिलाड़ी नहीं बन सकते।

# भारतीय टेकबॉल खिलाड़ी क्रिमसी एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची

नागोया। भारत की टेकबॉल एथलीट क्रिमसी जोआकिम डिसूजा ने एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनायी है। क्रिमसी ने अपने पहले ही एशियाई खेलों में असाधारण उपलब्धि हासिल करते हुए महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नागोया सिटी हिगाशी स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित इस प्रतियोगिता में क्रिमसी ने ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में कंबोडिया की कोएम्यान डीवाई को सीधे सेटों में 2-0 (12-7, 12-9) से हराया। अब वह सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की इमा सुमाया से खेलेंगी। सेमीफाइनल में जीत उन्हें पदक की गारंटी देगी, जो उनके पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में एक शानदार प्रदर्शन होगा।

क्रिमसी का यह सफर आसान नहीं रहा है। उन्होंने ग्रुप ए के अपने पहले मैच में जापान की युइना सकामोटो को कड़े मुकाबले में 10-11, 12-11, 13-11 से हराया। वहीं कंबोडियाई खिलाड़ी के खिलाफ मिली जीत से वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गयीं। जिससे उनकी पदक की उम्मीदें और भी बढ़ गयीं। भारतीय दल और प्रशंसकों की नजरें अब उनके सेमीफाइनल मुकाबले पर टिकी हैं।

महिला एकल के अलावा, क्रिमसी मोहम्मद अनस इमरान बेग के साथ मिश्रित युगल स्पर्धा में भी देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस जोड़ी ने भी ग्रुप ए में अपना पहला मैच फिलीपींस की जोड़ी जोआना अबुलेंसिया और प्रिंस अगस्टिन को हराकर जीत दर्ज की है। उनके आगामी मैच कंबोडिया, थाईलैंड और कुवैत की जोड़ियों के खिलाफ हैं, जिससे भारतीय जोड़ी से मिश्रित युगल में में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

वहीं दूसरी ओर भारतीय पुरुष युगल जोड़ी डेक्लान मार्शल गोंसाल्वेस और मोहम्मद अनस इमरान बेग के लिए यह अभियान उतना सफल नहीं रहा। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता (वियतनाम 2024) इस अनुभवी जोड़ी को अपने दोनों ग्रुप मैचों में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पहले वियतनाम के ट्रुओंग गियांग बा और एन खोआ ले से 2-0 से शिकस्त मिली, जिसके बाद उन्हें रिपब्लिक ऑफ कोरिया के जुनसुक ली और ताएबीन ली से भी हार का सामना करना पड़ा। वे कॉन्टिनेंटल गेम्स में प्रतिस्पर्धा करने वाले देश के पहले एथलीट थे। गौरतलब है कि टेकबॉल, हंगरी में विकसित एक अपेक्षाकृत नया खेल है, जो फुटबॉल के तत्वों को एक घुमावदार टेबल के साथ जोड़ता है।

## नमन को टीम इंडिया में जगह मिलने के बाद से ही फरीदकोट में जश्न का माहौल

फरीदकोट। पंजाब के छोटे से शहर फरीदकोट के 26 वर्षीय नमन धीर को पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिलने के बाद से ही यहां जश्न का माहौल है। नमन को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीयय टीम में जगह मिली है। नमन धीर एक आक्रामक दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जो अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लंबे समय से इंडिया ए के लिए प्रभावी प्रदर्शन कर रहे इस क्रिकेटर ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेला है। खासकर 2024 सीज़न के बाद से वे लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में संपन्न हुए शेर-ए-पंजाब टी-20 टूर्नामेंट में नमन ने अपनी बल्लेबाजी से भी चयनकर्ताओं को प्रभावित किया था। जिसका लाभ उन्हें मिला है। नमन ने अमृतसर सूरमाज की ओर से खेलते हुए मोहाली किंग्स के खिलाफ सिर्फ 64 गेंदों में 173 रनों की एक अविश्वसनीय पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने महज 37 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस पारी में 270.31 की स्ट्राइक रेट से 16 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इस टूर्नामेंट में उन्हें मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी मिला था, जिसके कुछ ही दिनों बाद उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने का यह बड़ा तोहफा मिला है। नमन धीर पंजाब के एक प्रतिभाशाली बैटिंग ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 2023-24 में पंजाब को बीसीसीआई की प्रतिष्ठित घरेलू टी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी शानदार फॉर्म और प्रदर्शन ने शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग में मुंबई इंडियंस के स्काउट्स का ध्यान खींचा।

## श्रेयस ने ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचाने अफगान कप्तान जादरान को भी बुलाया

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने के बाद खेल भावना का परिचय देते हुए अफगान टीम के कप्तान इब्राहिम जादरान को भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए बुलाया। अय्यर ने इस प्रकार दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और लोग इसकी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

तीसरे टी20 मुकाबले में 127 रनों की बड़ी जीत के बाद, जब भारतीय टीम ने ट्रॉफी उठाई सभी खिलाड़ी तस्वीर खिंचाने पहुंचे अय्यर ने अफगान टीम के कप्तान जादरान को भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए बुलाया। तस्वीर में जादरान, अय्यर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच खड़े होकर मुस्कराते हुए नजर आ रहे हैं, जो खेल भावना की एक अनूठी मिसाल है। यह पहली बार नहीं था; ट्रॉफी प्रदान करते समय भी अय्यर ने जादरान को अपने साथ शामिल किया था, जिससे दोनों टीमों के बीच सम्मान और सौहार्द का संदेश गया। मेजबान अफगानिस्तान के लिए यह सीरीज निराशाजनक रही, जिसने अरुण जेटली स्टेडियम में अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराश किया।

# पांड्या की वापसी अभी नहीं होगी - गंभीर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। इसलिए उनकी वापसी नहीं हुई है। गंभीर के अनुसार पांड्या अभी एकदिवसीय प्रारुप में अपने पूरे 10 ओवर फेंकने के लिए फिट नहीं हैं। इसलिए उन्हें राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं की जाएगी। पांड्या के बाहर होने से युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को एशियाई खेलों की टीम से हटाकर वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल 2026 के बाद से चोट के कारण खेल दूर रहे हार्दिक को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 50 ओवर की सीरीज के लिए भारत ए टीम में चुना गया है, लेकिन उनका खेलना बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मिलने वाली अंतिम फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगा। गंभीर ने कह कि हम उसे सीधे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में धकेलना नहीं चाहते क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आपके शरीर के लिए भी बहुत कठिन हो सकता है। उन्होंने कहा कि हार्दिक अगर भारत ए के लिए खेलते हैं और सबकुछ ठीक रहता है, तभी वह टी20 और वनडे टीम का हिस्सा बन सकते हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि एक बार हार्दिक वापस आ जाएंगे, तो निश्चित रूप से यह टीम के लिए अच्छा होगा, और भविष्य में हार्दिक व नितीश दोनों को प्लेइंग 11 में भी खिलाया जा सकता है।

नितीश कुमार रेड्डी को शामिल करने को गंभीर ने एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक अच्छी बात है कि उन्हें टी20 फॉर्मेट से हटाकर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने का समय मिलेगा। कोच ने इस बात पर जोर दिया कि हम जानते हैं कि शायद एक साल में जब हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया जाएंगे तो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अहम होंगे। नितीश को भी आईपीएल के बाद से ज्यादा क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला है, इसलिए यह सीरीज उनके लिए महत्वपूर्ण होगी।

## दूसरे टी20 में भी इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर अपना दबदबा बरकरार रखा

लंदन । टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड का शानदार प्रदर्शन जारी है। उसने श्रीलंका को दूसरे टी20 मुकाबले में आसानी से हराकर तीन मैचों की सीरीज पर 2-0 से अपने नाम की है। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने लगभग आठ ओवर शेष रहते ही जीत हासिल कर ली, जिससे उनकी ताकत और दबदबे का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। इंग्लैंड की इस लगातार बढ़ती सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनके खिलाड़ियों का साल भर टी20 क्रिकेट खेलना है, जिसका सीधा फायदा राष्ट्रीय टीम को मिलता है। मैदान पर उनका आत्मविश्वास और बेखौफ अंदाज उन्हें एक अलग स्तर पर ले जाता है। श्रीलंका के खिलाफ यह इंग्लैंड की पिछली 21 भिड़ंतों में 19वीं जीत थी, जो उनके एकतरफा दबदबे को स्पष्ट करती है। इस दौरान श्रीलंका सिर्फ दो मुकाबले जीत पाया है। अगर पिछले साल गर्मियों से अब तक के उनके रिकॉर्ड पर नज़र डालें, तो तस्वीर और भी अधिक प्रभावशाली नज़र आती है। इंग्लैंड ने इस अवधि में खेले गए 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से 22 में जीत दर्ज की है, जिसका मतलब है कि उनकी जीत का प्रतिशत 88 प्रतिशत रहा है। यह आंकड़ा उन्हें पूर्णकालिक सदस्य देशों में शीर्ष पर रखता है। वहीं टी20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 73 है।

# नशे के खिलाफ रूपझर पुलिस का गांव-गांव अभियान

## जन चौपाल में ग्रामीणों को किया जागरूक, मांडवा, बोडलबहरा, बासी और बिजौरा में पुलिस ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना रूपझर पुलिस द्वारा गुरुवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जन चौपाल एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेती के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद किया और स्वास्थ्य, नशामुक्ति, साइबर अपराध तथा सामाजिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों एवं महिलाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। पुलिस ने लोगों से नशे से दूर रहने तथा अपने गांव और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की। ग्रामीणों को बेहतर दिनचर्या अपनाने और व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने के लिए भी प्रेरित किया गया।**

### साइबर ठगी से बचने दी समझाइश

पुलिस ने ग्रामीणों को बढ़ते साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी के प्रति भी सतर्क किया। अनजान लोगों से बैंक संबंधी जानकारी साझा नहीं करने, संदिग्ध लिंक से बचने तथा ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सावधानी बरतने की समझाइश दी गई। पुलिस ने किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की।

### बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी दी महत्वपूर्ण सलाह

जन चौपाल में ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए कहा गया कि गांव में किसी बच्चे के बीमार होने पर घरेलू उपचार के भरोसे न रहें, बल्कि उसे तत्काल नजदीकी शासकीय अस्पताल ले जाकर उचित उपचार कराया जाए। पुलिस ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया

### मांडवा, बोडलबहरा, बासी और बिजौरा में पहुंची पुलिस टीम

यह जागरूकता अभियान थाना रूपझर क्षेत्र के ग्राम मांडवा, बोडलबहरा, बासी और बिजौरा में आयोजित किया गया। पुलिस द्वारा गांव के अलग-अलग स्थानों पर जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया गया। अभियान में ग्रामीणों की सहभागिता रही और उन्हें जागरूक एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

### अवैध शराब के खिलाफ भी कार्रवाई

इसी अभियान के दौरान थाना रूपझर पुलिस ने ग्राम छोटी घोंदी में मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने महेंद्र नेवारे ग्राम छोटी घोंदी निवासी के कब्जे से करीब 15 लीटर अवैध हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब जप्त किये जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1,500 रुपये बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध थाना रूपझर में धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि एक ओर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

### पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका

पूरे अभियान और कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धूमकेती सहित चौकी प्रभारियों, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विशेष सहयोगी दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस द्वारा गांव-गांव पहुंचकर चलाया जा रहा यह अभियान ग्रामीणों को नशे से दूर रखने, साइबर अपराधों के प्रति सजग बनाने तथा स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के प्रति जागरूक करने की दिशा में केंद्रित रहा।

# नशा मुक्ति अभियान के बीच गांजा बिक्री और सेवन की शिकायत

## जोड़ापाट के अलावा कायदी के बाजार चौक, लोधी मोहल्ला सहित कई स्थानों पर युवाओं के नशा करने की चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम कायदी में पिछले सप्ताह से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव में पुलिस की तैनाती की गई है और समय-समय पर पुलिस द्वारा गश्त भी की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार अभियान के चलते अवैध शराब की बिक्री पर कुछ हद तक विराम लगा है लेकिन अब गांजा बिक्री और सेवन को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं।

### सूने स्कूल भवन में युवकों का जमावड़ा

ग्राम पंचायत कायदी के अंतर्गत ग्राम जोड़ापाट स्थित सूने पड़े प्राथमिक शाला भवन के बरामदे में शाम से रात करीब 10-11 बजे तक युवकों के जमावड़े की बात सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां कुछ युवक बीड़ी और सिगरेट में गांजा भरकर उसका सेवन करते देखे जाते हैं।स्कूल भवन के बरामदे में बीड़ी-सिगरेट के अधजले टुकड़े और माचिस की तीलियां भी पड़ी मिली हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नशा करने के बाद युवक इन्हें वहीं छोड़ देते हैं। इससे स्कूल परिसर के वातावरण को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

### कई चौकों और मोहल्लों में भी नशे का आरोप

ग्रामीणों के अनुसार गांजा सेवन की शिकायत केवल जोड़ापाट तक सीमित नहीं है। ग्राम कायदी के बाजार चौक, लोधी मोहल्ला, सड़क मोहल्ला, राम मंदिर चौक सहित अन्य चौक-चौराहों पर भी गांजा बेचने और पीने वालों की मौजूदगी देखे जाने की बात कही जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि नशा मुक्ति अभियान के बीच गांव में गांजा आसानी से उपलब्ध होने की शिकायत गंभीर विषय है। यदि इन स्थानों पर नियमित निगरानी और कार्रवाई की जाए तो गांजा बिक्री एवं सेवन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

### 100 ग्राम गांजे के साथ युवक पकड़े जाने की चर्चा

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले दिनों नशा मुक्ति अभियान के दौरान पुलिस ने एक युवक को करीब 100 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा था। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि बाद में उसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

### नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने की मांग

ग्रामीणों ने वारासिवनी पुलिस से मांग की है कि नशा मुक्ति अभियान के दौरान गांजा बेचने और सेवन करने वालों पर भी प्रभावी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब के साथ गांजा बिक्री और सेवन पर रोक लगाना भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। पुलिस द्वारा संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाए जाने की मांग की गई है।

# 8 दिवसीय पर्युषण पर्व का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ द्वारा आयोजित आठ दिवसीय पयुषण पर्व का श्रद्धा और उत्साह के साथ समापन किया गया। समापन अवसर पर नगर में भव्य वरघोड़ा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष और युवा शामिल हुए। धार्मिक वातावरण के बीच निकले वरघोड़े में समाजजनों का उत्साह देखते ही बना।पर्व के समापन अवसर पर पार्श्वनाथ भवन से भव्य वरघोड़ा प्रारंभ हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जैनदादा बाड़ी पहुंचा। यहां आठ दिवसीय तपस्या करने वाले तपस्वियों का समाजजनों द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इस दौरान तपस्वियों की तपस्या, त्याग और धार्मिक समर्पण की सराहना की गई।

### बड़ी संख्या में समाजजन हुए शामिल

इस 8 दिवसीय तपस्या करने वाले तपस्वियों में राकेश सिंघी, दीपक बोथरा, वीरेंद्र चौधरी, अभिषेक चतुर्वेदी, नितिन कोचर, दीपक गागा धामड़, डॉ. ज्योति सुराना, रंजन कोचर और मनीष लांबा सहित अन्य समाजजन शामिल रहे। जैनदादा बाड़ी में तपस्वियों के अभिनंदन के साथ आठ दिवसीय पयुषण पर्व के आयोजन का विधिवत समापन हुआ। वरघोड़े के दौरान पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। बड़ी संख्या में समाजजनों की सहभागिता से आयोजन भव्य नजर आया। समाजजनों ने पयुषण पर्व के दौरान धर्म, तप और आत्मसंयम के संदेश को आत्मसात करते हुए पर्व का समापन किया।

### 8 सितंबर से प्रारंभ था पर्युषण पर्व, हुए विभिन्न धार्मिक आयोजन- लूनिया

पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अजय लूनिया ने बताया कि 8 सितंबर से प्रारंभ हुए पयुषण पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ समाजजनों ने तपस्या में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पर्व के दौरान करीब 11 श्रद्धालुओं ने लगातार आठ दिनों तक उपवास रखकर कठिन तपस्या की, जबकि लगभग 35 समाजजनों ने एक समय भोजन कर उपवास किया।

# 16 सूत्रीय मांगों को लेकर पंचायत सचिवों का प्रदर्शन

## एकदिवसीय सांकेतिक धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम सीईओ को सौंपा ज्ञापन, संविलियन, वेतन विसंगति, अनुकंपा नियुक्ति और अतिरिक्त कार्यों से मुक्ति की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित सेवा संबंधी मांगों और शासन की पूर्व घोषणाओं को लागू कराने की मांग को लेकर मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन ने 18 सितंबर को मोर्चा खोल दिया। स्थानीय जनपद पंचायत के सामने पंचायत सचिवों ने एकदिवसीय सांकेतिक धरना देकर अपनी नाराजगी जताई। इसके बाद सभी सचिव रैली के रूप में जनपद पंचायत से जिला पंचायत पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी को 16 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। सचिवों ने दो टूक कहा कि लंबे समय से आवेदन, निवेदन और ज्ञापन देने के बावजूद उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे अब संगठन आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति तैयार कर रहा है। संगठन के पदाधिकारियों जितेंद्र चित्रिव सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में पंचायत सचिवों के हित, अधिकार, सेवा सुरक्षा और भविष्य निधि सहित कई विषयों को लेकर घोषणाएं की गई थीं। संगठन का कहना है कि घोषणाओं के बाद भी कई मांगों से संबंधित शासनादेश आज तक जारी नहीं हुए हैं। पंचायत सचिवों ने कई बार शासन और विभागीय अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, लेकिन लंबित मांगों का समाधान नहीं होने से उनमें असंतोष बढ़ रहा है। संगठन ने कहा कि पंचायत सचिव ग्राम पंचायत स्तर पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यों के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीमित संसाधनों और लगातार बढ़ते कार्यभार के बीच वे शासन और ग्रामीण जनता के बीच कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं। इसके बावजूद पंचायत सचिवों से उनके मूल पंचायत दायित्वों के अलावा राजस्व एवं अन्य विभागों की प्रकृति वाले कार्य भी कराए जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि अतिरिक्त जिम्मेदारियां बढ़ने के बावजूद सेवा शर्तों और मूलभूत मांगों का निराकरण नहीं किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान पंचायत सचिवों ने पंचायत सचिव संवर्ग का पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में विभागीय संविलियन करने की मांग प्रमुखता से उठाई। संगठन के अनुसार संविलियन होने से पंचायत सचिवों को सेवा सुरक्षा, भविष्य और स्पष्ट सेवा शर्तों का लाभ सुनिश्चित हो सकेगा। इसके साथ ही स्वामित्व योजना, अधिकार अभिलेख, पंजीयन, ई-केवाईसी तथा भूमि एवं संपत्ति से जुड़े राजस्व प्रकृति के व्यक्तिगत कार्य पंचायत सचिवों से नहीं कराने की मांग की गई। संगठन ने इन कार्यों का दायित्व संबंधित विभाग के अमले को सौंपने की मांग रखी।

# परदेसी बढ़ई समाज ने धूमधाम से मनाई भगवान विश्वकर्मा जयंती

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। परदेसी बढ़ई समाज किरनापुर के द्वारा ज्ञानोदय ज्ञान पीठ स्कूल शांति नगर ग्राम किरनापुर के स्थाई पुलिस पटेल हमारे हेमंत सारंगपुरे जी की अध्यक्षता में परम पूज्य गुरुदेव भगवान विश्वकर्मा जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। समाज के *सहसचिव मीडिया प्रभारी भाई कमलेश कनोजे ने बताया कि ये कार्यक्रम प्रतिवर्ष हमारे बढ़ई समाज द्वारा आयोजित किया जाता है।कार्यक्रम में सभी वर्ग के लोगो ने अपनी गरिमा मई उपस्थिति प्रदान की। हमारे समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात है कि हम सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रम्हा के 7 वे पुत्र और माता संज्ञा के पिता जो भगवान सूर्य की पत्नी बनी।नवग्रह के राजा भगवान सूर्य के ससुर जो आज भी प्रत्यक्ष हमें ऊर्जा प्रदान करते है।मृत्यु के देवता महाराज यम और कर्मफल दाता भगवान शनि ,एवं बहन माता यमुना के नाना।हमारे इष्ट देवता गुरदेवता हमारी पहचान कर्मदेवता भगवान विश्वकर्मा जी का जन्म उत्सव का जन्मदिन हमारे लिए अत्यंत हर्ष और उल्लास का पर्व होता हैं।हमें गर्व है कि हम आपके कुल में पैदा हुए हैं कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष प्रेम किशोर जांगड़े,उपाध्यक्ष सुनील सारंगपुरे ,अरविंद सारंगपुरे,सचिव मुकेश सारंगपुरे,सहायक सचिव व मीडिया प्रभारी कमलेश कनोजे,कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम जांगड़े,सदस्य दुर्गा प्रसाद* सारंगपुरे,कमलेश जांगड़े ,मुकेश जांगड़े ,अनिल कनोजे,राजू जांगड़े,महेश जांगड़े शिव सारंगपुरे,राजू विश्वकर्मा,विजय जांगड़े,संरक्षक मंडल *परम आदरणीय मधुसूदन जांगड़े,कोमल प्रसाद जांगड़े ,विनोद जांगड़े,गुलाब जांगड़े,हेमन* *जांगड़े,राजेश सारंगपुरे,अनिल जांगड़े अशोक जांगड़े जी कार्यक्रम संचालक प्रभारी शेखर जांगड़े जी की गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया।समाज के वरिष्ठजनों ने समाज को प्रगति प्रदान करने हेतु अनेकों समाजहित में निर्णय लिया जिससे समाज के सभी वर्ग के लोगो का सहयोग हो समाज के अध्यक्ष द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और समाज के लिए आगे अनेकों जनहित में कार्य करने की बात की।

आवश्यकता है
लड़कों की
आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

# शराब से होने वाली मौतों के बाद जिले में नशा मुक्ति अभियान तेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस थाना हट्टा के अंतर्गत ग्राम कुंडे के मरारी टोला में ग्राम चौपाल एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए शराब से दूर रहने की सलाह दी गई। गौरतलब है कि पिछले दिनों सागर जिले में शराब से हुई मौतों के मामले के बाद नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता अभियान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बालाघाट जिले में भी पुलिस द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में जानकारी दी जा रही है। पुलिस ने ग्रामीणों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने की अपील की।

### ग्रामीणों ने लिया जागरूकता रैली में हिस्सा

मरारी टोला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में करीब 30 से 40 ग्रामीण महिला-पुरुषों के साथ पुलिस बल भी शामिल रहा। रैली के माध्यम से लोगों को शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया।

### साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी से बचाव की भी दी जानकारी

नशा मुक्ति अभियान के साथ पुलिस द्वारा ग्रामीणों को साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। ग्रामीणों को अनजान फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी केवाईसी, ओटीपी और बैंक संबंधी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी गई। पुलिस ने ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।ग्राम चौपाल के माध्यम से पुलिस ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और कानून-व्यवस्था से संबंधित विषयों पर संवाद किया। नशा मुक्ति और साइबर जागरूकता को एक साथ लेकर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को सुरक्षित, जागरूक और नशामुक्त समाज की दिशा में प्रेरित करना है।

# गणेश पंडाल के पास शराब पीने से मना किया तो युवक की हुई पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम सरेखा में गणेश उत्सव के दौरान शराब पीने से मना करने पर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब पीने से रोकने पर युवक ने पहले गाली-गलौज करते हुए हाथ-बुक्कों से मारपीट की और बाद में ओवरब्रिज के पिलर की ईंट उठाकर उसके सिर पर पटक दी। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक राहुल पिता अनिल तिवारी 30 वर्ष वार्ड नंबर 31 सरस्वती नगर बालाघाट निवासी है जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। जानकारी के अनुसार सरेखा पेट्रोल पंप के सामने सार्वजनिक गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है। 17 सितंबर की रात करीब 3 बजे राहुल तिवारी अपने साथियों लक्की गोंडाने, रिंकू यादव और श्रीकांत कावरे के साथ खाना खाने के बाद गणेश पंडाल में आराम कर रहा था।इसी दौरान सरेखा निवासी नितिन दमाहे पंडाल के पास पहुंचा और वहां शराब पीने लगा। राहुल तिवारी ने उसे पंडाल के पास शराब पीने से मना किया। इसी बात पर विवाद हो गया। आरोप है कि नितिन दमाहे ने राहुल के साथ अश्लील गाली-गलौज करते हुए हाथ-बुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसने ओवरब्रिज के पिलर की एक ईंट उठाकर राहुल के सिर पर पटक दी। ईंट लगने से राहुल के सिर में चोट आई और वह घायल हो गया। मारपीट के दौरान लक्की गोंडाने सहित अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद घायल राहुल तिवारी को जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया। जहां उसका उपचार किया गया। जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने घायल राहुल का बयान दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया है। मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

# माताजी भगवती देवी शर्मा के अवतरण दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ में अखंड जप और दीप यज्ञ

पद्मेश न्यूज। लांजी। गायत्री परिवार के लिए 20 सितंबर का दिन अत्यंत पवित्र एवं विशेष महत्व का माना जाता है। इसी दिन गायत्री परिवार की परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा जी का अवतरण दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ लांजी में रविवार, 20 सितंबर को विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ लांजी में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक अखंड जप एवं दीप यज्ञ का आयोजन होगा। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजन, साधक एवं श्रद्धालु सामूहिक रूप से मंत्रजप और दीप यज्ञ में सहभागिता करेंगे। आयोजन समिति ने बताया कि माता भगवती देवी शर्मा जी ने अपने जीवन के माध्यम से सेवा, साधना, संवेदना और संस्कारों की प्रेरणा समाज को दी। उनका अवतरण दिवस गायत्री परिवार के लिए श्रद्धा, आत्मचिंतन और नवचेतना का अवसर है। इस दिन श्रद्धालु सामूहिक साधना के माध्यम से माताजी के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करेंगे। गायत्री परिवार लांजी की ओर से सभी भाइयों, बहनों एवं परिजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। आयोजन समिति ने कहा कि सभी परिजन अपना अमूल्य समय निकालकर गायत्री शक्तिपीठ लांजी अवश्य पहुंचें और सामूहिक जप एवं दीप यज्ञ में सहभागी बनकर आध्यात्मिक वातावरण का लाभ लें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 19 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 356
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

| | |
|---|---|
| सेंसेक्स | 74,294.96 |
| निफ्टी | 23,346.40 |
| सोना | 1,63,292 |
| चांदी | 2,50,000 |
| डॉलर | 96.00 |

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### सभी दवा दुकानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मेडिकल स्टोर पर बिना पर्चे के दवाओं की बिक्री रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा जारी किया गया है। प्रस्ताव के तहत मेडिकल स्टोर पर होने वाली दवा बिक्री की निगरानी कैमरों के माध्यम से की जा सकेगी। खास तौर पर अनुसूची एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाओं की बिक्री पर नजर रखी जाएगी। इन दवाओं को वैध चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर ही बेचा जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मसौदे पर आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां व सुझाव मांगे हैं। प्रस्ताव लागू होने के बाद दवा दुकानों पर कैमरों के जरिए बिक्री प्रक्रिया की निगरानी बढ़ने की उम्मीद है।

### इंडिगो ने बढ़ाई एड-ऑन सर्विसेज की दरें

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन ने एड-ऑन सर्विसेज महंगी कर दी है। एयरलाइन ने एक्स्ट्रा बैगेज, अकेले सफर करने वाले बच्चों और प्रायोरिटी चेक-इन जैसी सुविधाओं के शुल्क बढ़ा दिए हैं। इंडिगो ने अपनी एड-ऑन सर्विसेज की दरों में संशोधन किया है। इसके तहत एक्स्ट्रा बैगेज चार्ज, 2 साल से छोटे बच्चों का किराया, अकेले सफर करने वाले बच्चों के लिए अनएकम्पनीड माइनर चार्ज और प्रायोरिटी चेक-इन/बोर्डिंग सर्विस के रेट बढ़ा दिए गए हैं। एयरलाइन ने एक्स्ट्रा बैगेज चार्ज में 100 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। पहले तय सीमा से ज्यादा सामान होने पर 700 रुपए प्रति किलो का चार्ज लगता था। 3 दिन से लेकर 2 साल तक के बच्चों के लिए शुल्क में 1,000 का इजाफा हुआ है। पहले इसके लिए 2,000 देने होते थे, जिसे बढ़ाकर अब 3,000 कर दिया गया है।

### पूर्व केंद्रीय मंत्री के काफिले पर हमला

गुरदासपुर। पंजाब में भाजपा की नशा विरोधी रथ यात्रा शुरू होने से पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया। बिट्टू अमृतसर से पठानकोट में यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बिट्टू ने कहा कि बटाला (गुरदासपुर) के पास काफिले को घेरा गया। इसके बाद हमला कर गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए। उन पर टमाटर और अंडे फेंके गए। पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को जेड+ सिक्योरिटी मिली हुई है। माहौल बिगड़ते देख उनके सुरक्षाकर्मी तुरंत उन्हें एक घर में ले गए। बिट्टू ने आरोप लगाया कि फतेहगढ़ चूड़ियां से आप के हलका इंचार्ज जोबन रंधावा के समर्थकों ने लंगर की आड़ में उन पर हमला किया है। उन्होंने 2 आरोपियों को भी पकड़ा।

### एनटीए के परीक्षा सुरक्षा सिस्टम फूलप्रूफ बनाने के दावें की होगी पड़ताल

# पेपर लीक रोकने के इंतजाम की जांच करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। नीट जैसी देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर सुप्रीम कोर्ट अब सिर्फ कागजी दावों पर भरोसा नहीं करेगा। शुक्रवार को कोर्ट ने संकेत दिया कि उसके जज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय का दौरा कर परीक्षा व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की प्रत्यक्ष पड़ताल करेंगे। अदालत यह देखना चाहती है कि परीक्षा में पेपर लीक और दूसरी गड़बड़ियों को रोकने के लिए, तैयार किया गया सिस्टम जमीन पर वास्तव में कितना प्रभावी है।

खास बात यह है कि 19 अगस्त को केंद्र की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कहा गया था कि नीट परीक्षा का सिस्टम अब 'फूलप्रूफ' बनाया गया है और इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। इसके बाद कोर्ट का एनटीए कार्यालय जाकर व्यवस्था देखने का फैसला इस दावे की व्यावहारिक जांच के तौर पर देखा जा रहा है।

#### नीट विवाद के बाद बढ़ी निगरानी

नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई गड़बड़ियों के बाद परीक्षा व्यवस्था की सुरक्षा और पारदर्शिता पर सवाल उठे थे। परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर हुई थी। करीब 23 लाख अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए थे। एनटीए के मुताबिक 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की जानकारी सामने आई। इसके बाद मामला केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया और 21 जून को री-टेस्ट हुआ। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और अब तक 13 लोगों की गिरफ्तारी की बात सामने आई है। इसी पृष्ठभूमि में यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, फेमा और अन्य पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर कर एनटीए को भंग करने तथा पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था की मांग की है। अब अदालत का फोकस इस बात पर है कि परीक्षा सुरक्षा के लिए किए जा रहे सुधार कागज पर कितने मजबूत हैं और वास्तविक परीक्षा व्यवस्था में वे कितने प्रभावी साबित हो रहे हैं।

#### सुधारों का हिसाब भी सार्वजनिक होगा

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए में सुधार के लिए गठित हाई-पावर्ड कमेटी की सिफारिशों को केवल रिपोर्ट तक सीमित रखने के बजाय जमीन पर लागू करने पर जोर दिया है। अदालत ने एनटीए को अपनी वेबसाइट पर किए गए सुधारों और अब तक हुई प्रगति की जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने केंद्र के संयुक्त सचिव से भी कमेटी की सिफारिशों पर अब तक हुई कार्रवाई और प्रगति की जानकारी देते हुए हलफनामा दाखिल करने को कहा है। केंद्र ने बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाले हाई-पावर पैनल की पहली अंतरिम रिपोर्ट सितंबर के अंत तक आने की संभावना है।

#### चार बिंदुओं पर बदलेगा परीक्षा सिस्टम

स्थायी विशेषज्ञ स्टाफ- सुनवाई के दौरान एनटीए में पर्याप्त स्थायी कर्मचारियों और विशेषज्ञों की जरूरत पर जोर दिया गया। बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी ढांचे और विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय को भी परीक्षा सुरक्षा के लिए जरूरी बताया गया। डिजिटल परीक्षा की ओर बढ़ेगा सिस्टम- कोर्ट ने कहा कि लिखित परीक्षा से डिजिटल परीक्षा की ओर बदलाव अचानक नहीं किया जा सकता। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा, ताकि नई तकनीक के कारण नई तरह की समस्याएं पैदा न हों। सुधारों की जानकारी वेबसाइट पर- एनटीए को अपने सुधारों और उनकी प्रगति का विवरण सार्वजनिक करना होगा। इससे उम्मीदवारों और आम लोगों को परीक्षा प्रणाली में किए जा रहे बदलावों की जानकारी मिल सकेगी। सुझाव देने का रास्ता खुलेगा- वकील और राज्य परीक्षा सुधारों से जुड़े अपने सुझाव निर्धारित ई-मेल के जरिए भेज सकेंगे। इन सुझावों को सुधार प्रक्रिया में शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

# कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में उतरीं ममता

**-संचिता प्रधान डे के नामांकन वापस लेने के बाद फैसला, बोलीं- इंडिया गठबंधन की एकजुटता के लिए कांग्रेस का समर्थन**

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार का दिन बड़े बदलावों का दिन साबित हुआ है। एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट की प्रत्याशी संचिता प्रधान डे के नामांकन वापस लेने के बाद ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका गुट अब इस सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगा और कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार करेगा।

दरअसल संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापसी की अंतिम तारीख से एक दिन पहले अपना पर्चा वापस ले लिया था। कहा जाता रहा है कि नामांकन वापसी से पहले उन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से नबन्ना में मुलाकात भी की थी। इसके बाद उनके चुनाव मैदान से हटने का ऐलान कर दिया गया। उनके इस फैसले के कारणों का तत्काल कोई विस्तृत सार्वजनिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। यहां ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया, कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनसे गुरुवार को फोन पर बात की थी। उन्होंने इंडिया गठबंधन की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि सभी मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के उस फैसले पर भी सवाल उठाए, जिसके तहत टीएमसी के पुराने नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। इसी के साथ ही ममता कहा कि आयोग का फैसला अंतिम नहीं है और उनकी पार्टी इसे कानूनी तौर पर चुनौती देगी। पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को कमजोर करने के लिए चुनावी प्रक्रिया और एसआईआर का इस्तेमाल किया गया। ममता ने पार्टी बैंक खाता फ्रीज करने और कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाए जाने के भी आरोप लगाए।

यहां बताते चलें कि नंदीग्राम सीट पर भाजपा ने हसीरानी रथ को उम्मीदवार बनाया है, जबकि ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट भी मैदान में है। नंदीग्राम और रेजिनगर में 6 अक्टूबर को उपचुनाव होना है।

### आईपीएस जगमोहन मीणा का इस्तीफा मंजूर, 13 साल की सेवा के बाद छोड़ी नौकरी

भुवनेश्वर। ओडिशा कैडर के 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी जगमोहन मीणा का इस्तीफा केंद्र सरकार ने मंजूर कर लिया है। वह भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पद पर तैनात थे। उनके इस्तीफे को मंजूरी मिलने की जानकारी 11 सितंबर 2026 को जारी परिपत्र के जरिए सामने आई है। जगमोहन मीणा ने करीब 13 वर्ष की सेवा के बाद पुलिस सेवा से अलग होने का निर्णय लिया है। जगमोहन मीणा मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। उन्होंने वर्ष 2012 की संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 848वीं रैंक हासिल की थी। इसके बाद उन्हें भारतीय पुलिस सेवा के लिए चुना गया और ओडिशा कैडर आवंटित हुआ। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कटक, भुवनेश्वर, कालाहांडी, मलकानगिरी और गंजाम समेत ओडिशा के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दीं। भुवनेश्वर डीसीपी रहते हुए उन्होंने जुलाई 2026 में अपने इस्तीफे की पुष्टि की थी। उस समय उन्होंने बताया था कि उन्होंने परिवार और दोस्तों से विचार-विमर्श के बाद व्यक्तिगत कारणों से त्यागपत्र देने का फैसला किया है। उन्होंने अपनी निजता का सम्मान करने की अपील भी की थी। जगमोहन मीणा की बैचमेट उत्तर प्रदेश कैडर की पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने भी वर्ष 2026 में इस्तीफा दिया है। दिव्या मित्तल का इस्तीफा 15 सितंबर को मंजूर हुआ था।

### मानव तस्करी मामले में आठ बांग्लादेशियों समेत 9 आरोपियों को उम्रकैद

हैदराबाद। एनआईए की विशेष अदालत ने 2019 के एक बड़े मानव तस्करी के खिलाफ बहुत बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साल 2019 के एक बड़े ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले में आठ बांग्लादेशी नागरिकों समेत कुल 9 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एनआईए की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक हैदराबाद की स्पेशल कोर्ट ने यह सख्त फैसला 17 सितंबर 2026 को सुनाया। कोर्ट के इस कदम को सरहद पार से होने वाले संगठित अपराधों और इंसानों की तस्करी पर प्रहार किया है।

यह गंभीर मामला 2019 में सामने आया था। इसमें मुख्य रूप से बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी की गई थी। जांच में सामने आया कि इन पीड़ित महिलाओं को अवैध तरीके से सीमा पार कराकर भारत लाया गया था, जिसके बाद उन्हें जबरन वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एनआईए ने जांच अपने हाथ में ली और पुख्ता सबूतों के साथ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। इसके आधार पर अब 9 आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, जिनमें आठ बांग्लादेशी हैं।

आजीवन कारावास की सजा के साथ-साथ विशेष कोर्ट ने सभी दोषी ठहराए गए आरोपियों पर कुल 1,37,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया है कि यदि दोषी इस जुर्माने की राशि का भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें इसके एवज में तीन महीने के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा काटनी होगी।

### पश्चिम बंगाल एसआईआर मामले में चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

# 38 लाख अपीलों में अबतक सिर्फ एक लाख का निपटारा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने या जोड़ने के खिलाफ दायर 37 लाख से अधिक अपीलें अभी भी लंबित हैं। शीर्ष अदालत में दायर अपने हलफनामे में चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि अदालत द्वारा नियुक्त ट्रिब्यूनल्स ने अब तक दायर 38.20 लाख अपीलों में से केवल लगभग 1.02 लाख का ही निपटारा किया है।

यह जवाब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष दाखिल किया गया। पीठ ने उस याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग से जवाब मांगा था, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटाए गए मतदाताओं के दावों और आपत्तियों का विधानसभा क्षेत्रवार डेटा सार्वजनिक करने की मांग की गई थी।

#### 37.18 लाख मामले अभी भी बाकी

चुनाव आयोग ने बताया कि मतदाता सूची के एसआईआर से संबंधित आदेशों के खिलाफ कुल 38,20,683 अपीलें दायर की गई थीं। इनमें से केवल 1,02,231 अपीलों का ही निपटारा हो सका है, जबकि 37,18,452 अपीलें अभी भी लंबित हैं। हालांकि, आयोग के हलफनामे में यह अलग-अलग विवरण नहीं दिया गया कि इनमें से कितनी अपीलें नाम हटाए जाने के खिलाफ थीं और कितनी अपीलें सूची में नए नाम शामिल किए जाने के विरोध में दर्ज की गई थीं।

### डीयू चुनाव में विक्ट्री जुलूस पर बैन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने छात्र संघ (डीयूएसयू) चुनाव के नतीजे आने के बाद किसी भी तरह के विक्ट्री जुलूस पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि यह रोक सड़कों के साथ-साथ दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस और हॉस्टल में भी लागू रहेगी। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने चुनाव नियमों के उल्लंघन को लेकर सभी छात्र संगठनों और चुनाव लड़ रहे 140 उम्मीदवारों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा है कि नियमों के उल्लंघन के आरोप में उन पर सामूहिक हर्जाना क्यों न लगाया जाए। दिल्ली यूनिवर्सिटी में डीयूएसयू चुनाव के लिए आज वोटिंग हो रही है। डे कॉलेज के छात्रों के लिए, मॉर्निंग शिफ्ट की वोटिंग खत्म हो गई है। इसकी टाइमिंग सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक थी। अब इवनिंग शिफ्ट के छात्रों के लिए, वोटिंग दोपहर 3 बजे से शाम 7:30 बजे तक होगी। चुनाव के नतीजे 19 सितंबर को आएंगे। एबीवीपी ने अध्यक्ष पद के लिए यश डबास और उपाध्यक्ष पद के लिए ईशू मौर्या को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, एनएसयूआई ने अध्यक्ष पद के लिए विजय शंकर मीणा और उपाध्यक्ष पद के लिए वीर चतरथ को उम्मीदवार बनाया है। इस चुनाव में करीब 2.75 लाख छात्र वोटिंग के लिए एलिजिबल हैं। यह देश का सबसे बड़ा स्टूडेंट इलेक्शन है। 2025 के चुनाव में एबीवीपी ने 4 में से 3 पोस्ट जीती थीं।

# जब न्यायाधीश के साथ ही अन्याय हो तब वह कहां जाए?

मुजफ्फरनगर। वाराणसी के ज्ञानवापी मामले में फैसला सुनाकर चर्चा में आए जज रवि कुमार दिवाकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दरअसल मुजफ्फरनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 में करीब 10 साल पुराने एनडीपीएस एक्ट के मामले में फैसला सुनाते हुए उन्होंने अपनी अदालत से हत्या के 97 मामलों की पत्रावलियां वापस लिए जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा है, न्यायाधीश का काम न्याय करना है, लेकिन यदि न्यायाधीश के साथ ही अन्याय हो तो वह कहां जाए?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को सुनाए गए फैसले में जज दिवाकर ने साक्ष्यों के अभाव में आरोपी अशोक भारती को दंड से मुक्त कर दिया। उन्होंने लंबे समय से लंबित इस मुकदमे का जिक्र करते हुए हिंदी फिल्म 'दामिनी' के चर्चित संवाद 'तारीख पर तारीख' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह संवाद न्यायालयों से तारीख मिलने और न्याय न मिलने की धारणा को दर्शाता है।

#### 18 अगस्त को वापस ली गई थीं 97 पत्रावलियां

मामला उन 97 हत्या के मामलों से जुड़ा है, जिनकी पत्रावलियां 18 अगस्त को तत्कालीन जिला जज बीरेंद्र कुमार सिंह ने रिकॉल कर ली थीं। जज रवि कुमार दिवाकर ने नवंबर 2025 में मुजफ्फरनगर में पदभार संभाला था। जानकारी के अनुसार, उनके कार्यकाल के दौरान उनकी अदालत ने 11 मामलों में 23 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी अदालत में लंबित हत्या के 97 मामलों की पत्रावलियां वापस ले ली गईं। तत्कालीन जिला जज बीरेंद्र कुमार सिंह अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। जज दिवाकर ने अपने फैसले में प्रशासनिक नियंत्रण और न्यायिक दायित्व के बीच संबंध पर भी सवाल उठाया।

### हाईकोर्ट ने गवाह के बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य करने के दिए निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के डीजीपी को जांच अधिकारियों के लिए, गवाह के बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य करने का निर्देश दिया और कहा कि इस कदम से आपराधिक मामलों की जांच ज्यादा निष्पक्ष एवं पारदर्शी होगी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने दहेज से जुड़े मामले में एक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। इस मामले में कोर्ट में मौजूद जांच अधिकारी ने स्वीकार किया कि उसने सूचना देने वाले का बयान दर्ज करते समय उसकी ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं की। कोर्ट ने पाया कि जांच अधिकारी को ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक संचार के जरिए गवाह के बयान दर्ज करने की अनुमति देती है। हालांकि जब कोर्ट ने बयानों की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग के संबंध में डीजीपी के 21 जुलाई 2025 और 4 अगस्त 2026 को जारी परिपत्र के बारे में सवाल पूछा तो जांच अधिकारी ने अदालत से माफी मांगी। कोर्ट ने कहा कि उसके सामने ऐसे अनेक मामले आए हैं जिसमें जांच अधिकारियों ने डीजीपी के परिपत्र में विकल्प उपलब्ध कराए जाने के बावजूद ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग तैयार नहीं की। कोर्ट के मुताबिक कई मामलों में जांच अधिकारी स्वयं को इस आरोप से बचाने के लिए ऐसी रिकॉर्डिंग नहीं करते कि गवाहों के बयान खुद जांच अधिकारी द्वारा प्राथमिकी की नकल कर लिखे गए हैं। कोर्ट ने पाया कि डीजीपी के परिपत्र में एक दुष्कर्म पीड़िता के बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य की गई है, जबकि अन्य बयानों की रिकॉर्डिंग वैकल्पिक छोड़ दी गई है।

## कुछ ना कहना

### युवा धर्म संसद को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने कहा...

# धर्म बांधता नहीं बल्कि मुक्त करता है

**-धर्म रिलिजन नहीं, जीवन का अनुशासन है, प्राण बचाने के लिए भी इसे न छोड़ें**

उज्जैन। धर्म रिलिजन नहीं है, जीवन का अनुशासन है। किसी इच्छा की पूर्ति, भय, लोभ या प्राण बचाने के लिए भी धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए। सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन धर्म नित्य रहता है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को उज्जैन में कही। युवा धर्म संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म को लेकर भ्रम का एक कारण अपनी भाषा और धर्म के वास्तविक अर्थ को भूल जाना है। पश्चिम देशों के लोगों ने भारत में धर्म के आचरण, उससे जुड़े कर्मकांड और अनुशासन को देखा। उसे अपने यहां के 'रिलिजन' के समान समझ लिया। बाद में हम भी धर्म को रिलिजन कहने लगे। जैसे कुश्ती सीखने के लिए अखाड़े में दंडबैठक लगाना जरूरी है, वैसे ही धर्म के कर्मकांड और अनुशासन उसके अभ्यास का हिस्सा हैं। कर्मकांड धर्म का एक अंग है, पूरा धर्म नहीं। रिलिजन धर्म नहीं है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति इसके कर्मकांडों को मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है।

#### आपको मोक्ष की ओर ले जाएगा धर्म

संघ प्रमुख ने कहा कि जीवन में आप जो भौतिक सुख, इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति चाहते हैं, वह धर्म के पालन से ही मिलता है। धर्म आपको मोक्ष की ओर ले जाएगा। किसी इच्छा को पूरा करने, डर या लालच के कारण या अपनी जान बचाने के लिए भी कभी धर्म का त्याग न करें।

#### धर्म ही देता है युवाओं को दिशा

कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है।

# अब तो पार्टियां ही चुराने लगी भाजपा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिन्ह को चुनाव आयोग द्वारा फ्रीज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी का प्रतीक बताया और इसे भारत के लोकतांत्रिक पतन का संकेत करार दिया। राहुल गांधी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह एक ऐसा पैटर्न है जो बार-बार दोहराया जा रहा है पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि जब पूरी की पूरी पार्टी ही चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना कोई हैरानी की बात नहीं है। उनके अनुसार, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, लेकिन इसके बजाय, वह उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को ही पलट देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है, बल्कि यह हर राजनीतिक दल और हर मतदाता की लड़ाई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहता है। दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के लिए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फिलहाल फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसका अर्थ यह है कि जब तक आयोग इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं ले लेता, तब तक न तो ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट और न ही ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला गुट किसी भी चुनाव के लिए टीएमसी के नाम और पार्टी के चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल कर पाएगा।

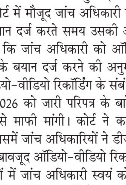

# कामथी से खुरसोड़ी पहुंच मार्ग हुआ खस्ताहाल

## गड्डे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण, जिम्मेदार मौन, मरम्मत करवाने की उठी मांग

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत कामथी से खुरसोड़ी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह से खस्ताहाल हो चुका है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्डे आये दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे है। जिससे राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार प्रशासन और सड़क विभाग मौन साधे बैठा है, जिससे सभी में रोष व्याप्त है। जबकि यह मार्ग क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दो मुख्य हाईवे-लालबर्रा से वारासिवनी और लालबर्रा से कटंगी को आपस में जोड़ता है। इस मार्ग से रोजाना दर्जनों गांवों के ग्रामीण, नौकरीपेशा लोग और स्कूली बच्चे आवागमन करते हैं। साथ ही विगत वर्षो पूर्व ही सड़क विभाग द्वारा यहां डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया था। लेकिन समय पर रख-रखाव और मरम्मत न होने के कारण डामर उखड़ने के साथ ही जगह-जगह गड्डे बन गये है। लेकिन इस सड़क की बदहाली की ओर जिम्मेदारों का कोई ध्यान नही है, जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।**

### प्रशासन की उदासीनता के प्रति लोगों में रोष व्याप्त

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत कामथी से खुरसोड़ी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया हैं। लेकिन समय-समय पर सड़क का मरम्मत कार्य नही होने के कारण वर्तमान में सड़क जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह सड़क के बीचों बीच जानलेवा गड्डे बन गये है। वहीं सड़क की मोड़ाई में भी सड़क खराब हो गई है। साथ ही बारिश होने पर उक्त गड्डों में पानी जमा हो जाने पर गड्डे दुर से दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में दुपहिया सहित अन्य वाहन गड्डे में जाने से वे अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे है और सबसे अधिक परेशानी रात्रि के समय होता है, अंधेरे में गड्डे दिखाई नही देते है। साथ ही इस मार्ग से स्कूली बच्चें सहित राहगीर भी आवागमन करते है और यह मार्ग दो हाईवे मार्ग को जोड़ता है। जबकि सड़क की बदहाली के चलते आवागमन में हो रही परेशानियों से सड़क विभाग को कई बार अवगत करवा दिया गया है। लेकिन उनके द्वारा इस समस्या की ओर विशेष ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि वे इस बदहाली से सड़क विभाग और संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत करवा चुके हैं, लेकिन अब तक गड्डों को भरने का काम शुरू नहीं किया गया है। रोजाना उड़ती धूल और जानलेवा गड्डों के बीच सफर करना लोगों की मजबूरी बन चुका है। ग्रामीणों एवं राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए सड़क का मरम्मत कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाये जाये ताकि किसी बड़ी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

### सड़क का जल्द मरम्मत करवाये प्रशासन - साहेबलाल

कामथी सरपंच साहेबलाल देशमुख ने बताया कि कामथी से खुरसोड़ी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और सड़क में जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्डे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे है और आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। श्री देशमुख ने बताया कि यह मार्ग दो हाईवे मार्ग को आपस में जोड़ता है, लेकिन सड़क खराब हो जाने से सभी को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। सड़क विभाग से मांग है कि सड़क में बने बड़े-बड़े गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

## गारापुरी के बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा हुई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गारापुरी के बहुउद्देशीय प्राथमिक साख सहकारी समिति की वार्षिक

आमसभा शुक्रवार को पिपरिया बड़ कार्यालय स्थल में गरिमामय माहौल में आयोजित की गई। यह कार्यक्रम मनोनित अध्यक्ष झामराज कड़पेती की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित मुख्य अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस वार्षिक आमसभा के शुरूआत में संस्था प्रबंधक एम. पी. ठाकरे ने आमसभा में १ से ८ प्रमुख विषयों पर बिन्दुवार विमोचन प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्था द्वारा अनुमानित बजट एवं संस्था से संबंधित संपूर्ण गतिविधियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों के साथ साझा की और सेवा सहकारी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर योजना का लाभ कैसे लेना है उसके बारे में विस्तार से बताया। वहीं कार्यक्रम के दौरान कृषि विस्तार अधिकारी संजयकुमार मड़के ने किसानों को फसलों में लगने वाली बीमारियों, कीट नियंत्रण तथा दवाओं के सही उपयोग के बारे में किसानों को जागरूक किया। पीएमएफबीवाय के प्रतिनिधि खिलेंद्र जिजोटे ने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। वहीं कार्यक्रम में नारायण परिहार, दमनसिंह राहंगडाले, मनोनित अध्यक्ष झामराज कडपेती ने संबोधित किया। इस अवसर पर पिपरिया बड़ सरपंच श्रीमती सुशीलाबाई पटले, कटंगझरी सरपंच श्रीमती कविता हटवार, गारापुरी सरपंच रविन्द्र मानकर, गंगाराम पटले, गुंचीलाल बिसेन,, हेमराज पटले, भोजलाल ठाकरे, लुखीराम परिहार, विष्णुप्रसाद गौतम, अमरसिंह उयके, रामशंकर ठाकरे, गौरव ठाकरे, घनश्याम बिसेन, सुकवनबाई परते, शीलाबाई बागड़े, छमनबाई बिसेन, भुमेश्वरी ठाकरे सहित गारापुरी, खुरसोडी, नैतरा, पिपरिया एवं कटंगझरी के बड़ी संख्या में कृषक सदस्य एवं संस्था कर्मचारी बुकलाल भगत, विलेश परिहार, हितेश पारधी, रामदयाल टेम्भरे, मानसिंह कडपेती, ओमकार पन्द्रे तथा विनोद मोहारे उपस्थित रहे।

## शहीद राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह का मनाया गया बलिदान दिवस

### आदिवासी सगाजनों ने अमर शहीदों को किया नमन, समाजोत्थान का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के जनपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित शहीद बिरसा मुण्डा सामुदायिक भवन में मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद, तहसील शाखा लालबर्रा के तत्वाधान में १८ सितंबर को गोंडवाना साम्राज्य के वीर राजा शंकरशाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का १६९ वां बलिदान दिवस श्रध्दापूर्वक मनाया गया। यह कार्यक्रम म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारी एवं सगाजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने बड़ादेव की पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसके पश्चात गोंडवाना साम्राज्य के अमर राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथ शाह मड़ावी एवं समाज के अन्य महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं उपस्थित जनसमूह ने अमर शहीदों के सम्मान में नारे लगाये और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारियों ने राजा शंकरशाह और कुंवर रघुनाथ शाह की गौरवगाथा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गोंडवाना साम्राज्य के राजा शंकरशाह एवं रघुनाथ शाह दोनों बाप-बेटों को बीच चौराहों में दर्दनाक मौत दी गई थी यानि दोनों देश के लिए शहीद हो गये थे। तब से प्रतिवर्ष आदिवासी सगाजनों के द्वारा १८ सितंबर को बलिदान दिवस मनाकर उन्हे याद किया जाता है। इसी कड़ी में लालबर्रा में भी अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया गया एवं संकल्प लिया गया कि उनके द्वारा बताये गये मार्गों पर चलकर सभी को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करेगें। वहीं कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सगाजनों ने एकजुट रहने, अपने अधिकारों एवं संस्कृति के प्रति जागरूक होने तथा महापुरूषों के विचारों पर अमल करते हुए समाजोत्थान के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

### महापुरूषों के संघर्ष, देशभक्ति से प्रेरणा लेकर अपने हक-अधिकार की लड़ाई लड़े - अनिल

चर्चा में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उइके ने बताया कि राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह का १६९ वां बलिदान दिवस बिरसा मुंडा आदिवासी सामुदायिक भवन में मनाया गया और उन्हे याद करते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया है। श्री उइके ने बताया कि राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों से लोहा लेते हुए देश और समाज के लिए अपना बलिदान दिया था। युवाओं से आव्हान है कि ऐसे महापुरूषों के संघर्ष, देशभक्ति और मार्गदर्शन से प्रेरणा लेकर समाजोत्थान एवं अपने हक-अधिकार की लड़ाई लड़े।

## स्काउट-गाइड विद्यार्थियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

### उत्कृष्ट विद्यालय में सेवा से संकल्प की ओर अभियान के तहत मनाया गया संकल्प और सेवा दिवस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा में भारत स्काउट एवं गाइड (जिला संघ बालाघाट) के तत्वाधान में 'सेवा से संकल्प की ओर' अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उन्हें संकल्प दिवस एवं सेवा दिवस के रूप में समर्पित करते हुए आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के स्काउट और गाइड के विद्यार्थियों के द्वारा विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत एक दर्जन से अधिक विभिन्न प्रजाति के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया। वहीं उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षक एवं अधिकारियों ने न केवल वृक्ष लगाने बल्कि उनकी निरंतर देखभाल और सुरक्षा करने का भी संकल्प लिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान बच्चों और अधिकारियों ने 'धरती माता करे पुकार, वृक्ष लगाकर करें श्रृंगार' तथा 'पेड़ हैं तो कल है, कल है तो जल है' जैसे पर्यावरण जागरूकता से भरे नारे भी लगाये। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने प्रेरित किया गया और पौधे लगाने के उद्देश्य, महत्व और उसके लाभ के बारे में भी बताया गया। जिला संघ बालाघाट के जिला कांउसलर हरिप्रसाद देशमुख ने बताया कि बताया कि देश के प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक एक माह का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अवधि के दौरान प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के रचनात्मक और समाज सेवा से जुड़े कार्य आयोजित किये जायेगें। इसी सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को स्काउट एवं गाइड के तत्वाधान में उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर विभिन्न प्रजाति के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि सेवा का मुख्य उद्देश्य निःस्वार्थ भाव से समाज और पर्यावरण की रक्षा करना है, बिना किसी फल की लालसा के कार्य करना ही सच्चा सेवा भाव है। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी वायआर गजभिये, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्रीराम तुरकर, उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा प्राचार्य सनत दुबे, जिला काउंसलर हरिप्रसाद देशमुख, ब्लाक काउंसलर श्रीमती सुनिता भलावी, स्काउटर सुनिल बाहेश्वर, सोनू टेंभरे, गाइड केपटन श्रीमती पुष्पा चौधरी, श्रीमती दुबे सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## अमोली के शास. कन्या उमावि. में दीप प्रज्वलन और वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' का नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित शासकीय कन्या उमावि. में गरिमामय आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत संस्था परिसर में विविध सामाजिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न हुआ। अभियान की शुरूआत में १७ सितंबर को शाम ६ बजे से ७ बजे तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री जी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए 'आशीर्वाद का दिया' प्रज्वलित किया गया। वहीं सेवा संकल्प अभियान के दुसरे दिन १८ सितंबर को स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों एवं पदाधिकारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में पौधारोपण (वृक्षारोपण) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राएं एवं शिक्षकों के द्वारा विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने के साथ ही पर्यावरण को बचाने व सेवा भाव को बनाये रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्काउट/गाइड ब्लॉक प्रभारी श्रीमती सुनीता भलावी, स्काउट/गाइड शिक्षक

काउंसलर हरिप्रसाद देशमुख, शाला स्काउट/गाइड प्रभारी के. के. राहंगडाले, प्रभारी प्राचार्य संजीत भालेकर, वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती सीमा राहंगडाले, अजय बनवाले, सुरेन्द्र चौधरी, सुनील चौरवान्द्रे सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

# शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद

## सेंसेक्स 19 अंक गिरा, निफ्टी 75 अंक उछला

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेतों और आईटी शेयरों में गिरावट से बाजार उठ नहीं पाया। आज केवल व्यापक बाजार ने ही बाजार में गिरावट पर अंकुश लगाये रखा। बेंचमार्क इंडेक्स दिनभर एक सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आए।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 19.63 अंक नीचे आकर 74,294.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.80 अंक की बढ़त लेकर 23,346.40 के स्तर पर बंद हुआ। .

यह पहली बार है जब निफ्टी 23,300 के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ है। आज कारोबार में छोटे और मझोले शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.24 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.74 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

आज दिग्गज शेयरों में खरीदारी भी रही। निफ्टी पर अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

वहीं मेटल, रियल्टी, ऑयल एंड गैस, सीमेंट और केमिकल सेक्टर्स में आज सबसे ज्यादा तेजी रही।. कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में गिरावट से इन क्षेत्रों को सहारा मिला जबकि आईटी सेक्टर में आज सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई और यह बाजार पर दबाव बनाने का काम करता रहा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। वैश्विक संकेतों और तेल की कीमतों में कमी आने से प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला और वे हरे निशान पर खुल गए, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.37 अंकों की बढ़त के साथ 74,479.96 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 52.35 अंक बढ़कर 23,322.95 पर खुला।

## रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ 95.93 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में खरीदारी और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में तेज बढ़ोतरी के बाद कच्चे तेल की कीमतें 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भारतीय मुद्रा पर दबाव कम हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा मजबूत होकर 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे मजबूत होकर 95.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

## डॉलर के मुकाबले रुपया टूटने से बढ़ा दबाव, भारत का आयात कारोबार होगा महंगा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की तुलना में भारतीय रुपये में जारी गिरावट ने देश के आयात कारोबार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। डॉलर के लगातार मजबूत होने से भारतीय आयातकों के लिए विदेशी सामान खरीदना काफी महंगा साबित हो रहा है, जिसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

रुपये में कमजोरी के कारण सबसे बड़ा झटका भारत के एनर्जी सेक्टर को लगा है। भारत अपनी जरूरत का 80 से 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेश से आयात करता है। डॉलर महंगा होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार से कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद और औद्योगिक मशीनरी मंगाने का बिल लगातार बढ़ रहा है।

आयात लागत में इस बढ़ोतरी से घरेलू बाजार में इम्पोर्टेड इन्फ्लेशन यानी आयातित महंगाई बढ़ने की आशंका गहरा रही है। पेट्रोल-डीजल और कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर सीधा असर पड़ेगा, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ बढ़ सकता है। इसके साथ ही, देश का व्यापार घाटा और करंट अकाउंट डेफिसिट (सीएडी) बड़ा होने की चुनौती भी सामने आ रही है।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक लगातार बाजार पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर अपने विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर बेचकर रुपये में अत्यधिक गिरावट को रोकने का प्रयास कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार रूस और यूएई जैसे भागीदार देशों के साथ स्थानीय मुद्रा (रुपये) में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा दे रही है, ताकि डॉलर पर निर्भरता और आयात लागत के दबाव को कम किया जा सके।

## इंदौर बाजार भाव

इंदौर। शुक्रवार को इंदौर अनाज मंडी में नए मूंग की दस्तक रही। पंधाना लाइन से 16 कट्टे नए मूंग की आवक हुई, जिसके सौदे 9500 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर हुए। चने में बाजार बने रहे, जबकि खाद्य तेलों में सुर्खी बनी रही। तिलहनों में सोयाबीन के भाव बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर और नारियल में सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार स्थानीय मंडी में नए मूंग की 16 कट्टों की आवक पंधाना लाइन से हुई। इसके सौदे 9500 रुपए प्रति क्विंटल पर हुए। चना 6700-6800 रुपए प्रति क्विंटल रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर और नारियल के बाजार नरमी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे -

**किराना** - शक्कर 4650-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारि?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडि?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100, (160) 3200, (200) 3500, (250) 3800,

**तेल** - सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1810, राजकोट तेलिया 2820, सोया साल्वेंट 1365-1370, सोया रिफाइंड 1415-1420, कपास्या 1590, धूलिया 1600, कड़ी 1600,

**रात की धारणा** - गुजरात लुज 1775, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1495,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्वि?टल)

**तिलहन** - सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन** - चना कांटेवाला बेस्ट 6700-6800, एवरेज 6500-6550, विशाल 6550-6625, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडि?यम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8100-8500, महाराष्ट्र लाल 8400-8800, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

**दाल** - चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडि?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडि?यम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

**अनाज** - गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

**चावल** - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

**मावा** - इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में कारोबार सामान्य रहा। दोनों कीमती धातुओं के भाव पर विदेशी बाजारों का असर देखने को मिला। बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं के भाव सुर्खियों में रहे। भाव इस प्रकार रहे - चॉंदी (9999) 236000, चॉंदी (99) 235800, टंच 235200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150500,

**मेष राशि**-आज का दिन आपके लिए उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कारोबारियों को धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे और साझेदारी में शुरू किया गया काम भी फायदा दे सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़ा कोई पुराना मामला सुलझने की संभावना है। ऑफिस में नई पहल करने के लिए समय अनुकूल है और करियर में बदलाव के साथ तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं।

**वृषभ राशि**-आज आपके जीवन में कोई सुखद बदलाव दस्तक दे सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े कोई काम करने वालों को अचानक धन लाभ मिलने के योग हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। महिलाओं को जीवनसाथी की ओर से कोई प्यारा सरप्राइज मिल सकता है, जिससे पूरे दिन चेहरे पर मुस्कान बनी रहेगी। कारोबार की भागदौड़ कुछ कम होगी और आप नई योजनाओं पर ध्यान दे पाएंगे।

**मिथुन राशि**-आज आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। ऑफिस में दिया गया आपका कोई महत्वपूर्ण सुझाव बड़ी डील को अंतिम रूप दिला सकता है, जिससे वरिष्ठ अधिकारी आपसे प्रभावित होंगे और पदोन्नति की राह खुल सकती है। विरोधी आज आपसे दूरी बनाए रखना ही बेहतर समझेंगे। अनुभवी और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

**कर्क राशि**-आज आपके लिए खुशियों की नई शुरुआत हो सकती है। लंबे समय से जिस विशेष काम को पूरा करने का इंतजार था, वह आज पूरा होने की संभावना है और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। जीवन के बड़े फैसले भावनाओं में बहकर लेने से बचें और घर के अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें। टेक्नोलॉजी क्षेत्र से जुड़े लोगों को नौकरी के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में उतार-चढ़ाव चल रहा है तो जीवनसाथी का सहयोग स्थिति को जल्द संभालने में मदद करेगा।

**सिंह राशि**-आज कई ऐसी बातें स्पष्ट हो सकती हैं जो पिछले कुछ समय से आपके मन में उलझन पैदा कर रही थीं। किसी महत्वपूर्ण काम से बड़ा फायदा मिलने के साथ कोई अधूरा काम भी पूरा हो सकता है। हालांकि बढ़ते खर्च आपके बजट को थोड़ा हिला सकते हैं, इसलिए पैसों को लेकर संतुलन बनाए रखें। निजी काम में भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। नवविवाहित दंपति धार्मिक यात्रा या दर्शन की योजना बना सकते हैं।

**कन्या राशि**-आज का दिन आपके भीतर नई ताजगी और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आएगा। कारोबारी लोगों के लिए अपनी योजनाओं को गुप्त रखना फायदेमंद रहेगा। आपके सोचे हुए कई काम पूरे हो सकते हैं, लेकिन किसी नए निवेश से पहले पूरी जांच-पड़ताल करना जरूरी है। जल्दबाजी या बिना योजना की खरीदारी आर्थिक संतुलन बिगाड़ सकती है। शाम का समय परिवार और बच्चों के साथ खुशी से बीतेगा।

**तुला राशि**-आज भाग्य आपके पक्ष में मजबूती से खड़ा नजर आएगा। जीवनसाथी का कोई व्यवहार या काम आपको बेहद खुशी दे सकता है। कारोबार में सामने आने वाली कुछ नई जानकारियां भविष्य में आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और किसी नए काम की शुरुआत करना भी शुभ परिणाम दे सकता है।

**वृश्चिक राशि**-आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और किसी यात्रा से भी लाभ मिलने के संकेत हैं। अगर कहीं बाहर जा रहे हैं तो जरूरी दस्तावेज और सामान पहले से अच्छी तरह जांच लें। दिन की शुरुआत में थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है, लेकिन एक बार काम की गति पकड़ने के बाद आप शानदार प्रदर्शन करेंगे।

**धनु राशि**-आज समझदारी से उठाया गया हर कदम आपके लिए लाभ का रास्ता खोल सकता है। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल रहेगा और पदोन्नति का अवसर मिल सकता है। मन में अधिक कमाई के नए विचार आएंगे, जिन्हें सही दिशा देने पर भविष्य में अच्छा फायदा हो सकता है। किसी कठिन परिस्थिति में मित्र का सहयोग मिलेगा और आपकी दोस्ती पहले से भी मजबूत होगी।

**मकर राशि**-आज का दिन आपके लिए किसी अच्छी सौगात जैसा साबित हो सकता है। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए समय अनुकूल है और पहले से बनाई हुई योजनाओं को अमल में लाने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आसपास के लोग आपके व्यवहार और काम से प्रसन्न रहेंगे।

**कुंभ राशि**-आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर अधिक आकर्षित रहेगा और भीतर से शांति महसूस होगी। ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा और लोग आपकी बात को गंभीरता से लेंगे। नवविवाहित दंपति को किसी सामाजिक समारोह में शामिल होना पड़ सकता है, जहां किसी खास व्यक्ति से मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है।

**मीन राशि**-आज का दिन खुशियों और मानसिक संतोष से भरा रह सकता है। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा और कॉलेज या कार्यस्थल पर दोस्तों के साथ हंसी-मजाक का माहौल बना रहेगा। किसी विषय पर दिलचस्प चर्चा भी हो सकती है। हालांकि खुद को बेवजह के कामों में उलझाने से बचें, वरना जरूरी कामों के लिए समय कम पड़ सकता है।

## शब्दजाल - 8395

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ब | क | दो | यु | ला | प | ब | रे | ली | झ | क |
| ज | ल | ल | प | आ | रिं | पू | ना | दि | शा | ऊ |
| अं | इ | रा | म | सं | ग | ल | श | र | न | ल |
| क | कु | दा | म | धा | ब | रा | प | ख | श | र |
| क | ति | ब | न | पु | क | र | ल | ग | वी | इ |
| ब | स्ती | ल | लि | व | र | र्त | ऐ | ढ़ | प | ला |
| ती | अ | ल | श | या | प | म | ग | कौ | ला | ह |
| क | ली | अ | ब | त | क | म | प्प | न | श | बा |
| क | ग | थो | तें | व | ज | ज | द | शा | जू | द |
| द | ढ़ | ल | प | आ | रं | र्त | ऐ | बें | प | रु |
| थो | त | सा | बि | ज | नौ | र | जा | एं | प | क |

आगरा,अलीगढ़,इलाहबाद,आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ

### शब्दजाल - 8394 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | हु | मे | रि | सो | म | ना | थ | च | ट | जी |
| णे | खु | कु | प | इं | जी | ने | शि | या | ड़ | नी |
| श | पी | जा | म | र | ग | बा | द | ह | प | ल |
| मा | ग | ए | पा | सिं | दू | स | ल | ह | लि | म |
| व | र | अ | सं | न | ह | ला | कि | यो | प | सं |
| ल | इ | वि | मो | ग | प | वा | शी | ह | गी | जी |
| न | जी | ल | रा | व | मा | जो | न | व | प | व |
| क | रि | भा | र | य | र | स | रा | ल | वि | रे |
| र | या | बा | तें | ह | न | ज | जी | शा | जू | ड्डी |
| र | ग | ल | नो | शि | व | रा | ज | पा | टि | ल |
| बां | स | म | प | ब | लि | रा | म | भ | ग | त |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 7329

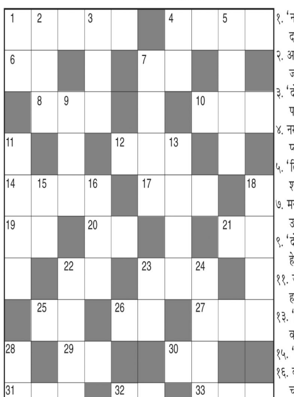

**बायें से दायें:-**

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 7328

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| त्रि | शु | ल | ■ | ग | दा | र | ■ | धा | ■ |
| दे | ■ | गा | य | ब | ■ | ह | म | रा | ज |
| व | च | न | ■ | न | ग | मा | ■ | वी | रू |
| ■ | र | ■ | घ | ■ | ज | न | म | ■ | र |
| ती | स | री | मं | जि | ल | ■ | दा | व | त |
| स | ■ | ■ | डी | ■ | ■ | नू | री | ■ | ■ |
| रा | जा | जी | ■ | अ | मृ | त | ■ | प | ■ |
| कौ | न | ■ | ■ | प | ■ | न | व | रं | ग |
| न | ■ | अ | नु | रा | ग | ■ | ■ | प | ■ |
| ■ | जु | म्मा | ■ | ध | ■ | अ | प | रा | ध |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**19 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | कन्या में |
| चंद्र | धनु में |
| मंगल | कर्क में |
| बुध | कन्या में |
| गुरु | कर्क में |
| शुक्र | तुला में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

**राहुकाल** 9.00 से 10.30 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| कन्या | 05.39 बजे से |
| तुला | 07.54 बजे से |
| वृश्चिक | 10.09 ब.से |
| धनु | 12.25 बजे से |
| मकर | 14.30 बजे से |
| कुंभ | 16.16 बजे से |
| मीन | 17.49 बजे से |
| मेष | 19.20 बजे से |
| वृष | 21.00 बजे से |
| मिथुन | 22.58 बजे से |
| कर्क | 01.11 बजे से |
| सिंह | 03.27 बजे से |

**शनिवार** 2026 वर्ष का 262 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 15.27 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 01.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** आयुष्मान 14.29 बजे को समाप्त। **करण** बव 15.27 बजे तदनन्तर बालव 04.41 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 07.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 01° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872837 **जूलियन दिन** 2461302.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 07 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, गौरी विसर्जन, दधीचि जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | | | | रात का चौघड़िया | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 | से | 07.23 | बजे तक | लाभ | 05.37 | से | 07.10 | बजे तक |
| शुभ | 07.23 | से | 08.51 | बजे तक | उद्वेग | 07.10 | से | 08.42 | बजे तक |
| रोग | 08.51 | से | 10.19 | बजे तक | शुभ | 08.42 | से | 10.14 | बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 | से | 11.46 | बजे तक | अमृत | 10.14 | से | 11.47 | बजे तक |
| चर | 11.46 | से | 01.14 | बजे तक | चर | 11.47 | से | 01.19 | बजे तक |
| लाभ | 01.14 | से | 02.42 | बजे तक | रोग | 01.19 | से | 02.51 | बजे तक |
| अमृत | 02.42 | से | 04.10 | बजे तक | काल | 02.51 | से | 04.23 | बजे तक |
| काल | 04.10 | से | 05.37 | बजे तक | लाभ | 04.23 | से | 05.56 | बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगत: सेवा ही धर्म है

एक बार राजेंद्र प्रसाद ट्रेन के तीसरे दर्जे में बैठ कर कहीं जा रहे थे। गर्मी का महीना था। गाड़ी में भीड़ बहुत थी। ट्रेन एक स्टेशन पर रुकी। संयोग से उसी समय प्लैटफॉर्म के दूसरी ओर भी एक गाड़ी आकर रुकी। उसमें भी बहुत भीड़ थी। राजेंद्र बाबू ने देखा कि दूसरी ट्रेन के एक डिब्बे में लोग पानी के लिए चिल्ला रहे हैं। चूंकि भीड़ बहुत ज्यादा थी इसलिए वे डिब्बे से नीचे उतर नहीं सकते थे। कोई उन पर ध्यान नहीं दे रहा था। तभी राजेंद्र बाबू की नजर एक महिला पर गई जो अपने छोटे बच्चे को गोद में लिए खिड़की से पानी-पानी चिल्ला रही थी। प्यास से बच्चा रो रहा था। उसकी तरफभी किसी का ध्यान नहीं जा रहा था। राजेंद्र बाबू से रहा नहीं गया। वह अपने डिब्बे के लोगों को धकियाते हुए किसी तरह नीचे उतरे और दौड़ कर नल से अपने लोटे में पानी भरकर उसे दिया। तब तक उनकी गाड़ी खुल गई। लेकिन दौड़ कर किसी तरह उन्होंने अपनी ट्रेन पकड़ ली। उनकी सीट के बगल वाले व्यक्ति ने कहा, 'आप तो दुबले-पतले कमजोर आदमी हैं। इस तरह जोखिम उठा कर आप को ऐसा काम नहीं करना चाहिए था। यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखना तो सरकार का काम है।' राजेंद्र बाबू बोले, 'भइया, जब हम लोग ही दूसरे की मदद नहीं करेंगे तो सरकार क्या करेगी। उसको क्यों दोष देते हो। वैसे भी प्यासे को पानी पिलाना तो पुण्य का काम है। आप तो हट्टे-कट्टे हो। आपको यह काम सबसे पहले करना चाहिए था।' बातचीत में जब उस व्यक्ति को मालूम हुआ कि यह सज्जन कोई और नहीं राजेंद्र बाबू हैं, तो वह शर्मिंदा हो गया और उसने राजेंद्र बाबू से क्षमा मांगी। राजेंद्र बाबू ने कहा, 'अरे इसमें क्षमा मांगने की क्या बात है। आज से तुम भी प्रण कर लो कि जरूरतमंद की सेवा का कोई अवसर नहीं छोड़ोगे। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।' उस व्यक्ति ने वैसा ही करने का वचन दिया।

## सूडोकु नवताल- 7638

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | | | | | 7 | | | |
| | | 8 | 2 | | | | 7 | 5 |
| | 4 | | | 3 | | | | 6 |
| | 7 | 1 | | | 2 | | 5 | |
| 8 | | | | 4 | | | | 3 |
| | 2 | | 8 | | | 9 | 6 | |
| 2 | | | | 8 | | | 3 | |
| 4 | 3 | | | | 9 | 8 | | |
| | | | 3 | | | | | 9 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 7637 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 6 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 2 |
| 1 | 5 | 2 | 8 | 3 | 7 | 4 | 6 | 9 |
| 9 | 3 | 8 | 2 | 6 | 4 | 7 | 1 | 5 |
| 8 | 6 | 4 | 7 | 9 | 1 | 5 | 2 | 3 |
| 5 | 2 | 7 | 3 | 4 | 6 | 9 | 8 | 1 |
| 3 | 9 | 1 | 5 | 8 | 2 | 6 | 7 | 4 |
| 2 | 7 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 4 | 6 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 7 | 3 | 2 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 6 | 2 | 9 | 1 | 5 | 7 |

## शब्द पहेली - 8853

**बाएँ से दाएँ**

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान,नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट,मायानगरी -3,2
15. सूर्य,भास्कर-2
16. उपनदी,कैनाल-3
18. व्यंग,परिहास-3
19. कौर,ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल,असावधानी-4

**ऊपर से नीचे**

1. अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर,नशा,गरुर-2
3. चिंतन,विचारना-3
4. परजन भावना,गैरपन-5
5. भिड़ना,मुठभेड़-4
7. रेखा,लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा,हद,बॉर्डर-4
14. शाखा,डाली-3
17. रिवाज,परंपरा-4
18. पाबंदी,रोक-3
21. स्वच्छ-2

### शब्द पहेली -8852 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ह | ज | र | त | ■ | क | र | त | ब |
| र | न | ■ | र | म | ल | ■ | था | ह |
| द | ■ | ■ | ल | ■ | म | त | ■ | ला |
| म | हा | न | ■ | म | ना | क | र | ना |
| ■ | ■ | र | ■ | ना | ■ | रा | ■ | ■ |
| हा | थ | मा | र | ना | ■ | र | स | द |
| स | ■ | ई | ख | ■ | र | ■ | ■ | ल |
| नि | त | ■ | वा | द | क | ■ | क | द |
| क | र | ब | ला | ■ | म | ल | म | ल |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# भागवत कथा में रासलीला और रुक्मणी विवाह ने बांधा समां

### अग्रसेन भवन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भजनों और जयघोष से भक्तिमय हुआ वातावरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म और अध्यात्म की पावन धारा से इन दिनों लांजी नगरी भक्तिमय हो उठी है। मेन रोड स्थित अग्रसेन भवन में सिंघल परिवार (रूपाली साड़ी सेंटर, लांजी) द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ एवं गयाश्राद्ध में श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा का रसपान कर रहे हैं। परम पूज्य पं. मनसुखलाल शास्त्री (बड़ा अखाड़ा, मैहर) के श्रीमुख से कथा का भावपूर्ण वाचन किया जा रहा है। कथा के दौरान भजन, संकीर्तन और भगवान के जयघोष से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। कथा के प्रथम दिवस शुकदेव आगमन एवं श्रीमद् भागवत महात्म्य का वर्णन किया गया। कथा व्यास ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, धर्म, भक्ति और सदाचार की राह दिखाने वाला दिव्य ग्रंथ है। भगवान की कथा का श्रवण मनुष्य के अंतर्मन को निर्मल कर उसे परमात्मा से जोड़ता है।

#### रासलीला में दिखा जीव और परमात्मा के मिलन का भाव

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य रासलीला का प्रसंग श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कथावाचक ने रासलीला के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कहा कि यह जीव और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। रासलीला लौकिक प्रेम का प्रसंग नहीं, बल्कि भगवान के प्रति निष्काम प्रेम, समर्पण और अनन्य भक्ति का संदेश देती है। प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर श्रद्धालु भजनों और संकीर्तन में भाव-विभोर नजर आए।

#### मथुरा लीला और कंस वध का किया वर्णन

इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा गमन और कंस वध से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा में बताया गया कि अधर्म और अत्याचार का अंत निश्चित है। धर्म की स्थापना के लिए भगवान समय-समय पर अवतार लेते हैं। मथुरा लीला के प्रसंग ने श्रद्धालुओं को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

#### रुक्मणी विवाह पर हुई पुष्पवर्षा

रुक्मणी विवाह प्रसंग कथा का विशेष आकर्षण रहा। कथावाचक ने बताया कि रुक्मणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना आराध्य मानती थीं और उन्हें पति रूप में प्राप्त करने की कामना रखती थीं। भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मणी की भक्ति और समर्पण को स्वीकार करते हुए उनसे विवाह किया। विवाह प्रसंग के दौरान अग्रसेन भवन को आकर्षक ढंग से सजाया गया। भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाहोत्सव की खुशी में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की और भजनों के साथ उत्सव मनाया।

#### 20 सितंबर को कथा विश्राम, हवन और पूर्णाहुति

आयोजन के तहत आगामी प्रसंगों में भगवान की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जाएगा। 19 सितंबर शनिवार को द्वारिका लीला एवं सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन होगा। 20 सितंबर रविवार को कथा विश्राम के साथ हवन एवं पूर्णाहुति का आयोजन किया जाएगा। श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक अग्रसेन भवन, मेन रोड, लांजी में आयोजित की जा रही है। सिंघल परिवार ने नगर सहित आसपास के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं एवं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पहुंचकर भागवत कथा का श्रवण करने और धार्मिक आयोजन का पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

# गीता नंदकिशोर ढेकवार चुनी गई परसोड़ी पंचायत की निर्विरोध सरपंच

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसोड़ी में सरपंच पद के लिए हुए निर्वाचन में श्रीमती गीता नंदकिशोर ढेकवार निर्विरोध निर्वाचित हुईं। नामांकन एवं निर्वाचन की निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद अधिकारियों ने उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की। सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचन की खबर मिलते ही पंचायत क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया। ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने नवनिर्वाचित सरपंच को बधाई देते हुए गांव के विकास की उम्मीद जताई। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सरपंच पद के लिए निर्धारित नियमों के तहत नामांकन और अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई। प्रक्रिया समाप्त होने के बाद गीता नंदकिशोर ढेकवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्विरोध निर्वाचन के साथ ही ग्राम पंचायत परसोड़ी को नया नेतृत्व मिला है। अब ग्रामीणों की नजर पंचायत में विकास कार्यों को गति देने और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों के समाधान पर रहेगी।

#### पंचायत सदस्यों की मौजूदगी में हुई प्रक्रिया

निर्वाचन के दौरान पंचायत क्षेत्र के निर्वाचित सदस्यों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी रही। इस अवसर पर नंदकिशोर ढेकवार, भगवंती पांचे, तिलकचंद खैरवार, परमेश्वर नगफासे, किसनी बाई उपराड़े, वंदना नगपुरे, संतोष उपराड़े, प्रमिला उपराड़े, पुष्पा खोबरागड़े, गणेशियन बाहे, गंगावती नागपुरे, उमाशंकर बसोने, प्रकाश पांचे, हेमराज मरठे, पुष्पा खैरवार, चुनेन्द्र नगपुरे, लिखीराम नेवारे एवं कुमारी चम्पा पांचे सहित अन्य पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

#### अधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुआ निर्वाचन

ग्राम पंचायत परसोड़ी में सरपंच पद के निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया अधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुई। रिटर्निंग ऑफिसर एवं तहसीलदार लांजी संजय बारस्कर तथा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं खंड पंचायत अधिकारी लेखराज रामटेककर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा कराया गया।

#### ग्रामीणों ने जताई विकास की उम्मीद

निर्विरोध सरपंच निर्वाचित होने के बाद गीता नंदकिशोर ढेकवार ने पंचायत क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने ग्रामीणों के विश्वास को

जिम्मेदारी बताते हुए पंचायत के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि निर्विरोध निर्वाचन से पंचायत में आपसी समन्वय के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। अब परसोड़ी पंचायत के सामने गांव की सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की चुनौती होगी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि नई सरपंच के नेतृत्व में पंचायत क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण करते हुए विकास कार्यों को गति मिलेगी।

# शासकीय आईटीआई पालडोंगरी में प्रवेश का सुनहरा अवसर, स्टेनो ट्रेड की सीमित सीटें खाली

### 22 सितंबर तक चलेगी प्रवेश प्रक्रिया, कक्षा 10वीं पास अभ्यर्थी ले सकते हैं प्रवेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) पालडोंगरी में सत्र 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। संस्थान में रिक्त

सीटों पर प्रवेश के लिए आईटीआई एडमिशन चॉइस फिलिंग पोर्टल पुनः खोल दिया गया है। वर्तमान में स्टेनो ट्रेड की कुछ सीमित सीटें रिक्त हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों के पास प्रवेश लेने का अवसर है। प्रवेश की अंतिम तिथि 22 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। प्रवेश प्रभारी आदर्श पटले ने बताया कि स्टेनो ट्रेड में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर संस्थान पहुंचकर प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। खास बात यह है कि जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक पंजीयन नहीं कराया है, वे भी सीधे आईटीआई पालडोंगरी पहुंचकर प्रवेश की कार्यवाही कर सकते हैं।

#### 10वीं पास होना अनिवार्य

आईटीआई में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सीमित सीटें उपलब्ध होने के कारण इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते संस्थान में संपर्क कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है।

#### महिला अभ्यर्थियों के लिए कम शुल्क

सत्र 2026 के लिए प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए कुल प्रवेश शुल्क 6,090 रुपए है। इसमें प्रवेश के समय प्रथम किस्त के रूप में 3,250 रुपए तथा नवंबर-दिसंबर में द्वितीय किस्त के रूप में 2,840 रुपए जमा करने होंगे। वहीं महिला अभ्यर्थियों के लिए कुल प्रवेश शुल्क 4,755 रुपए निर्धारित है, जिसमें प्रथम किस्त 2,755 रुपए तथा द्वितीय किस्त 2,000 रुपए होगी। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी एवं प्रवेश प्रक्रिया के लिए शासकीय आईटीआई पालडोंगरी में संपर्क कर सकते हैं।

# विश्वकर्मा लोहार समाज ने मनाया पूजनोत्सव, मेधावी विद्यार्थियों और प्रतिभाओं का किया सम्मान

### 12वीं में तमन्ना साउसकार, 10वीं में सैवंती बावने और 8वीं में श्रद्धा कोसरे रहीं प्रथम

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन लांजी के तत्वावधान में 17 सितंबर को मां काली मंदिर परिसर में भगवान विश्वकर्मा पूजनोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सृष्टि के रचयिता एवं देव शिल्पी भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना और हवन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह में समाज के मेधावी विद्यार्थियों के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा शासकीय सेवा में नई नियुक्ति पाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. संतोष विश्वकर्मा, चिंतेश बावने युवाध्यक्ष लोहार समाज संघटना गोंदिया, निलेश सोनवाने नागपुर, छन्नुलाल विश्वकर्मा ब्लॉक अध्यक्ष कटंगी, रंगलाल विश्वकर्मा ब्लॉक अध्यक्ष वारासिवनी, लखनलाल कोसरे जिला उपाध्यक्ष, सुरेंद्र सोनवाने जिला कोषाध्यक्ष, इंद्रकला विश्वकर्मा महिला अध्यक्ष कटंगी, प्रतीक देवगड़े एवं संदीप बोरकर के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन बालाघाट के जिला अध्यक्ष भुवन लोहार ने की।

#### मेधावी विद्यार्थियों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र

मां वंदना शिक्षण एवं कल्याण समिति के सौजन्य से लांजी विकासखंड में सामाजिक स्तर पर विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड, प्रशस्ति पत्र, कॉपी एवं पेन देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में प्रथम तमन्ना साउसकार, द्वितीय पायल बावने और तृतीय कमलेश सोनटक्के रहे। अंग्रेजी माध्यम में तनवी सोनटक्के प्रथम रहीं। कक्षा 10वीं में सैवंती बावने प्रथम, पल्लवी बावने द्वितीय और मंजलि पन्द्राम तृतीय रहीं। अंग्रेजी माध्यम में नांजल पन्द्राम प्रथम रहीं। इसी तरह कक्षा 8वीं में श्रद्धा कोसरे प्रथम, लीना बावने द्वितीय और रागिनी मेश्राम तृतीय रहीं। अंग्रेजी माध्यम में चंचल पन्द्राम प्रथम और हर्ष ओंकार द्वितीय रहे। कक्षा 5वीं में दामिनी बागड़े प्रथम, वंश सोनवाने द्वितीय और निशा सोनटक्के तृतीय रहीं। अंग्रेजी माध्यम में कुणाल पन्द्राम प्रथम रहे। इसके अलावा अन्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र के साथ कॉपी एवं पेन भेंट किए गए।

#### शैक्षणिक व शासकीय सेवा में उपलब्धि हासिल करने वालों का सम्मान

कमल हेल्थ वेलफेयर फाउंडेशन बालाघाट के सौजन्य से डॉ. कमल सोनटक्के की ओर से भी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं समाज को गौरवान्वित करने वाली शैक्षणिक एवं शासकीय सेवा की उपलब्धियों के लिए डॉ. विमलचंद सोनटक्के, शीतल सोनटक्के, प्रेमलता कोसरे, संतोषी सापेकर, मनीषा बागड़े, पायल उके, चमन ओंकार और प्रणय बागड़े सहित अन्य प्रतिभाओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

#### बड़ी संख्या में पहुंचे समाजजन

समारोह में ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु और श्रद्धालु पहुंचे। दुलापुर के सरपंच ताराचंद कुचलाहे, नूतेन्द्र रहमतकर, राजेश खरगाल सहित अन्य समाजों के श्रद्धालुओं ने भी आयोजन में सहभागिता की और भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का वितरण किया गया। समारोह को सफल बनाने में श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन लांजी के पदाधिकारियों, सदस्यों, मातृशक्ति एवं सामाजिक बंधुओं का विशेष सहयोग रहा।

# साडरा में गूंज रहा गणपति बप्पा मोरिया का जयघोष

### 'साडरा का राजा' गणेशोत्सव में भक्ति और उत्साह का माहौल, शाम की आरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्रभर में इन दिनों श्री गणेशोत्सव की धूम है। घर-घर में विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश विराजमान हैं और श्रद्धालु सुबह-शाम विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंदिरों और सार्वजनिक गणेश पंडालों में गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में क्षेत्र के ग्राम साडरा में 'साडरा का राजा सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडल' द्वारा गणेशोत्सव हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। मंडल के नवयुवकों द्वारा गणेश पंडाल को आकर्षक रंग-बिरंगी विद्युत साज-सज्जा से सजाया गया है। शाम होते ही रोशनी से पंडाल की सुंदरता देखते ही बनती है। पंडाल परिसर में गणेश आराधना एवं भक्ति से जुड़े मधुर गीतों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहता है। मंडल के सदस्यों एवं ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन सुबह-शाम भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की जा रही है। संध्या काल में आरती एवं पूजन के बाद भगवान श्री गणेश को भोग अर्पित किया जाता है। इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों के बीच महाप्रसादी का वितरण किया जाता है। बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु गणेश पंडाल पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन कर रहे हैं और आरती में शामिल हो रहे हैं। गणेशोत्सव के आयोजन में पंडित परमानंद तिवारी सहित मंडल के सदस्य राजा रणदीवे, प्रणव बिल्हारे, मोनू हनोते, अजय सोनवाने, जय रणदीवे, राकेश घोरमारे, राहुल रणदीवे, दिनेश घोरमारे, दामेश ढोक, ओमी विजयवार, ओम रणदीवे, शुभम देशांत ढोक, महेश उमरे, रवि वासनिक, रवि घोरमारे, राज नगपुरे, वीरेंद्र घोरमारे, जय, राजेश्वर, मेहर, सोमेश, कामेश, रविन्द्र,

बिल्हारे, राहुल गुर्दे, नितेश घोरमारे, सुमित रणदीवे, मुन्ना बिल्हारे, सोनू मेहर, अमित सोनी, प्रतीक रणदीवे, पीपुल जामुरे, प्रज्वल, भोजराज भोंगड़े, कोमल, प्रवीण गजबे, दुर्गेश भोंगड़े, ओमप्रकाश, यश, जतिन, राजा, संजय सोनवाने, नारायणा, दुर्गेश एवं रामेश्वर भोंगड़े सहित ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता बनी हुई है। मंडल के सदस्यों ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक आयोजन एवं पूजा-अर्चना का क्रम निरंतर जारी रहेगा। ग्रामीणों के सहयोग से उत्सव को श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के साथ मनाया जा रहा है।

# हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति ने किया भण्डारे का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति बालाघाट रोड़ लांजी में गत वर्षानुसार इस वर्ष भी आकर्षक रूप से पंडाल सजाकर भगवान गणेश की स्थापना की गई है। यहां प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 18 सितंबर को शाम में आरती उपरांत दिलीप मस्करे व राजू मस्करे की ओर से पुलावा प्रसादी का वितरण किया गया एवं रात्रि 9 बजे से स्थानीय महिला मंडली द्वारा भगवान के भजनों की प्रस्तुति दी गई। इसके पूर्व 17 सितंबर को सुरेन्द्र बड़गैया की से हलवा की प्रसादी वितरण की गई थी। आगे कार्यक्रमों के तहत 19 सितंबर को अश्विनी कश्यप की ओर से पुलावा प्रसादी का वितरण किया जाएगा। 22 सितंबर दिन मंगलवार को शाम 4 बजे से हवन पूजन एवं संध्या आरती पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा तथा 23 सितंबर दिन बुधवार को संध्या में प्रतिमा का नगर भ्रमण कर विसर्जन किया जाएगा। हाऊबाग के महाराजा श्री गणेश उत्सव समिति के सदस्य कौशिक सातपुते, वैभव सोलंकी, सुरेन्द्र बड़घैया, दिनेश रामटेककर, आलोक चौरसिया, राजू मस्करे, रविन्द्र धारणे, डॉ संजय मस्करे, डॉ विरेन्द्र कुचलाहे, अश्विनी कश्यप, दुर्गेश ब्रम्हपुरे, संतोष नंदनवार, शरद आसटकर, महेंद्र बड़घैया, नरेन्द्र बड़घैया, नरेश सातपुते, कृष्णा शेंडे, योगेश हट्टेवार, दीनदयाल तिड़के, रूप बिसेन, नवीन बिसेन, विकास तिड़के, वैभव ठाकरे, राहुल बिसेन, रोहित विश्वकर्मा, पुनित खानोरकर, खिलेश्वर तिड़के, राजकुमार आसटकर, संतोष आवरे, कौशिक बल्ले, सुधीर आवरे, आशिष बिल्लाहे, मोन्टी मुरकुटे, योगेश नंदनवार, प्रदीप नंदनवार, अंकित कावड़े, संकुश बांम्हणकर, अंश बड़घैया, मनोज किरनापुरे, चित्रकांत कटरे, विजय आसटकर, सुलभ किरनापुरे, रूपेन्द्र बोपचे, साक्षित नागेश्वर आदि ने सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होने की अपील की है।

**न्यूज गैलरी**

## पिंडरई में 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारण अज्ञात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिंडरई में इसी ग्राम के एक 23 वर्षीय युवक गोपाल पिता मदन मोहारे ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 17 सितंबर की रात की है। उस समय गोपाल घर में अकेला था। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीण पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपाल खेती किसानी और मजदूरी का काम करता था। परिवार में मां के अलावा दो बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है।पिता की पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। 15 दिन पहले गोपाल की मां अपनी बेटी एक घर नागपुर चली गई थी। गोपाल अपने घर में अकेला था 17 सितंबर की रात में गोपाल ने शराब पी थी और वह खाना खाकर अपने घर में सो गया था।रात करीब गोपाल ने अपनी बहन को फोन करके बताएं कि वह फांसी लगा रहा है। तब उसने अपने चचेरे भाई भादू मोहारे को फोन करके बताई कि गोपाल ने फांसी लगाने के संबंध में बोला है। तब भादू मोहारे ने जाकर देखा उस समय गोपाल बिस्तर में लेटा हुआ था। 11:30 बजे भादू मोहारे ने पुनः जाकर देखा दरवाजा खटखटाने पर अंदर से हलचल नहीं हुई खिड़की से देखे, जहां गोपाल फांसी पर लटका हुआ था। भादू मोहारे ने परिजनों ने अन्य परिजनों को बुलाया ।दरवाजा तोड़कर फांसी पर लटके गोपाल को नीचे उतारे लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना डायल 112 को दी गई। सूचना पर ग्रामीण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया। 18 सितंबर को पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। युवक गोपाल ने किन कारणों से यह कदम उठाया यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। किंतु शराब के नशे में यह कदम उठाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ग्रामीण पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

# एक ही समय में दो जिलों में सरकारी सेवा ?

### खेलो इंडिया की संविदा प्रशिक्षिका आशु चौधरी पर गंभीर आरोप, कलेक्टर से शिकायत, बालाघाट में कोच, तो कटनी के शासकीय स्कूल में अतिथि पीटीआई के रूप में सेवा देने का दावा, जिला खेल अधिकारी बोले, शिकायत मिलेगी तो होंगी वैधानिक कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेल विभाग में पदस्थ खेलो इंडिया की महिला प्रशिक्षिका आशु चौधरी को लेकर सामने आई एक शिकायत ने विभागीय व्यवस्था और नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।बालाघाट कलेक्टर से की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आशु चौधरी पिछले करीब दो वर्षों से बालाघाट खेल विभाग में खेलो इंडिया कोच के रूप में सेवाएं दे रही हैं, जबकि इसी अवधि में वह कटनी जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खदौला में पीटीआई (व्यायाम शिक्षक) के रूप में भी पदस्थ हैं। शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए स्कूल का डाइस कोड 23380210106 भी शिकायत में दर्ज कराया है।शिकायत में कहा गया है कि दोनों संस्थानों में अवकाश के लिए दिए गए आवेदनों से एक ही अवधि में अलग-अलग जिलों में सेवाएं दिए जाने की जानकारी सामने आई है।हालांकि पदमेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार इसकी पुष्ठी नहीं करता।उधर इस पूरे मामले को लेकर फिलहाल आशु चौधरी से संपर्क नहीं हो सका है लेकिन जिला खेल अधिकारी ने इस मामले की शिकायत मिलने पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की बात कही है।

### एक साथ दो शासकीय जिम्मेदारियां कैसे ?

मामले में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो एक ही अवधि में दो अलग-अलग जिलों के शासकीय संस्थानों में सेवाएं किस आधार पर दी गईं? क्या आशु चौधरी ने बालाघाट और कटनी के संबंधित विभागों को अपनी दूसरी शासकीय सेवा की जानकारी दी थी? यदि जानकारी दी गई थी तो उन्हें दूसरी नियुक्ति अथवा सेवा की अनुमति किस आधार पर मिली? और यदि जानकारी नहीं दी गई थी तो क्या इस मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी,या फिर कार्यवाही कब तक होंगी यह बढ़ा सवाल शिकायतकर्ता द्वारा उठाया गया है।

### अवसर से वंचित होने का भी उठाया मुद्दा

शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन ने इस बात का भी उल्लेख किया है कि यदि कोई व्यक्ति एक ही समय में दो शासकीय दायित्व निभा रहा है, तो संबंधित पदों के लिए पात्र अन्य अभ्यर्थियों और प्रशिक्षकों के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। शिकायत में इसे पात्र लोगों के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

### जांच के बाद ही साफ होगी तस्वीर

फिलहाल शिकायत के आधार पर लगाए गए आरोपों की सत्यता जांच का विषय है।शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। अब निगाहें खेल विभाग और संबंधित अधिकारियों की जांच पर टिकी हैं। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आशु चौधरी ने वास्तव में एक ही अवधि में दोनों जिलों में शासकीय सेवाएं दीं या नहीं ।या फिर दोनों सेवाओं के बीच नियमों के अनुरूप अनुमति अथवा अन्य वैधानिक व्यवस्था मौजूद थी।

### नाम और पहचान उजागर न करने की शर्त पर दी जानकारी

हालांकि इस शिकायत को लेकर शिकायतकर्ता ने अपना नाम और पहचान उजागर न करने की शर्त रखी थी। जिसके चलते शिकायतकर्ता द्वारा उक्त जानकारी दी गई है। अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि शिकायतकर्ता की शिकायत में आखिर कितनी सच्चाई है और यदि शिकायतकर्ता की शिकायत सच पाई जाती है तो संबधित पर कितने दिनों में कौन सी वैधानिक कार्यवाही जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा की जाती है।

### हमारे पास शिकायत नहीं आई,यदि आती है तो वैधानिक कार्यवाही की जाएगी- बारेसा

शिकायतकर्ता द्वारा कलेक्टर कार्यालय में की गई इस शिकायत को लेकर जब हमने जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा से चर्चा की तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है ।यदि शिकायत की गई है और यदि यह शिकायत उनके पास आती है तो वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी ।एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एक ही व्यक्ति दो अलग-अलग जिलों में या दो अलग-अलग जगह पर इस तरह की सेवा नहीं दे सकता ।इसका उल्लेख एग्रीमेंट में भी रहता है।

# नगर में धमाचौकड़ी मचा रहे आवारा श्वान

### पैदल चलना भी हो रहा दूभर,अचानक हमला कर दुर्घटना का बन रहे कारण, सीएमओ बोले जल्द बनाया जाएगा एबीसी सेंटर, टेंडर जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में कुछ वर्ष पूर्व से शुरू हुई आवारा श्वानों से परेशानी की समस्या अब बढ़ते जा रही है। आलम यह हो गया है कि शहर के प्रमुख चौराहों व गलियों से राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर हो रहा है। हाथों में बैग व थैला लेकर चलने वाले राहगीरों को ये आवारा श्वान न सिर्फ दौड़ाकर भयभीत कर रहे हैं, बल्कि अपने जहरीले नुकीले दांतों व पंजों से वार कर जख्मी भी कर रहे हैं। पिछले आंकड़ों पर गौर किया जाए तो उन आकड़ो के अनुसार पिछले वर्षो में जिलेभर में ऐसे आवारा श्वानों की संख्या करीब 20 हजार से अधिक थी। वहीं वर्तमान वर्ष तक इनकी संख्या में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हो गई है। इन आवारा श्वानों की लगातार संख्या बढने् के कारण अब यह श्वान मुख्य मार्गो व चौराहों में बड़ी संख्या में दिखाई देने लगे हैं, जो राह चलते आमजन पर अचानक से हमला कर या दौड़ाकर भय का माहौल निर्मित कर रहे हैं।

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उईके ने बताया कि एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर नगर पालिका द्वारा बनाया जाना है। जो पीएम आवास कॉलोनी बूढ़ी परिसर में बनाया जाएगा। इसका जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि एबीसी सेंटर बनाने के लिए टेंडर लगा दिए गए हैं जैसे ही टेंडर खुलेंगे ठेकेदार से बात करके जल्द से जल्द इसका निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसे पूरा होने में करीब 4 से 5 माह का समय लग सकता है। इस एबीसी केंद्र में नगर में आवारा धूम रहे पूरे श्वानों को पड़कर, रखा जाएगा ।उनका उपचार कराया जाएगा, उनका टीकारण होंगा,व बध्याकरन का कार्य किया जाएगा डॉक्टरों की एक टीम भी सेंटर में रहेगी। इसकी पूरी तैयारी नगर पालिका द्वारा कर ली गई है जल्द ही इस समस्या से नगर वासियों को राहत मिल जाएगी।

# अन्नपूर्णा देवी के दर्शन को जा रहे श्रद्धालु पर भालू का हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम ग ?दा स्थित अन्नपूर्णा देवी मंदिर की पहाड़ी पर दर्शन के लिए जा रहे एक 64 वर्षीय श्रद्धालु पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। भालू के हमले में श्रद्धालु के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई है। घायल श्रद्धालु रेखलाल पिता गोविंद बिसेन 64 वर्ष ग्राम नाहरवानी थाना हट्टा निवासी है जिन्हें को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नाहरवानी थाना हट्टा निवासी रेखलाल बिसेन अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते हैं। 18 सितंबर की सुबह करीब 5:30 बजे रेखलाल बिसेन अपने दामाद युवराज राहंगडाले के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम गड़दा स्थित अन्नपूर्णा देवी मंदिर में दर्शन करने के लिए घर से निकले थे।मंदिर की पहाड़ी के नीचे मोटरसाइकिल खड़ी करने के बाद ससुर-दामाद पैदल ही पहाड़ी के रास्ते से मंदिर की ओर जाने लगे। दोनों आगे-पीछे चल रहे थे। इसी दौरान 8:00 बजे करीब पहाड़ी का करीब आधा रास्ता तय करने के बाद अचानक झाड़ियों से निकले भालू ने रेखलाल बिसेन पर हमला कर दिया ।भालू ने रेखलाल के दाहिने पैर को अपने जबड़े में दबोच लिया और पैर का मांस नोच दिया। अचानक हुए हमले से रेखलाल घबरा गए और मदद के लिए चिल्लाने लगे। उनकी आवाज सुनकर दामाद युवराज राहंगडाले सहित आसपास मौजूद अन्य लोग मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर भालू को वहां से भगाया ।भालू के हमले में घायल रेखलाल के लिए चलना मुश्किल हो गया था। इसके बावजूद उन्होंने किसी तरह पहाड़ी से नीचे आने की कोशिश की। पहाड़ी के नीचे पहुंचने के बाद दामाद युवराज उन्हें मोटरसाइकिल से घर लेकर आया। इसके बाद परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे ।जहां उन्हें भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। अन्नपूर्णा देवी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में मंदिर की पहाड़ी पर भालू के हमले की घटना से श्रद्धालुओं में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है ।वन विभाग को मंदिर पहुंचने वाले पहाड़ी मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और वन्यजीवों से बचाव के लिए आवश्यक इंतजाम अत्यंत आवश्यक है।

# छात्रों की गूंज में शामिल होने इंदौर रवाना हुई विधायक अनुभा मुंजारे

### 19 सितंबर को रीजनल पार्क में राहुल गांधी करेंगे छात्रों से संवाद, बालाघाट से कांग्रेस नेता और युवा भी पहुंचे इंदौर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इंदौर में 19 सितंबर को आयोजित होने वाले कांग्रेस के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर बालाघाट से भी कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों और युवाओं की भागीदारी सामने आई है। कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों और युवाओं से संवाद करेंगे। कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि कार्यक्रम का केंद्र शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों की समस्याओं और युवाओं की आवाज को सामने लाना है। इसी क्रम में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे भी अपने समर्थकों के साथ 18 सितंबर को ट्रेन के माध्यम से इंदौर के लिए रवाना हुईं। विधायक ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने इंदौर रवाना होने की जानकारी साझा करते हुए छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही। कांग्रेस की ओर से कार्यक्रम को युवाओं और विद्यार्थियों की समस्याओं पर संवाद का मंच बताया जा रहा है। 19 सितंबर को इंदौर के रीजनल पार्क में होने वाले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी छात्रों से सीधे संवाद करेंगे। इससे पहले यह कार्यक्रम कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में आयोजित हो चुका है। कार्यक्रम को लेकर राहुल गांधी ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अपने अनुभव, समस्याएं और सुझाव साझा करने की अपील की है। कांग्रेस के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की बात सीधे सुनना और शिक्षा तथा युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संवाद करना है। बालाघाट से विधायक अनुभा मुंजारे के इंदौर रवाना होने के बाद जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवा वर्ग में भी कार्यक्रम को लेकर सक्रियता दिखाई दे रही है। विधायक की ओर से साझा संदेश में नए युवा भारत के संकल्प के साथ विद्यार्थियों की आवाज को मजबूती देने की बात कही गई है। हालांकि कार्यक्रम में बालाघाट से कितने विद्यार्थी और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे, इसकी आधिकारिक संख्या सामने नहीं आई है। इंदौर में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक गतिविधियां भी तेज रही हैं। कार्यक्रम के आयोजन स्थल को लेकर भी बदलाव हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार कार्यक्रम पहले नेहरू स्टेडियम में प्रस्तावित था, लेकिन बाद में रीजनल पार्क क्षेत्र में आयोजन की तैयारी की गई। कार्यक्रम की अनुमति और आयोजन स्थल को लेकर कांग्रेस तथा प्रशासन के बीच मतभेद भी सामने आए हैं।

# पाइपलाइन शिफ्टिंग के नाम पर पानी को तरसे वार्डवासी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में पानी की समस्या अब महज एक-दो दिन की परेशानी नहीं रह गई है, बल्कि नगर पालिका की जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है। पिछले करीब 15 से 20 दिनों से पाइपलाइन शिफ्टिंग और बाधित जलापूर्ति के बीच शहर के कई वार्डों के रहवासी पानी के लिए परेशान हैं। पहले दो ट्रांसफार्मर जलने के कारण कई दिनों तक शहर की जलापूर्ति प्रभावित रही और जैसे-तैसे व्यवस्था पटरी पर आने की उम्मीद जगी तो नगर पालिका ने 7 से 11 सितंबर तक पाइपलाइन शिफ्टिंग का हवाला देकर फिर पानी की सप्लाई प्रभावित कर दी। खास बात यह है कि 11 सितंबर तक काम पूरा करने का दावा भी धरातल पर पूरा नहीं हो सका और इसका खामियाजा अब तक शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा परेशानी नगर पालिका द्वारा बनाई गई प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में सामने आ रही है, जहां फ्लैट सिस्टम में रहने वाले परिवारों के लिए पानी की समस्या ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नीचे से लेकर ऊपरी मंजिलों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था प्रभावित होने से रहवासियों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी जुटाना पड़ रहा है। स्थिति इतनी खराब हुई कि कुछ परिवारों को निजी स्तर पर पैसे खर्च कर फायर ब्रिगेड के माध्यम से पानी मंगवाना पड़ा। कुछ दिनों तक किसी तरह यह वैकल्पिक व्यवस्था चलती रही, लेकिन आखिर कब तक लोग अपनी जेब से पानी खरीदकर नगर पालिका की व्यवस्था का बोझ उठाते रहें, यह सवाल अब खुलकर सामने आने लगा है। 18 सितंबर बीतने के बाद भी प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में जलापूर्ति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी है।

### वार्डवासी अपनी समस्या ठेकेदार के सामने रखे - दीपक मोगरे

इस पूरे मामले में नगर पालिका के फायर शाखा का काम देखने वाले दीपक मोगरे का बयान भी चर्चा में है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में पानी पहुंचाने के दौरान फायर ब्रिगेड की मशीन खराब हो गई है। उनका कहना है कि यदि पानी की समस्या पाइपलाइन के ठेकेदार के कारण उत्पन्न हुई है तो वार्डवासियों को अपनी समस्या संबंधित ठेकेदार के सामने रखनी चाहिए। उनके अनुसार इसमें नगर पालिका की क्या गलती है। हालांकि इस बयान के बाद सवाल यह उठ रहा है कि यदि नगर पालिका की वैकल्पिक व्यवस्था के तहत फायर ब्रिगेड से पानी पहुंचाया जा रहा था और इसी दौरान मशीन खराब हो गई, तो उस व्यवस्था की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी। जब लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका की मशीनरी इस्तेमाल हो रही थी तो खराबी आने के बाद उसके विकल्प की व्यवस्था करना भी जिम्मेदारों की जवाबदारी नहीं है क्या।

# गोंदिया जिले की बेटी ने दक्षिण कोरिया में रचा गौरवशाली इतिहास

## वर्ल्ड ताइक्कांडो पूमसे चैंपियनशिप में कांस्य पदक की कमाई; भारत का मान बढ़ाया

पद्मेश न्यूज। सालेकसा। सालेकसा तहसील के ग्राम खेडेपार, जिला गोंदिया की प्रतिभावान बेटी कु. विद्या येशूलाल नागपुरे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया में आयोजित 2026 वर्ल्ड ताइक्कांडो पूमसे चैंपियनशिप में कांस्य पदक (Bronze Medal) हासिल कर अपने परिवार के साथ-साथ गांव, समाज और पूरे गोंदिया जिले का नाम रोशन किया है। विद्या का चयन दिल्ली में आयोजित ताइक्कांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। इसके बाद उन्होंने दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 52 किलोग्राम वजन वर्ग में खेलते हुए विद्या ने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और अथक परिश्रम के दम पर कांस्य पदक अपने नाम किया।

### मेहनत, जिद और लगन की प्रेरणादायी कहानी

2004 में जन्मी विद्या येशूलाल नागपुरे ने निरंतर मेहनत, जिद, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनके इस शानदार प्रदर्शन से माता छमिताबाई, पिता येशूलाल, भाई नितीन और दादी सावनाबाई सहित पूरे नागपुरे परिवार में खुशी का माहौल है। गांव के एक सामान्य परिवार की बेटी से लेकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच तक पहुंचने तक का विद्या का यह सफर क्षेत्र की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बन गया है। प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, यह विद्या ने अपनी उपलब्धि से साबित कर दिखाया है। विद्या की इस शानदार सफलता पर खेडेपार के सरपंच महेश लिल्हारे, आलोक महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्रकुमार लिल्हारे, आलोक महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया प्रभारी राजकुमार बसोने, तोषलाल लिल्हारे, सालेकसा सहित गोंदिया जिले के नागरिकों एवं समाजबंधुओं ने उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। 卐गांव की बेटी ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर फहराया तिरंगा; विद्या की सफलता से गोंदिया जिले का गौरव बढ़ा!

# दूध मिलावटखोरों पर प्रशासन का शिकंजा, शिवसागर डेयरी सील

## दासगांव में जिला स्तरीय दूध मिलावट प्रतिबंधक समिति की छापेमारी; संदिग्ध पनीर, दही, क्रीम समेत सैकड़ों किलो माल नष्ट, एफएसएसएआई लाइसेंस भी मिला एक्सपायर्ड

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में दूध और दुग्धजन्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए जिला स्तरीय दूध मिलावट प्रतिबंधक समिति ने शुक्रवार सुबह दासगांव स्थित शिवसागर डेयरी पर अचानक छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। अपर जिलाधिकारी तथा समिति के अध्यक्ष अभिजीत घोरपड़े के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में डेयरी परिसर में भारी गंदगी पाए जाने के साथ ही एफएसएसएआई लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बावजूद व्यवसाय जारी रखने का मामला सामने आया। प्रशासन ने डेयरी को तत्काल प्रभाव से बंद कर सील करने की कार्रवाई की।

### बिना लेबल के मिला संदिग्ध दुग्धजन्य माल

संयुक्त जांच दल को डेयरी में 18 किलो पनीर, 90 किलो दही, 20 किलो दूध, 17 किलो क्रीम, 15 किलो छाछ और 2 किलो खोवा मिला। इन पदार्थों पर उत्पादन तिथि अथवा आवश्यक लेबल नहीं लगाए गए थे। इसके अलावा एक अज्ञात रासायनिक पदार्थ भी बरामद हुआ। प्रशासन ने पनीर, दही, क्रीम तथा अज्ञात रासायनिक पदार्थ के नमूने जांच के लिए न्यायवैद्यक प्रयोगशाला भेजे हैं। वहीं संदिग्ध एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में रखे गए दुग्धजन्य पदार्थों को अन्न व औषधि प्रशासन ने नियमानुसार नष्ट कर दिया।

### खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड भी नहीं

जांच के दौरान डेयरी में माल की खरीद-बिक्री से संबंधित आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई। साथ ही एफएसएसएआई लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बावजूद व्यवसाय संचालित किया जा रहा था।

### वजन काटे की भी जांच, मामला दर्ज

डेयरी में इलेक्ट्रॉनिक वजन काटों की आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया नहीं कराई गई थी। वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर वैध मापन शास्त्र विभाग ने संबंधित संचालक के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया तथा वजन काटा जब्त किया।

### पारदर्शिता के लिए स्थानीय अधिकारियों की मौजूदगी

कार्रवाई के दौरान संदिग्ध माल को नष्ट करते समय समिति के सदस्यों के साथ स्थानीय सरपंच, पुलिस पाटील, मंडल अधिकारी, ग्रामसेवक और कोतवाल को प्रत्यक्षदर्शी के रूप में उपस्थित रखा गया। उनकी मौजूदगी में माल नष्ट कर डेयरी को बंद करने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई में दुग्धशाला व्यवस्थापक प्रशांत बोरसे, सहायक आयुक्त अमृता शिर्के, अन्न सुरक्षा अधिकारी ओंकार लांजेवार, सहायक पुलिस निरीक्षक अभय चव्हाण, वैध मापन निरीक्षक संजय कांबले और गौरव बैस उपस्थित थे।

### 10 सितंबर की बैठक के बाद कार्रवाई

जिले में दूध मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 10 सितंबर को अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय दूध मिलावट प्रतिबंधक समिति की बैठक हुई थी। बैठक में तय रणनीति के तहत शुक्रवार को अचानक जांच अभियान चलाया गया।

### आगे भी जारी रहेगी अचानक जांच

समिति अध्यक्ष घोरपड़े ने जिले के दूध उत्पादकों और डेयरी संचालकों से नियमों का पालन करते हुए वैध लाइसेंस, स्वच्छता और निर्धारित मानकों के अनुसार व्यवसाय करने का आह्वान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जिले में अचानक जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नागरिकों से अपील- दूध, पनीर, खोवा, दही, घी अथवा अन्य दुग्धजन्य पदार्थों में मिलावट या अस्वच्छ परिस्थितियों में व्यवसाय किए जाने का संदेह होने पर नागरिक जिला स्तरीय दूध मिलावट प्रतिबंधक समिति को सूचना दें। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखने की बात प्रशासन ने कही है।

# 15 दिन से बंद पड़ी गांव की स्ट्रीट लाइटें

## पांच पानी टंकियां, फिर भी पेयजल के लिए भटक रहे ग्रामीण; अंडरपास में अंधेरा और जलभराव से बढ़ी परेशानी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के ब्राम्हणी खड़की गांव की मूलभूत समस्याओं को लेकर ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए युवा वर्ग आक्रामक हो गया है. पिछले 15 दिनों से गांव की स्ट्रीट लाइटें बंद होने के कारण रात के समय नागरिकों को अंधेरे में आवागमन करना पड़ रहा है. इससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है.

गांव में पांच पानी की टंकियां होने के बावजूद नागरिकों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है. युवा वर्ग ने आरोप लगाया कि पुरानी पानी की टंकी की केवल रंगाई-पुताई कराकर बिल की राशि निकाली जा रही है. इस मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की जा रही है. गांव में आने-जाने के लिए मुख्य अंडरपास भी अंधेरे में है. अंडरपास में पानी जमा होने से नागरिकों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है. रात के समय यहां दुर्घटना की आशंका बनी हुई है. इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है. स्ट्रीट लाइट, पेयजल, अंडरपास में जलभराव, स्वच्छता सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे युवा वर्ग ने उठाए हैं. ग्राम पंचायत प्रशासन से इन समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर प्रत्यक्ष उपाययोजना करने की मांग की गई है. अब ग्राम पंचायत इन समस्याओं को कितनी गंभीरता से लेती है और लंबित समस्याओं का समाधान कब तक करती है, इस ओर पूरे गांव के नागरिकों का ध्यान लगा हुआ है।

# फर्जी पासपोर्ट मामला - गिरफ्तार पांचवें आरोपी नसीम से पूछताछ में हो सकते है कई खुलासे

भोपाल। फर्जी पासपोर्ट मामले की जांच कर रही स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुरुवार को पांचवें आरोपी नसीम अख्तर को भोपाल के करोंद इलाके से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसके कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने वाले नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। एसटीएफ के अनुसार इस नेटवर्क के तार कई राज्यों तक जुड़े होने की आशंका है।

एसटीएफ के मुताबिक नसीम वर्ष 2016 से - भोपाल में रह रहा था। शुरुआती दौर में वह ट्रक और यात्रा संबंधी कारोबार से जुड़ा था। बाद में एमपी नगर में यात्रा और पर्यटन एजेंसी चलाने के साथ पासपोर्ट एजेंट के रूप में भी काम करने लगा। = पूछताछ में उसने बताया कि भोपाल स्थित पासपोर्ट कार्यालय के बाहर उसकी मुलाकात मेतानंद उर्फ - रियाल चौधरी से हुई थी। उसके इशारे पर उसने अलग-अलग लोगों के फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ऑनलाइन पासपोर्ट आवेदन किए। उसने करीब आठ पासपोर्ट बनवाने की बात स्वीकार की है। हालांकि एसटीएफ को आशंका है कि जांच आगे बढ़ने पर इससे अधिक मामलों का खुलासा हो सकता है।

### - 2023 में नागपुर पुलिस ने पकड़ा था

जांच में नसीम का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। एसटीएफ के अनुसार नागपुर पुलिस उसे वर्ष 2023 में धोखाधड़ी, जालसाजी और विदेशी नागरिक अधिनियम से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। फिलहाल वह जमानत पर था।

# तिरोड़ा में कांग्रेस की विशेष सभा 19 सितंबर को

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा तहसील ग्रामीण व शहर कांग्रेस कमेटी की विशेष सभा शनिवार, 19 सितंबर को सुबह 11 बजे कांग्रेस कार्यालय तिरोड़ा में आयोजित की गई है. सभा की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी गोंदिया के जिलाध्यक्ष अमरभाऊ वराड़े करेंगे. पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ व जिला सहकार कांग्रेस अध्यक्ष राधेलाल पटले प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। सभा में कांग्रेस पक्ष के प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विधायक, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, कृउबास संचालक, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल कांग्रेस, किसान कांग्रेस, एससी कांग्रेस, एसटी कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस तथा सभी प्रकोष्ठों के प्रमुखों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है. सभा में एसआईआर के संबंध में चर्चा, संगठनात्मक विषयों तथा आगामी ग्राम पंचायत, जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा. इसके अलावा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा होगी. तहसील कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रमेश टेभंरे ने सभी संबंधित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से सभा में उपस्थित रहने का आह्वान किया है।

# जाति प्रमाणपत्र शिकायत पर सतर्कता शाखा की कार्रवाई, प्रकरण दर्ज

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी के रूप में प्रस्तुत होकर आरक्षित वर्ग का लाभ लेने और जाति प्रमाणपत्र से संबंधित शिकायत पर पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा ने कार्रवाई की है। शिकायत की जांच और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर थाना सतर्कता में निवर्तमान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। यह कार्रवाई गुना जिले के राघौगढ़ निवासी हरवीर सिंह रघुवंशी की शिकायत के आधार पर की गई। प्रकरण से संबंधित जाति प्रमाणपत्र की जांच मध्यप्रदेश शासन की अनुसूचित जनजाति संदेहास्पद जाति प्रमाण पत्र उच्च स्तरीय छानबीन समिति, भोपाल द्वारा की गई थी। समिति की जांच के बाद क्षेत्र संयोजक, आदिम जाति कल्याण, विदिशा द्वारा वर्ष 1984 में जारी अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र को अमान्य घोषित किए जाने की जानकारी सामने आई है। जांच में संबंधित अधिकारी के मूल निवासी होने से जुड़े तथ्यों पर भी सवाल सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, सेवा में आने से पहले संबंधित अधिकारी ने शासकीय शिक्षक के रूप में स्वयं को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का अभ्यर्थी बताया था। बाद में एमपीपीएससी परीक्षा के माध्यम से उप पुलिस अधीक्षक पद पर नियुक्ति और पदोन्नति सहित अन्य सेवा लाभ प्राप्त किए।

# तिरोड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का अभाव

## शेड के अभाव में धूप-बारिश में परेशान यात्री ~ एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को लेकर भी नाराजगी

पद्मेश न्यूज। तिरोड़ा। तिरोड़ा शहर देश के प्रमुख औष्णिक विद्युत केंद्रों में से एक के रूप में जाना जाता है. यहां से करोड़ों की बिजली देश को मिलती है, लेकिन रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का अभाव नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है. प्लेटफॉर्म पर शेड नहीं होने से यात्रियों को धूप और बारिश के बीच ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है. यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से स्टेशन पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। तिरोड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त शेड नहीं होने से गर्मी और बारिश के मौसम में यात्रियों को परेशानी होती है. छोटे बच्चों के साथ आने वाली महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य यात्रियों को ट्रेन के इंतजार में खड़े रहना पड़ता है. यात्रियों के अनुसार, प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त संख्या में बाकड़े, ठंडे पेयजल की व्यवस्था और यात्रियों के लिए सूचना डिस्प्ले की सुविधा उपलब्ध नहीं है. साइकिल स्टैंड का अभाव भी परेशानी बढ़ा रहा है. एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए यात्रियों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है. सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को इससे विशेष परेशानी होती है. यात्रियों का कहना है कि आमगांव और तुमसर रोड जैसे स्टेशनों पर एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जबकि तिरोड़ा स्टेशन अभी भी इन सुविधाओं से वंचित है. यात्रियों ने स्टेशन पर एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने की मांग की है. तिरोड़ा रेलवे स्टेशन पर कुछ चुनिंदा एक्सप्रेस ट्रेनों का ही ठहराव होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है. नागरिकों का कहना है कि रात के समय हावड़ा की ओर से आने वाली ट्रेनों के बाद यात्रा के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध नहीं रहते. इतवारी से चलने वाली रीवा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग भी की जा रही है. यात्रियों के अनुसार, तुमसर रोड स्टेशन पर कई ट्रेनों का ठहराव है, लेकिन तिरोड़ा को अपेक्षित सुविधा नहीं मिल रही है. इससे नौकरी, व्यापार और अन्य कामों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है. नागरिकों ने तिरोड़ा स्टेशन पर अधिक से अधिक एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की है. नागरिकों का कहना है कि तिरोड़ा क्षेत्र में बड़े औद्योगिक और विद्युत प्रकल्प होने के बावजूद रेलवे स्टेशन पर मूलभूत यात्री सुविधाओं का अभाव चिंता का विषय है. रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देकर यात्रियों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

तिरोड़ा रेल्वे स्टेशन

### अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करने की मांग

यात्रियों ने तिरोड़ा रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना में समावेश कर विकास कार्य कराने की मांग की है. स्टेशन पर अत्याधुनिक शेड, स्टील के बाकड़े, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, डिजिटल डिस्प्ले तथा महिला, दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वतंत्र प्रतीक्षालय उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

# किसान मुद्दों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एल्गार

## कर्जमाफी, धान का 5 हजार रु. समर्थन मूल्य और 25 हजार रु. प्रति हेक्टेयर बोनस समेत विभिन्न मांगों का तहसीलदार को ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गोरेगांव तहसील कांग्रेस कमेटी की ओर से गुरुवार, 17 सितंबर को आदिलोक भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद किसानों, आवास योजना के लाभार्थियों और आम नागरिकों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार, गोरेगांव के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर भाऊ वराडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (स्ढ्क्र), आगामी ग्राम पंचायत चुनाव तथा पार्टी संगठन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। इसके बाद शासन का ध्यान किसानों की समस्याओं की ओर आकर्षित करने के लिए ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि शासन द्वारा घोषित कर्जमाफी किसानों के लिए अपर्याप्त है। कर्जमाफी में लगाई गई शर्तों के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसलिए बिना किसी शर्त के सभी किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी की जाए, ऐसी मांग कांग्रेस की ओर से की गई।

### धान को 5 हजार रुपए समर्थन मूल्य देने की मांग

कांग्रेस ने किसानों के धान को उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए 5 हजार रुपए प्रति क्विंटल सरकारी समर्थन मूल्य देने की मांग की। इसके अलावा धान के लिए 25 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर बोनस तत्काल वितरित करने तथा नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने की मांग की गई। कृषि पंपों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग भी ज्ञापन में की गई है।

### आवास योजना की राशि 5 लाख रुपए करें

ग्रामीण क्षेत्रों में आवास योजना के तहत लाभार्थियों का लंबित निधि तत्काल वितरित किया जाए। साथ ही आवास निर्माण के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता बढ़ाकर 5 लाख रुपए की जाए, ऐसी मांग कांग्रेस ने की है। इसके अलावा रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण लाकर महंगाई कम करने की मांग भी ज्ञापन के माध्यम से की गई।

### कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित

ज्ञापन सौंपते समय जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर भाऊ वराडे, उपाध्यक्ष झामसिंग भाऊ बघेले, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव पी. जी. कटरे, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष डेमेन्द्र राहांगडाले, गोरेगांव तहसील कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सी. टी. चौधरी, जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग अध्यक्ष जितेंद्र कटरे, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष वंदनाताई काले, गोरेगांव खरीद-बिक्री सहकारी संस्था अध्यक्ष जगदीश भाऊ येरोला, पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश कटरे, जिला परिषद सदस्य शशी भगत, जिला लीगल सेल कांग्रेस अध्यक्ष टी. बी. कटरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बिजली कनेक्शन के लिए सिर्फ 43 आवेदन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में इस वर्ष हजारों सार्वजनिक गणपति मंडलों द्वारा गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. सोमवार को गणेशजी का धूमधाम से आगमन भी हो गया, लेकिन बिजली कनेक्शन के मामले में सार्वजनिक मंडलों की ओर से अपेक्षित सतर्कता नजर नहीं आ रही है. अब तक जिलेभर से महावितरण के पास अस्थायी बिजली कनेक्शन के लिए केवल 43 मंडलों ने आवेदन किया है। गणेशोत्सव 12 दिनों तक चलने वाला है. सार्वजनिक मंडलों की जिम्मेदारी अधिक होती है, क्योंकि उत्सव के दौरान बिजली व्यवस्था में छोटी-सी लापरवाही भी दुर्घटना का कारण बन सकती है. इसी को देखते हुए महावितरण की ओर से पिछले करीब एक महीने से गणपति मंडलों से नियमानुसार आवेदन कर अस्थायी बिजली कनेक्शन लेने की अपील की जा रही है. पुलिस विभाग की जानकारी के अनुसार जिले में इस वर्ष हजारों सार्वजनिक गणपति मंडलों की स्थापना की जा रही है. इसके बावजूद उत्सव शुरू होने के बाद अब तक केवल 43 मंडलों ने बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया है. इसे देखते हुए मंडलों द्वारा बिजली सुरक्षा के प्रति बरती जा रही लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं. जिले में अब तक प्राप्त 43 आवेदनों में सबसे अधिक 11 आवेदन तिरोड़ा उपविभाग से आए हैं. इसके बाद गोंदिया शहर के 10 मंडलों ने अस्थायी बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया है. महावितरण की ओर से गणपति मंडलों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े, इसके लिए घरेलू दर पर अस्थायी बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है. इसके बावजूद कई मंडलों द्वारा नियमानुसार कनेक्शन लेने में देरी की जा रही है.

### अब बढ़ सकती है आवेदनों की संख्या

गणेशोत्सव के दौरान लगातार तीन दिन अवकाश रहने के कारण कई मंडलों के पदाधिकारियों को आवेदन करने का अवसर नहीं मिल पाया होगा. अब कामकाज के दिन शुरू होने के बाद मंडलों के पदाधिकारियों द्वारा महावितरण कार्यालय पहुंचकर आवेदन किए जाने की संभावना है. ऐसे में गुरुवार से बिजली कनेक्शन के लिए आवेदनों की संख्या बढ़ने का अनुमान है. महावितरण ने सार्वजनिक गणपति मंडलों से सुरक्षित और नियमानुसार बिजली व्यवस्था के लिए जल्द से जल्द अस्थायी कनेक्शन लेने की अपील की है.

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

### रेलवे ट्रैक पर घायल मिला अज्ञात व्यक्ति, हालत गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीती रात रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर डायल-112 की मदद से उसे रात करीब 2 बजे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है और वह बोलने की स्थिति में नहीं है। फिलहाल उसकी पहचान भी नहीं हो पाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 एवं 18 सितंबर की दरमियानी रात के समय किसी रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना डायल-112 को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस की मदद से घायल को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां उसका उपचार जारी है। घायल व्यक्ति की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है। उसके हाथ और सिर में चोट के निशान पाए गए हैं। गंभीर चोटों के कारण वह फिलहाल कुछ बोलने की स्थिति में नहीं है। जिसके चलते उसके साथ हुई घटना के संबंध में कोई जानकारी सामने नहीं आ सकी है।प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि व्यक्ति चलती ट्रेन से गिरकर घायल हुआ है अथवा किसी अन्य घटना में घायल होने के बाद उसे रेलवे ट्रैक पर लाकर छोड़ा गया। मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।घायल की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस उसके परिजनों की तलाश करने के साथ ही घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल घायल का जिला अस्पताल में उपचार जारी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

# खड़े ट्रक में जा घुसी कार, दंपती सहित चार वर्षीय बच्चा घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर सांदीपनी विद्यालय के सामने गुरुवार रात एक कार सड़क पर खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। हादसा इतना जोरदार था कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में कार सवार खिलेश लिल्हारे, उनकी पत्नी प्रीति लिल्हारे तथा चार वर्षीय पुत्र मितांश घायल हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसा गंभीर होने के बावजूद तीनों को दुर्घटना के हिसाब से कम चोटें आईं और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक १९ शिवधाम निवासी खिलेश लिल्हारे १७ सितंबर की शाम अपनी पत्नी प्रीति और चार वर्षीय पुत्र मितांश के साथ कार क्रमांक एमपी ५० सी ७६७९ से बालाघाट से वारासिवनी लौट रहे थे। रात करीब ९.३० बजे जब उनकी कार वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर सांदीपनी विद्यालय के सामने पहुंची तभी सड़क पर खड़ा सीमेंट का ट्रक क्रमांक सीजी ४ क्यूई ९३४६ कार के सामने आ गया। ट्रक मुख्य मार्ग पर खड़ा था और उसमें पर्याप्त दिशा सूचक स्टॉप लाइट अथवा रेडियम संकेतक दिखाई नहीं दे रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे वाहनों की रोशनी के बीच कार चालक को सड़क पर खड़ा ट्रक नजर नहीं आया और कार सीधे उसके पिछले हिस्से से जा भिड़ी। टक्कर में खिलेश लिल्हारे के सिर व चेहरे में चोट आई जबकि

प्रीति लिल्हारे के हाथ, पैर एवं सिर में चोटें बताई गई हैं। वहीं चार वर्षीय मितांश को भी चोट लगी। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए बालाघाट ले गए। घटना के संबंध में वारासिवनी थाने में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा १२५,२८१ तथा मोटरयान अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद वारासिवनी बालाघाट मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यस्त मार्ग पर रात के समय भारी वाहनों को बिना उचित प्रकाश संकेतक अथवा रेडियम व्यवस्था के खड़ा किया जाना वाहन चालकों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। लोगों ने मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था कराने तथा मुख्य मार्ग पर खड़े रहने वाले भारी वाहनों के संबंध में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित कराने की मांग की है। घायल खिलेश लिल्हारे ने बताया की बालाघाट से वारासिवनी आ रहे थे सामने से एक वाहन आया जिसके लाइट में मुझे कुछ दिखा नहीं बचने के लिए साइड लिया तो अंधेरे में बीच रास्ते में एक ट्रक खड़ा था। उसमें रेडियम पार्किंग लाइट कुछ नहीं लगी हुई थी इस कारण यह टक्कर हो गई गाड़ी में मैं परिवार के साथ था।

# करंट की चपेट में आई महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव नादी में तेरहवीं कार्यक्रम के लिए भोजन तैयार करने के दौरान एक महिला की विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतिका की शकुन बाई पति भेजनलाल कोल्हे 58 मोहगांव ,निवासी है। हादसे के बाद कटंगी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटंगी अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवा दिया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था।

### तेरहवीं कार्यक्रम के लिए भोजन की तैयारी चल रही थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार शकुन बाई अपने परिवार के साथ मजदूरी कर जीवन-यापन करती थी। उसके परिवार में पति, दो बेटे और दो बेटियां हैं। 18 सितंबर को ग्राम मोहगांव निवासी पटेल लोकचंद बिसेन के पिता के निधन के उपलक्ष्य में तेरहवीं कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के लिए गांव की अन्य महिलाओं के साथ शकुन बाई भी दोपहर करीब 12 बजे भोजन तैयार करने में सहयोग कर रही थी।बताया गया कि शकुन बाई सब्जी के लिए भट्टा काट रही थी। इसी दौरान पास में चल रहा टेबल फैन अचानक गिरकर उसके ऊपर आ गया। टेबल फैन में विद्युत प्रवाह होने के कारण शकुन बाई करंट की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

### पुलिस ने शव कब्जे में लिया

घटना की सूचना मिलने के बाद कटंगी पुलिस ग्राम मोहगांव पहुंची और मृतिका के शव को अपने कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए कटंगी अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवाया गया है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद ही शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने घटना को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

# खोड़सिवनी से महिला रहस्यमय ढंग से लापता

## अपहरण का मामला दर्ज, घर से अचानक गायब हुई 28 वर्षीय महिला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम खोड़सिवनी से 28 वर्षीय महिला के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। लापता महिला गायत्री पति अशोक श्रीभाद्री बताई गई है। परिजनों की शिकायत पर हट्टा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा महिला का अपहरण कर उसे किसी गुप्त स्थान पर छिपाकर बंदी बनाकर रखने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### दोपहर में घर से निकला था पति

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार अ 15 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे अशोक श्रीभाद्री गुपचुप का ठेला लेकर घर से निकला था। उस समय घर पर उसकी पत्नी गायत्री और छोटे भाई की पत्नी निकिता मौजूद थीं। परिवार के अन्य सदस्य काम के सिलसिले में बाहर गए हुए थे।शाम करीब 6 बजे अशोक ठेले की बैटरी लेने के लिए घर वापस आया। उसने पत्नी गायत्री को आवाज लगाकर बैटरी लेकर बाहर आने के लिए कहा, लेकिन गायत्री बाहर नहीं आई। इसके बाद छोटे भाई की पत्नी निकिता पानी और बैटरी लेकर बाहर आई। अशोक ने जब उससे गायत्री के बारे में पूछा तो उसने बताया कि गायत्री शाम करीब 5 बजे से घर पर नहीं है और बिना कुछ बताए कहीं चली गई है।

### रिश्तेदारों और आसपास तलाश- नहीं मिला सुराग

गायत्री के अचानक लापता होने के बाद अशोक ने मोहल्ले और आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन उसके संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद उसने गायत्री के मायके चांगोटोला फोन कर जानकारी ली। वहां भी उसके पहुंचने की पुष्टि नहीं हुई।परिजनों ने नागपुर, नेतरा, भरवेली, हट्टा, चरेगांव, चारगांव, फुक्केमेटा और मुंडीपार सहित अन्य रिश्तेदारी में भी फोन कर गायत्री के बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

### जेवर, रुपये और मोबाइल साथ ले गई

परिजनों के अनुसार गायत्री घर से निकलते समय अपने साथ कुछ जेवर, रुपये और मोबाइल फोन लेकर गई है। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो 16 सितंबर को अशोक अपनी सास पार्वती श्रीवास्तरी, तथा चाचा ससुर निरंजन श्रीवास्तरी और अज्जू रजक के साथ हट्टा थाने पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराई।गायत्री का हुलिया रंग गेहुंआ, चेहरा सामान्य, कद करीब 5 फीट 2 इंच। शिक्षा कक्षा 12वीं तक बताई गई है। घर से निकलते समय उसने पीले रंग की साड़ी और जामुनी रंग का ब्लाउज पहन रखा था। उसके चेहरे के बाईं ओर मस्से का निशान है।

### पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील की

पुलिस ने मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपराध दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को गायत्री के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस हट्टा पुलिस से सम्पर्क करें।

# पुराने ब्लॉक ऑफिस के कमरे में मिली 58 वर्षीय व्यक्ति की लाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के पुराने ब्लॉक ऑफिस में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कमरे से 58 वर्षीय व्यक्ति की लाश बरामद हुई। मृतक की पहचान वार्ड नंबर 23 दरबारी टोला निवासी सुदय कुमार पिता राज कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर बिरसा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

### लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान था

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुदय कुमार अपने परिवार के साथ दरबारी टोला में रहता था। बताया गया है कि करीब 15 वर्षों से उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता था। लगभग 9 वर्ष पूर्व उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं जो रायपुर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। पत्नी की मृत्यु के बाद सुदय कुमार अकेला रहता था।मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह कबाड़ बीनने का काम करता था और शराब का सेवन भी करता था। वह अक्सर इधर-उधर घूमता रहता था। पिछले कुछ दिनों से वह पुराने ब्लॉक ऑफिस के एक कमरे में रह रहा था।

### चार दिन बाद कमरे से आई दुर्गंध

बताया गया कि 14 सितंबर को सुदय कुमार को देखा गया था। इसके बाद 18 सितंबर को पुराने ब्लॉक ऑफिस के कमरे से दुर्गंध आने पर लोगों ने कमरे में जाकर देखा तो वहां सुदय कुमार की लाश पड़ी हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही उसके बड़े भाई उदय कुमार, जो खुर्सीपार में रहते हैं, मौके पर पहुंचे।सूचना पर बिरसा पुलिस ने पुराने ब्लॉक ऑफिस के कमरे से शव बरामद किया और पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया।

### मौत का कारण स्पष्ट नहीं

सुदय कुमार की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का खुलासा होने की संभावना है। बिरसा पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

# मासूम दृष्टि की संदिग्ध मौत

## पेट में दर्द और जलन की शिकायत के बाद बिगड़ी हालत, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी निवासी 3 वर्ष 9 माह की मासूम बालिका दृष्टि पिता तारेंद्र पंचतिलक की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल बालाघाट लाते समय रास्ते में मौत हो गई। मासूम की मौत बीमारी से हुई या सर्पदंश के कारण यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चलने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तारेंद्र पंचतिलक नागपुर की एक निजी कंपनी में काम करते हैं। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी दामिनी 32 वर्ष एक9 वर्षीय बेटा और 3 वर्ष 9 माह की बेटी दृष्टि थी। तारेंद्र काम के सिलसिले में नागपुर में रहते हैं और समय-समय पर अपने घर आते-जाते हैं। घर पर उनकी पत्नी दोनों बच्चों और सास-ससुर के साथ रहती हैं। बताया गया है कि 17 सितंबर की रात परिवार ने खाना खाया और सो गया था। 18 सितंबर की तड़के करीब 4 बजे मासूम दृष्टि ने अपनी मां दामिनी को उठाकर पेट में दर्द और जलन होने की बात बताई। मां ने उसे लैटरिंग करने के लिए कहा, लेकिन दृष्टि ने जाने से मना कर दिया और दोबारा सो गई। इसके बाद मां ने उसे पानी पिलाया।कुछ देर बाद दृष्टि की आवाज स्पष्ट नहीं आने पर मां दामिनी को चिंता हुई। उसने तत्काल अपने सास-ससुर को जगाया और आसपास रहने वाले रिश्तेदारों को भी सूचना दी। इस दौरान दृष्टि अचेत हो गई। परिजन उसे तत्काल घर की कार से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर रवाना हुए लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने मासूम के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मासूम की मौत किसी बीमारी अथवा सांप के काटने से हुई है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का खुलासा होने की संभावना है।जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। मामले को आगे की कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित मलाजखंड थाना पुलिस को भेज दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट